जबलपुर

शुक्रवार 6 फरवरी 2026

फाल्गुन मास कृष्ण पक्ष–05
वर्ष : 20, अंक : 278
पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 *

मौसम
अधि. 25
न्यून. 12

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर सरकार का बयान

मार्च तक आएगा कानूनी मसौदा, 4 से 5 दिनों में संयुक्त बयान भी

पीयूष गोयल

संयुक्त बयान के जारी होने के बाद ट्रंप सरकार अमेरिकी टैरिफ को 18 फीसदी तक घटाने के लिए एक एग्जीक्यूटिव ऑर्डर जारी करेगी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि दोनों देश अगले 4 से 5 दिनों में संयुक्त बयान (ज्वॉइंट स्टेटमेंट) पर हस्ताक्षर कर सकते हैं। सरकार ने बताया कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौते का पहला चरण लगभग तैयार है।

वस्तुओं व सेवाओं के मुक्त प्रवाह को बढ़ावा देगा

गोयल ने कहा कि भारत और जीसीसी के बीच व्यापारिक रिश्ते 5,000 साल पुराने हैं और यह समझौता वस्तुओं व सेवाओं के मुक्त प्रवाह को बढ़ावा देगा। उन्होंने कहा कि सरकार विकसित देशों के साथ एफटीए पर सक्रियता से काम कर रही है।

इस वर्ष कुल 4,50,13,379 करोड़ आवेदन प्राप्त हुए

- परीक्षा पे चर्चा 6 फरवरी सुबह 10 बजे होगा लाइव
- प्रदेश के सभी विद्यालयों में होगा कार्यक्रम का सीधा प्रसारण
- भोपाल के शासकीय सुभाष उत्कृष्ट विद्यालय में राज्य स्तरीय कार्यक्रम

पीएम आज करेंगे विद्यार्थियों से 'परीक्षा पे चर्चा', मिलेगा तनाव से मुक्ति का मंत्र

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी में लगे छात्रों के लिए आज का दिन महत्वपूर्ण है। पीएम नरेंद्र मोदी आज परीक्षा पे चर्चा के 9वें एडिशन के जरिए छात्रों से रूबरू होंगे और उन्हें एग्जाम स्ट्रेस को दूर करने के गुर सिखाएंगे।

पीएम मोदी के ऑफिशियल एक्स अकाउंट से किए गए ट्वीट के मुताबिक परीक्षा पे चर्चा 2026 के लिए एपिसोड को 6 फरवरी 2026 को सुबह 10 बजे लाइव कर दिया जाएगा। इस बार परीक्षा पे चर्चा नए कलेवर के साथ आया है। इस बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी परीक्षा पे चर्चा देश के अलग अलग राज्यों के स्टूडेंट्स के साथ

फाइल फोटो

करेंगे। इसमें देवमोगरा, कोयंबटूर, रायपुर, गुवाहाटी और दिल्ली के 7, एलकेएम के विद्यार्थी शामिल होंगे। इस वर्ष कुल 4,50,13,379 करोड़ आवेदन प्राप्त हुए हैं। रजिस्ट्रेशन करने वालों में से स्टूडेंट्स की संख्या 4,19,14,056 टीचर्स की संख्या 24,84,259 और पेरेंट्स की संख्या 6,15,064 है। पिछले संस्करण में परीक्षा पे चर्चा के लिए 3.53 करोड़ से अधिक परीक्षा पे चर्चा के लिए रजिस्ट्रेशन हुए थे जिसके कारण गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स द्वारा इसे मान्यता दी गई थी। ऐसे में इस वर्ष भी इसे इस रिकॉर्ड के लिए नामित किया जा सकता है। प्रदेश के सभी विद्यालयों में कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया जाएगा। राज्य स्तरीय कार्यक्रम शासकीय सुभाष उत्कृष्ट विद्यालय भोपाल में होगा।

प्रदेश से 24.41 लाख से अधिक पंजीयन

प्रदेश में 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम में सहभागिता के लिए 1 दिसंबर से 11 जनवरी तक विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों को ऑनलाइन पंजीयन की सुविधा प्रदान की गई थी। इसमें मध्यप्रदेश से कक्षा 6वीं से 12वीं तक के 22 लाख 95 हजार से अधिक विद्यार्थियों, 1 लाख 28 हजार से अधिक शिक्षकों और 17 हजार से अधिक अभिभावकों सहित 24 लाख 41 हजार 390 व्यक्तियों ने सहभागिता की। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जारी निर्देशानुसार मध्यप्रदेश में भी राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद और सभी जिला शैक्षिक प्रशिक्षण संस्थानों में तथा प्रदेश के सभी शासकीय, अशासकीय एवं शासन से अनुदान प्राप्त विद्यालयों में 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम को समारोहपर्वूक आयोजित किया जाएगा।

खबर संक्षेप

जबलपुरः डीएफओ पटेल ने अचानक दिया इस्तीफा

भोपाल। मप्र कैडर के 2013 बैच के आईएफएस अधिकारी विपिन पटेल ने अचानक इस्तीफा दे दिया है। करीब 15 दिन पहले ही उनका ट्रांसफर

अनूपपुर से जबलपुर किया गया था। इसके पीछे तनाव बताया जा रहा है। लगभग एक साल से टेंशन में थे। हालांकि, डीएफओ पटेल ने इस्तीफे की वजह निजी बताई है। पटेल वर्तमान में जबलपुर में डीएफओ हैं। इससे पहले वे रीवा, दमोह, सतना और अनूपपुर के डीएफओ रह चुके हैं। अनूपपुर में अगस्त 2025 में पहले एक आरा मशीन के संचालक के खिलाफ कार्रवाई की थी। इसके बाद आरा मशीन के संचालक की शिकायत पर डीएफओ विपिन पटेल को भोपाल में बैठे आला अफसरों ने नोटिस थमा दिया था और स्पष्टीकरण मांगा था।

आपत्तिजनक पोस्ट से बढ़ा तनाव, केस दर्ज

रीवा। सोशल मीडिया पर

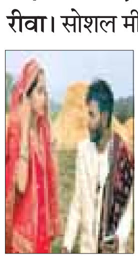

आपत्तिजनक पोस्ट को लेकर माहौल गरमाया हुआ है। ब्राह्मण समाज से जुड़ी शिकायतों के बाद सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर मनीष पटेल के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई है।

भारत के कई शहरों में डाउन हुआ 'एक्स'

नई दिल्ली। भारत में सोशल

मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स शाम 4 बजे अचानक डाउन हो गया। डाउन डिक्टेटर के मुताबिक करीब 64% यूजर्स ने वेबसाइट जबकि 23% यूजर्स ने एप में परेशानी की बात कही है।

राहुल गांधी और केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू के बीच की घटना का भी जिक्र किया

लोकसभा की बजाए राज्यसभा में बोले प्रधानमंत्री मोदी, कांग्रेस को लिया आड़े हाथ- इनकी रोज 2 किलो गाली खाता हूं

मोहब्बत की दुकान वाले 'मोदी तेरी कब्र खुदेगी' के नारे लगा रहे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अर्थव्यवस्था, व्यापार समझौतों समेत कई मुद्दों पर अपनी बात रखी। कहा कि भारत दुनिया की तीसरे नंबर की अर्थव्यवस्था बनने के करीब है

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

संसद के बजट सत्र के दौरान राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा जारी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी धन्यवाद प्रस्ताव पर धन्यवाद प्रस्ताव पर राज्यसभा को संबोधित किया।

विपक्ष की ओर से जोरदार नारेबाजी के बीच उन्होंने कांग्रेस को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि इनकी रोज 2 किलो गाली खाता हूं। मोहब्बत की दुकान वाले 'मोदी तेरी कब्र खुदेगी' के नारे लगा रहे हैं। उन्होंने राहुल गांधी और केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू के बीच की घटना का भी जिक्र किया। कहा- इसी सदन के सांसद कांग्रेस के शातिर दिमाग युवराज ने उन्हें गद्दार कह दिया। अहंकार सातवें आसमान पर पहुंच चुका है उनका। कांग्रेस को छोड़कर कितने लोग निकले हैं।

खरगे जी बैठकर भी नारे बोलना चाहें तो बोल सकते हैं पीछे कई सारे युवा नेता हैं

राज्य सभा में पीएम मोदी संबोधित करते हुए

राहुल को शातिर दिमाग युवराज बताया कहा- पार्टी बदल दी तो गद्दार हो गए?

पीएम के संबोधन की खास बातें

1. विश्व के समृद्ध से समृद्ध देश भी बुजुर्ग होते जा रहे हैं। हमारा देश युवा आबादी वाला देश बनता जा रहा है
2. भारत विश्व की चुनौतियों को समाधान देने वाला देश, आशा की किरण देने वाला देश बना हुआ
3. हमने रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म पर जोर दिया और आज देश रिफॉर्म एक्सप्रेस पर सवार हो चुका

न हमें रुकना है, न हमें पीछे मुड़कर देखना है

उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति के अभिभाषण में देश के मध्यम वर्ग, निम्न-मध्यम वर्ग, गरीब, गांव, किसान, महिलाएं, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, बहुत ही विस्तार से भारत के प्रगति का एक स्वर संसद में गूंजा है। देश के नौजवान भारत की सामर्थ्य को कैसे आगे बढ़ा रहे हैं, इसकी भी विस्तार से चर्चा की गई है। राष्ट्रपति ने भारत के उज्ज्वल भविष्य के प्रति भी भरोसा जताया है। यह हम सबके लिए प्रेरक है। पिछली शताब्दी में भारत की आजादी की जंग में दूसरा क्वार्टर बहुत ही निर्णायक बना था। मैं साफ देख रहा हूं कि विकसित भारत के निर्माण की दिशा में यह दूसरा क्वार्टर भी उतना ही सामर्थ्यवान होने वाला है।

मेघालय में अवैध कोयला खदान में धमाका

16 लोगों की मौत हुई, सात लोगों के शव बरामद

धमाके के बाद उठता गुबार

धमाके का कारण डायनामाइट का फटना

एसडीआरएफ को बुलाया गया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

मेघालय के पूर्वी जंयतिया हिल्स जिले में गुरुवार को एक बड़ा हादसा हो गया है, यहां एक अवैध कोयला खदान में बड़ा धमाका हो गया, जिसमें 16 लोगों के मारे जाने और कई लोगों के घायल होने की खबर है। धमाके का कारण डायनामाइट का फटना बताया जा रहा है। पुलिस ने घटनास्थल पर बचाव अभियान चलाने के लिए राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) से सहायता मांगी है। इधर, राज्य डीजीपी ने बताया कि अवैध कोयला खदान में हुए विस्फोट में 16 मजदूरों की मौत हो गई, कई अन्य के फंसे होने की

अवैध हो रहा था खनन

इस धमाके का कारण अवैध रूप से चल रही कोयला खनन गतिविधि के दौरान डायनामाइट का इस्तेमाल होना बताया जा रहा है। एनजीटी ने 2014 में मेघायल में पर्यावरण को होने वाले नुकसान और सुरक्षा जोखिमों का हवाला देते हुए रैट-होल कोयला खनन और अन्य अवैध तरीके के खनन तरीकों पर बैन लगा दिया था। साथ ही इन तरीकों से निकाले गए कोयले के अवैध परिवहन पर भी रोक लगा दी थी।

क्या है रैट होल खनन?

रैट-होल खनन में मजदूरों द्वारा कोयला निकालने के लिए संकरी सुरंगें खोदी जाती हैं, जिनकी ऊंचाई आमतौर पर 3 से 4 फीट होती है।

रेलवे करने जा रहा नियमों में बदलाव

जहां से लिया टिकट वहीं से करनी पड़ेगी बोर्डिंग भी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

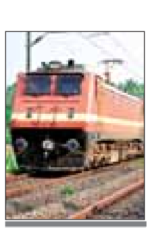

- वेटिंग और आरएसी यात्रियों को होगा फायदा तत्काल कन्फर्म होगी टिकट

भारतीय रेलवे ट्रेन यात्रा से जुड़े बोर्डिंग नियमों में एक बड़ा बदलाव करने जा रहा है, जिसका सीधा असर करोड़ यात्रियों पर पड़ेगा। दरअसल, नई व्यवस्था लागू होने के बाद अगर कोई यात्री अपने तय बोर्डिंग स्टेशन से ट्रेन में सवार नहीं होता है, तो अब टीटीई अगले स्टेशन तक उसका इंतजार नहीं करेगा। जैसे ही ट्रेन बोर्डिंग स्टेशन से आगे बढ़ेगी और यात्री अपनी सीट पर मौजूद नहीं मिलेगा, उसकी सीट को तुरंत खाली मान लिया जाएगा। नए नियमों के तहत टीटीई चेकिंग के दौरान पहले अपने हैंडहेल्ड डिवाइस पर तुरंत नोट टर्न अप की एंट्री करेंगे।

मंदसौर में गोवंश का कटा सिर-पैर मिला

हिंदू संगठनों ने दिया धरना उठी गिरफ्तारी की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंदसौर

- 13 दिन पहले भी हो चुकी ऐसी घटना फिर घटना सामने आने के बाद बढ़ा आक्रोश

यहां गोवंश के अवशेष मिलने से तनाव की स्थिति बन गई। गुरुवार दोपहर करीब 3:30 बजे शहर के नयापुरा से सटे जीवागंज क्षेत्र में गोवंश का कटा हुआ सिर और एक पैर मिलने की सूचना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी मिलते ही विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता और समाजजन बड़ी संख्या में माहेश्वरी धर्मशाला के ठीक सामने नयापुरा रोड पर एकत्रित हो गए और चक्का जाम कर सड़क पर बैठ गए। इसके चलते नयापुरा रोड पर आवागमन पूरी तरह ठप हो गया।

सरकार के स्तर पर अहम नियुक्ति

सीएम के ओएसडी बने अजातशत्रु श्रीवास्तव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

- आईएएस डांड आईपीएस हिंगणकर को भी 1 साल का मिला एक्सटेंशन

मध्यप्रदेश में प्रशासनिक स्तर पर एक अहम नियुक्ति की गई है। मुख्यमंत्री के ओएसडी (ऑफिसर ऑन स्पेशल ड्यूटी) के पद पर रिटायर्ड आईएएस अधिकारी अजातशत्रु श्रीवास्तव की तैनाती की गई है। यह नियुक्ति महेश चंद चौधरी को इस पद से हटाए जाने के बाद की गई है। सरकार के आदेश के अनुसार श्रीवास्तव तत्काल प्रभाव से मुख्यमंत्री कार्यालय में अपनी जिम्मेदारी संभालेंगे। रिटायर्ड आईएएस अजातशत्रु श्रीवास्तव प्रदेश के वरिष्ठ और अनुभवी प्रशासनिक अधिकारियों में गिने जाते हैं।

ये विस्फोटक किसके लिए और किस उद्देश्य से ले जाए जा रहे थे, इसका पता नहीं

विस्फोटक तमिलनाडु के धारापुरम इलाके से लाया जा रहा था

केरल में हड़कंप : 'तरबूजों की आड़' में 100 बक्सों में मिले 18000 जिलेटिन स्टिक और 4800 डेटोनेटर

एजेंसी ▶▶ पलक्कड

केरल में पलक्कड़ के समीप एक वाहन में रखे विस्फोटक पदार्थों के 100 से अधिक बक्से जब्त किए गए। पलक्कड़ टाउन साउथ थाने के एक अधिकारी ने बताया कि रात करीब नौ बजे इस वाहन से जिलेटिन की छड़ों के 100 से अधिक बक्से और डेटोनेटर के 20 से अधिक बक्से बरामद हुए हैं। ये बक्से तरबूजों की खेप के नीचे छिपाए गए थे। यह कार्रवाई बुधवार रात करीब 9 बजे पलक्कड़ गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज के पास याक्कारा सर्विस रोड पर की गई।

ये बेहद खतरनाक और महंगे विस्फोटक हैं। इनका इस्तेमाल आमतौर पर खदानों और पत्थर तोड़ने के काम में किया जाता है

पुलिस जांच करती हुई

तमिलनाडु का रहने वाला है लॉरी चालक

पुलिस के मुताबिक शुरुआती पूछताछ में चालक सेंथिल कुमार ने बताया कि यह विस्फोटक तमिलनाडु के धारापुरम इलाके के थुप्पूर से लाया जा रहा था और इन्हें केरल के त्रिशूर जिले तक पहुंचाया जाना था। हालांकि, पुलिस को शक है कि इसके पीछे एक बड़ा तस्करी नेटवर्क काम कर रहा है। इसी वजह से चालक से गहन पूछताछ की जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि ये विस्फोटक किसके लिए और किस उद्देश्य से ले जाए जा रहे थे।

पहले भी पकड़े जा चुके हैं विस्फोटक

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि यह पहली घटना नहीं है। पिछले साल भी पलक्कड़ और कोयंबटूर पुलिस ने मिलकर तमिलनाडु से केरल लाए जा रहे 40 हजार से ज्यादा जिलेटिन स्टिक और करीब 5,000 डेटोनेटर जब्त किए थे। फिलहाल पुलिस मामले की हर एंगल से जांच कर रही है।

शाह ने लॉन्च किया 'भारत टैक्सी'

अब जीरो कमीशन, नो सर्ज प्राइसिंग, ड्राइवर बनेंगे मालिक

सहकारी क्षेत्र को मजबूती मिलेगी और देश में समावेशी परिवहन सेवाओं को मिलेगा बढ़ावा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देश के कैब सर्विस सेक्टर में गुरुवार को एक नया चैप्टर जुड़ गया है। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने नई दिल्ली में भारत का पहला सहकारी मॉडल आधारित राइड-हेलिंग प्लेटफॉर्म भारत टैक्सी लॉन्च कर दिया। यह सहकारी क्षेत्र को मजबूत करने और देश में समावेशी व नागरिक-केंद्रित परिवहन सेवाओं को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इस नए प्लेटफॉर्म के साथ डिजिटल मोबिलिटी सेक्टर में बड़े बदलाव की तैयारी है।

भारत के कैब सेक्टर में नया अध्याय जुड़ा

नई दिल्ली। केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को नई दिल्ली में 'भारत टैक्सी' के शुभारंभ के दौरान यह जानकारी दी।

चालक भाई-बहन मुनाफा कमाएंगे और विशेष सपोर्ट

शाह ने कहा कि सहकारिता से बहुत लोग छोटी-छोटी पूंजी लगाकर कैसे बड़ी शुरुआत कर सकते हैं, 'भारत टैक्सी' इसका उदाहरण है। आज का दिन टैक्सी चालक बहनों-भाइयों के लिए बहुत ही अहम है। उनके द्वारा शुरू की गई सहकारी क्षेत्र की पहली टैक्सी सर्विस 'भारत टैक्सी' का नई दिल्ली में शुभारंभ हुआ।

भारत टैक्सी एप के प्रमुख फीचर्स

- इस ऐप में ग्राहकों को किसी तरह की सर्ज प्राइसिंग नहीं देनी होगी। पीक आवर्स में भी किराया फिक्स रहेगा।
- राइड ऑप्शन के तौरपर कैब, ऑटो और बाइक टैक्सी और इंटरसिटी ट्रैवल सपोर्ट मिलेगा।
- कम किराया और पूरी पारदर्शिता के साथ ड्राइवर्स की पुलिस वेरिफिकेशन होगी। लाइव ट्रैकिंग, कॉन्टैक्ट के साथ राइड शेयरिंग और अलग-अलग भाषाओं में 24/7 सपोर्ट।

प्राइवेट कंपनियों पर निर्भरता नहीं होगी

'भारत टैक्सी एक कोऑपरेटिव आधारित डिजिटल टैक्सी एप है। इसका मकसद कमर्शियल वाहन चालकों को ओला, उबर और रैपिडो जैसी प्राइवेट कंपनियों पर निर्भरता से मुक्त करना है। भारत टैक्सी के ड्राइवरों को 'सारथी' कहा जाएगा। दिल्ली में टेस्टिंग पूरी हो गई है जबकि गुजरात के राजकोट में अभी ट्रायल चल रहा है। पेमेंट और पारिश्रमिक प्रणाली में ड्राइवरों को बेहतर वित्तीय प्रोत्साहन मिल सकेगा।

टैक्सी खरीदने के लिए ड्राइवरों को मिलेगा लोन

भविष्य में वह ड्राइवरों को अपनी खुद की टैक्सी खरीदने के लिए सरकारी लोन उपलब्ध कराएगी। सेवा का मानना है कि इससे रोज़गार के नए अवसर पैदा होंगे।यात्रियों और ड्राइवरों की सुरक्षा के लिए भारत टैक्सी ने दिल्ली पुलिस और गुजरात पुलिस के साथ साझेदारी की है। इस ऐप में रीयल-टाइम ट्रैकिंग, सत्यापित ड्राइवर, बहुभाषी सुविधा और सारे दिन 24 घंटे कस्टमर केयर जैसी सुविधाएं होंगी। इसके अलावा, इसे मेट्रो नेटवर्क से जोड़ने की भी योजना है।

एप के फायदे

1. अलग-अलग तरह की ट्रैवल की जरूरतों को पूरा करने के लिए भारत टैक्सी सर्विस -हर तरह की कैब सर्विसेज ऑफर करती है। यह कैब सर्विस व्यक्तिगत, परिवारों और बिजनेस ट्रैवलर्स के लिए पर्फेक्ट है।
2. भारत टैक्सी सर्विस के सबसे अहम फीचर्स में से एक है- ड्राइवर्स के लिए ज़ीरो कमीशन। ड्राइवर अपनी पूरी कमाई अपने पास रखते हैं और प्लेटफ़ॉर्म को कोई कमीशन नहीं देना पड़ता। इससे उनकी इनकम बढ़ती है, आर्थिक दबाव कम होता है। वे यात्रियों को बेहतर व भरोसेमंद सर्विसेज देने के लिए प्रेरित होते हैं।
3. भारत टैक्सी सर्विस इंस्टेंट बुकिंग सपोर्ट करता है। यूजर्स प्लेटफॉर्म के जरिए फटाफट कैब बुक क र सकते हैं। यह प्रक्रिया काफी सिंपल और समय बचाने वाली है और इससे इमरजेंसी या लास्ट-मिनट ट्रैवल प्लान के दौरान यात्रियों को सुविधा होती है।

खबर संक्षेप

अलंकार ने राजनीति में उतरने का दिया संकेत

बरेली। यहां के सिटी मजिस्ट्रेट रहे निलंबित पीसीएस अधिकारी अलंकार अग्निहोत्री ने कहा कि यूजीसी के नए नियमों के खिलाफ जनप्रतिनिधि आवाज नहीं उठा रहे हैं। प्रेसवार्ता के दौरान कहा कि लोकतंत्र विफल होता दिख रहा है। इस वजह से उन्हें इस्तीफा देना पड़ा। वेअपने लोगों से लड़ने नहीं आए हैं। अग्निहोत्री ने भाजपा को ईस्ट इंडिया कंपनी कहा।

ठाकुर पर लगा आजीवन प्रतिबंध कोर्ट ने हटाया

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने अनुराग सिंह ठाकुर पर बीसीसीआई के मामलों में हिस्सा लेने पर लगा बैन हटा दिया है। कोर्ट ने कहा कि उन पर जिंदगी भर का प्रतिबंध लगाना न तो सही था और न ही इसका कोई इरादा था। सीजेआई की अगुआई वाली बेंच ने कहा कि यह आनुपातिकता के सिद्धांत को लागू करने का सही मामला है। जिंदगी भर बैन की जरूरत थी।

साणंद में छापा, 81 रसूखदार हिरासत में

साणंद। गुजरात के साणंद जिले में पुलिस ने अहमदाबाद के पास एक प्राइवेट वीकेंड होम पर छापा मारा और शराबबंदी कानूनों का उल्लंघन करते हुए शराब और हुक्का पार्टी करने के आरोप में 81 लोगों को हिरासत में लिया है। बुधवार रात को गोरस सीम इलाके के पास निर्वाण ग्रीन्स वीकेंड होम में यह छापा मारा गया। यह पार्टी 'एवी' नाम के व्यक्ति ने की थी।

9 से बेंगलुरु मेट्रो का किराया बढ़ेगा

बेंगलुरु। मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेडने गुरुवार को आधिकारिक तौर पर किराए में पांच प्रतिशत की बढ़ोतरी की घोषणा की। नई दरें 9 फरवरी से लागू होंगी। जनसंपर्क अधिकारी बीएल यशवंत चौहान ने बताया कि हर साल एक फॉर्मूले के तहत प्रतिशत के आधार पर गणना की जाती है। इसमें अधिकतम 5 प्रतिशत और न्यूनतम 4 प्रतिशत की बढ़ोतरी की जाती है।

पीएम 13 को भाजपा पार्षदों को देंगे पार्टी

नई दिल्ली। केरल विधानसभा चुनावों की घोषणा से पहले भाजपा तिरुवनंतपुरम नगर निगम पर ऐतिहासिक जीत का जश्न मनाएगी। तिरुवनंतपुरम में पहली बार भाजपा को जीत मिली है, जिसने 4 दशकों से ज्यादा तक चले लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट के निर्बाध शासन को भी खत्म किया है। प्रधानमंत्री 13 फरवरी को अपने आवास पर पार्षदों के लिए डिनर रखा है।

संसद में बजट सत्र के दौरान लगातार हंगामा, स्पीकर बिरला ने कहा

प्रधानमंत्री मोदी को मैंने ही लोकसभा आने से किया था मना, वह अप्रत्याशित घटनाक्रम था

विपक्ष का व्यवहार संसद की गरिमा व लोकतांत्रिक मर्यादाओं के बिल्कुल विपरीत दिखा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

संसद के बजट सत्र के दौरान इन दिनों लोकसभा में लगातार हंगामा देखने को मिल रहा है। बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर जवाब देना था, लेकिन विपक्ष के विरोध और नारेबाजी के कारण यह संभव नहीं हो सका। हालात बिगड़ते देख सदन की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। इस पर लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने सदन में गंभीर और अहम बयान दिया है। बिरला ने कहा कि जिस तरह का माहौल उस दिन लोकसभा में बना, उसमें कोई भी अप्रिय और अप्रत्याशित घटना घट सकती थी। ऐसा व्यवहार संसद की गरिमा और लोकतांत्रिक मर्यादाओं के बिल्कुल विपरीत था। बिरला ने बताया कि लोकसभा के इतिहास में पहली बार उन्होंने इस तरह का आचरण देखा है। कुछ सदस्यों ने न केवल सदन के भीतर बल्कि अध्यक्ष के कार्यालय में भी जिस प्रकार का व्यवहार किया, वह संसदीय परंपराओं के अनुरूप नहीं था। स्पीकर ने इसे संसदीय व्यवस्था पर काला धब्बा बताया और कहा कि अब तक राजनीतिक मतभेदों को कभी भी अध्यक्ष के कार्यालय तक नहीं ले जाया गया। उन्होंने सभी से अपील की कि मतभेद लोकतंत्र का हिस्सा हैं, लेकिन सदन को सुचारू रूप से चलाने में सभी सांसदों का सहयोग आवश्यक है।

पीएम की सुरक्षा को लेकर जताई चिंता

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बवाल

बिरला ने सदन में यह भी खुलासा किया कि जब प्रधानमंत्री को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर जवाब देना था, तब उन्हें पुख्ता जानकारी मिली थी कि कांग्रेस के कुछ सदस्य प्रधानमंत्री के आसन तक पहुंचने की कोशिश कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि उन्होंने स्वयं सदन में ऐसे दृश्य देखे, जिससे स्थिति और गंभीर हो गई थी।

पीएम ने स्पीकर के आग्रह को माना

बिरला ने बताया कि सदन के नेता होने के बावजूद प्रधानमंत्री ने उनके आग्रह को स्वीकार किया और सदन में नहीं आए। उन्होंने इसके लिए प्रधानमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि इससे एक बड़े अप्रिय दृश्य को टालने में मदद मिली और सदन की गरिमा बनी रही। उनकी जिम्मेदारी है कि वे परंपराओं और मर्यादा की रक्षा करें।

राहुल का नाम लिए बिना खरगे से बोले नड्डा

पार्टी को 'अबोध बालक' का बंधक न बनने दें

संसद के बजट सत्र में सियासी हंगामा जारी है। लोकसभा के बाद अब राज्यसभा में भी सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी तकरार देखने को मिली। सदन के नेता जेपी नड्डा और विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे के बीच लोकतंत्र और अहंकार जैसे मुद्दों पर जोरदार बहस हुई। इस दौरान नड्डा ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी का नाम लिए बिना उन पर निशाना साधा और उन्हें 'अबोध बालक' कह दिया। नड्डा और खरगे के बीच हुई इस तकरार के बीच सभापति ने भी टिप्पणी की। नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाली सरकार हर समय और सभी विषयों पर चर्चा के लिए तैयार है। विपक्ष ने लोकसभा को चलने नहीं दिया।

खरगे ने किया पलटवार

आपको तो मोदी जी ने बंधक बना लिया

नड्डा की टिप्पणी पर मल्लिकार्जुन खरगे ने पलटवार किया। उन्होंने कहा कि आपकी पार्टी तो ऐसी है जहां कोई बोलता ही नहीं। आपको तो मोदी जी ने बंधक बना लिया है। आप बिना उनकी राय के कोई बात नहीं कर सकते। उन्होंने सत्ता पक्ष के लिए बंधुआ मजदूर जैसे शब्द का इस्तेमाल किया, जिसे बाद में सभापति ने सदन की कार्यवाही से हटाने का निर्देश दिया।

प्रियंका ने लगाए आरोप

प्रधानमंत्री स्पीकर के पीछे छिप रहे हैं

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने कहा कि पीएम मोदी स्पीकर के पीछे छिप रहे हैं। उनमें सदन में आने की हिम्मत नहीं थी क्योंकि 3 महिलाएं बेंच के सामने खड़ी थीं। यह कैसा बेतुका तर्क है? सरकार चर्चा नहीं चाहती। राहुल गांधी के लिए 'अबोध' शब्द का इस्तेमाल करने पर प्रियंका ने कहा कि यह किस तरह की बातें हैं?

सुप्रीम कोर्ट ने बंगाल सरकार को सुनाया

वहां महंगाई भत्ता लागू किया जाए यह कर्मियों का 'योग्य अधिकार'

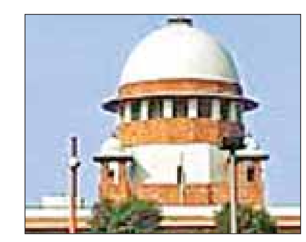

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल सरकार और उसके कर्मचारियों के बीच लंबे समय से महंगाई भत्ते के भुगतान को लेकर विवाद चल रहा है। ऐसे में गुरुवार को शीर्ष अदालत ने बंगाल सरकार को झटका देते हुए करीब 20 लाख कर्मचारियों को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि महंगाई भत्ते का भुगतान लागू करने योग्य अधिकार है।

कोर्ट ने निर्देश दिया कि 2008 से 2019 तक की अवधि का डीए बकाया भुगतान किया जाना चाहिए। अंतरिम आदेश का उल्लेख करते हुए कोर्ट ने इस बात को भी साफ किया कि कुल बकाए की कम से कम 25फीसदी राशि 6 मार्च तक जारी कर दी जानी चाहिए।

4 सदस्यीय समिति गठित की जाए

पीठ ने राज्य सरकार को शेष 75 प्रतिशत महंगाई भत्ते पर निर्णय लेने के लिए चार सदस्यीय समिति गठित करने का भी आदेश दिया है। इसी बेंच ने पिछले साल अगस्त में इस मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। पिछले साल 16 मई को पारित एक अंतरिम आदेश में सर्वोच्च न्यायालय ने राज्य सरकार को अपने कर्मचारियों को महंगाई भत्ता का 25 प्रतिशत 'तीन महीने के भीतर' भुगतान करने का निर्देश दिया था। ममता सरकार ने धन की कमी का हवाला देते हुए सुप्रीम कोर्ट से समय सीमा को 6 महीने बढ़ाने की अपील की थी।

भाजपा ने ममता सरकार को घेरा

बंगाल भाजपा अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने कहा कि बंगाल सरकार सरकारी कर्मचारी के साथ प्रताड़ना कर रही थी। सरकार की उनको डीए देने की कोई इच्छा नहीं थी।

'सुपरटेक' पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला

पहले घर फिर बकाया, 16 प्रोजेक्ट एनबीसीसी को सौंपे

सुप्रीम कोर्ट ने सुपरटेक मामले में घर खरीदारों को बड़ी राहत दी है। सुप्रीम कोर्ट ने विशेष शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए एनसीएलएटी के उस आदेश को बरकरार रखा है, जिसमें एनबीसीसी को सुपरटेक की रुकी हुई परियोजनाओं को पूरा करने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। कोर्ट ने एनबीसीसी को 16 रुकी हुई परियोजनाओं को संभालने वाले एनसीएलएटी के आदेश को बरकरार रखा है। कोर्ट ने कहा है कि नोएडा , ग्रेटर नोएडा और यमुना एक्सप्रेसवे प्राधिकरण को उनका बकाया भुगतान तभी मिलेगा, जब घर खरीदारों को उनके फ्लैट मिल जाएंगे। घरों में पानी, बिजली, सीवेज कनेक्शन जैसी सभी सुनिश्चित सुविधाएं होनी चाहिए।

दिल्ली हाईकोर्ट ने छात्रों के संबंध में दिया फैसला

मेडिकल छात्र के दूसरे कॉलेज में ट्रांसफर पर रोक खारिज, एनएमसी को नीति बनानी होगी

शर्तों के साथ माइग्रेशन की अनुमति देने का नियम बनाएं

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली हाईकोर्ट ने मेडिकल छात्र के एक कॉलेज से दूसरे कॉलेज में ट्रांसफर या माइग्रेशन पर पूर्ण प्रतिबंध को अमान्य करार दिया है। नेशनल मेडिकल कमीशन को आवश्यक शर्तों के साथ माइग्रेशन की अनुमति देने हेतु 'उचित नीति' बनाने का निर्देश दिया है। मुख्य न्यायाधीश डीके उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस करिया की पीठ ने यह फैसला सुनाया।

प्रतिबंध स्पष्ट रूप से अविवेकपूर्ण और मनमाना

कोर्ट ने कहा कि मेडिकल शिक्षा संस्थानों में एकरूपता, मानक और अखंडता बनाए रखने के नाम पर ट्रांसफर या माइग्रेशन पर प्रतिबंध, जिसकी आवश्यकता विभिन्न परिस्थितियों में पड़ सकती है, उचित नहीं है। ऐसा प्रतिबंध स्पष्ट रूप से अविवेकपूर्ण और मनमाना है।

अधिकारों से इनकार नहीं कर सकते

अदालत ने यह भी कहा कि माइग्रेशन के दुरुपयोग की आशंका का एनएमसी का तर्क टिकाऊ नहीं है, क्योंकि दुरुपयोग की संभावना के आधार पर किसी नागरिक के वैध अधिकारों से इनकार नहीं किया जा सकता।

स्कूटी चलाते दिखे प्रेमानंद, शिष्यों ने वीडियो बनाने से रोका

यमुना खादर। सोशल मीडिया पर संत प्रेमानंद महाराज का एक वीडियो तेजी से वायरल हुआ। वीडियो में स्वामी प्रेमानंद महाराज यमुना खादर में बने एक मार्ग से स्कूटी चलाते हुए दिखाई दे रहे हैं। महाराज को स्कूटी चलाते देखा तो आसपास के लोगों ने अपने मोबाइल से जब वीडियो बनाना शुरू कर दिया तो उनके साथ चल रहे उनके शिष्यों ने ऐसा करने से रोका। दूसरी ओर उनके 3-4 शिष्य बुलेट पर साथ चल रहे हैं।

33 घंटे जाम के बाद खुला मुंबई-पुणे हाईवे

कारोबारी को मंगाना पड़ा हेलीकॉप्टर

पुणे। मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर एक गैस टैंकर पलटने के बाद आम लोगों के साथ-साथ खास लोगों भी परेशान हो गए। पुणे के जाने-माने उद्योगपति सुधीर मेहता इस जाम में करीब आठ घंटे तक फंसे रहे। वहां से निकलने और पुणे वापस लौटने के लिए उन्होंने हेलीकॉप्टर का सहारा लिया। घटना मंगलवार शाम की है। टैंकर से ज्वलनशील गैस लीक होने लगी। पुलिस ने ट्रैफिक रोक दिया। इससे यात्री करीब 33 घंटे तक सड़क पर फंसे रहे।

पश्चिम बंगाल विधानसभा में अंतरिम बजट पेश, यहां 'रेवड़ी' बांटी

महिलाओं को 500 रु. तो बेरोजगारों को हर माह मिलेंगे 1500

वित्त मंत्री चंद्रिमा ने 04.06 लाख करोड़ का बजट किया पेश

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

पश्चिम बंगाल विधानसभा में राज्य की वित्त मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य ने गुरुवार को वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 04.06 लाख करोड़ का अंतरिम बजट पेश किया। बंगाल सरकार ने अपनी सबसे बड़ी योजना 'लक्ष्मी भंडार' का ऐलान किया। इस योजना के तहत राज्य की 2.42 करोड़ महिलाओं को मासिक सहायता राशि में 500 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। बढ़ी हुई राशि फरवरी से ही लागू हो जाएगी। राजनीतिज्ञ इसे आगामी विधानसभा चुनाव से जोड़कर देख रहे हैं।

'लक्ष्मी भंडार' का किया ऐलान

आसा और आंगनबाड़ी कार्यकार्यकर्ताओं का भत्ता बढ़ाया ममता सरकार ने लक्ष्मी भंडार योजना के अलावा, प्रस्तावित बजट में गिग वर्कर्स को मौजूदा सामाजिक सुरक्षा योजनाओं (जैसे कि स्वास्थ्यसाथी) में शामिल करने को कहा है। भट्टाचार्य ने सरकारी कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में 4 प्रतिशत बढ़ोतरी का प्रस्ताव है। बजट में आशा कार्यकर्ताओं और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के भत्ते में भी बढ़ोतरी का प्रस्ताव है, इनके भत्ते में 1000 की बढ़ोतरी की जाएगी।

ममता बोलीं- हमने अपना वादा निभाया

सीएम ममता बेनर्जी ने कहा कि हम 100 दिन रोजगार योजना, आवास योजना जैसी कई योजनाओं में देश में नंबर एक पर हैं। केंद्र ने इन योजनाओं के लिए फंड देना बंद कर दिया। हम यह बजट जनता के लिए पेश कर रहे हैं, न कि चुनाव पर ध्यान केंद्रित कर रहे। हमने अपना वादा निभाया है। हमने इस फरवरी से लक्ष्मी भंडार में 500 रुपए की वृद्धि की घोषणा की है।

बिहार में वोटिंग से पहले 10-10 हजार, सुनवाई आज

बिहार विधानसभा चुनावों में एक भी सीट न जीत पाने वाली प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी ने सुप्रीम कोर्ट में आरोप लगाया कि नीतीश सरकार ने चुनावी लाभ लेने की कोशिश की, जिससे निष्पक्ष चुनाव की प्रक्रिया प्रभावित हुई है। लाखों महिलाओं के खाते में 10-10 हजार रुपए डाले।

राज्यसभा में भड़कीं सीतारमण

कांग्रेस राज में होती थी 'लिंचिंग' खरगे को बयान को खारिज किया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

संसद के बजट सत्र में गुरुवार को एक हाई-वोल्टेज ड्रामा देखने को मिला, जब केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने विपक्षी नेता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे पर तीखा हमला बोला। खरगे ने लिंचिंग जैसे गंभीर शब्द का इस्तेमाल कर सरकार को घेरने की कोशिश की, तो वित्त मंत्री ने न केवल इस पर कड़ी आपत्ति जताई, बल्कि इसे सदन की कार्यवाही के रिकॉर्ड से हटाने की मांग भी की। सीतारमण ने कांग्रेस को उनके अपने शासनकाल की याद दिलाते हुए उन विवादित घटनाओं का जिक्र किया जिन्होंने देशभर में सुर्खियां बटोरी थीं।

वित्त मंत्री ने तथ्यों के साथ कांग्रेस के दावों की धज्जियां उड़ा दीं। उन्होंने कहा कि मैं विपक्ष के नेता का सम्मान करती हूं, लेकिन उन्होंने जिस 'लिंचिंग' शब्द का सहारा लिया है, वह पूरी तरह गलत है। सीतारमण ने स्पष्ट रूप से सभापति से आग्रह किया कि इस शब्द को रिकॉर्ड से हटाया जाना चाहिए।

1 तीखे मोड़ों और भूस्खलन प्रभावित इलाकों से भी निजात मिलेगी

2 क्वीन ऑफ हिल्स के लिए गेमचेंजर साबित होगा प्रोजेक्ट

3 भौगोलिक सर्वे शुरू मिट्टी और पहाड़ों की होगी गहन जांच

4 42 किमी लंबे दो लेन हाईवे की स्वीकृति दे दी है

देहरादून से मसूरी के बीच बनने जा रहा 3500 करोड़ का हाइवे, 2 लंबी सुरंगों से कटेगा पहाड़

मसूरी में लगने वाले जाम से पर्यटकों को जल्द ही निजात मिल सकती है। यहां 42 किमी लंबा हाइवे बनने का काम शुरू हो गया है, जिसमें दो सुरंग भी शामिल रहेंगी।

एजेंसी ▸▸ मसूरी

देश भर से मसूरी आने वालों के लिए घंटों का जाम, खड़ी चढ़ाइयों पर रेंगती गाड़ियों और बरसात में बंद हो जाने वाले रास्ते, ये सब अब बीते दिनों की बात हो सकती है। देहरादून से मसूरी के बीच हाइवे बनने जा रहा है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने 42 किमी लंबे दो-लेन हाईवे की स्वीकृति दे दी है। इस पर करीब 3500 करोड़ रुपए खर्च होंगे। यह हाईवे झाझरा से लेकर मसूरी के लाइब्रेरी चौक तक बनेगा। इसकी सबसे बड़ी खासियत होंगी दो लंबी सुरंगें, जो पहाड़ों के भीतर से होकर सफर को तेज, सुरक्षित और सुगम बनाएंगी। नई परियोजना के तहत, जॉर्ज एवरेस्ट क्षेत्र के नीचे 2.9 किमी लंबी सुरंग बनाई जाएगी, जबकि दूसरी सुरंग मसूरी की पहाड़ियों में लगभग

हाईवे झाझरा से लेकर मसूरी के लाइब्रेरी चौक तक बनेगा
एआई इमेज

दो किमी लंबी होगी। इन सुरंगों के बनने से न केवल दूरी कम होगी, बल्कि तीखे मोड़ों और भूस्खलन प्रभावित इलाकों से भी निजात मिलेगी। अगर यह परियोजना तय समय पर पूरी होती है, तो यह न सिर्फ मसूरी के यातायात इतिहास में मील का पत्थर साबित होगी, बल्कि पर्यटन, आपदा प्रबंधन और क्षेत्रीय विकासकृतीनों के लिए गेमचेंजर होगी। सुरंगों से होकर गुजरता हाईवे पहाड़ों की सुंदरता को बरकरार रखते हुए आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर का उदाहरण बनेगा।

खबर संक्षेप

शशि थरूर के बेटे ईशान की गई नौकरी

नई दिल्ली। दिग्गज अमेरिकी अखबार में हाल ही में हुई बड़ी छंटनी ने मीडिया जगत को चौंका दिया है। इस कटौती की जद में भारतीय कांग्रेस सांसद शशि थरूर के बेटे और प्रख्यात पत्रकार ईशान थरूर भी आ गए हैं। अखबार ने अपने अंतरराष्ट्रीय कवरेज और खेल विभाग सहित कई महत्वपूर्ण सेक्शन में भारी फेरबदल किया है।

हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त पायलट समेत 2 की मौत

फ्लैगस्टाफ। एरिजोना जन सुरक्षा विभाग का एक हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त होने से पायलट और एक सैनिक की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। विभाग के सार्जेंट केमेरोन ली ने बताया कि यह हादसा बुधवार रात को उस समय हुआ, जब हेलिकॉप्टर ने गोलीबारी की एक घटना में अधिकारियों की मदद के लिए उड़ान भरी थी।

गाजा में इजराइल के हमले में 24 की मौत

गाजा पट्टी। गाजा में इजराइली गोलीबारी में कम से कम 24 फलस्तीनी मारे गए, जिनमें दो बच्चे भी शामिल हैं। अस्पताल के अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। वहीं, इजराइल का कहना है कि आतंकियों की तरफ से की गई गोलीबारी में उसका एक सैनिक गंभीर रूप से घायल हो गया।

नाइजीरियाः आतंकवादियों के हमले में 162 की मौत

सोकोतो। पश्चिमी नाइजीरिया के दो गांवों पर हथियारबंद चरमपंथियों के हमले में 162 लोग मारे गए। एक सांसद ने बुधवार को यह जानकारी की। क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले सांसद मोहम्मद उमर बायो ने बताया कि मंगलवार शाम को क्वारा राज्य के वोरो और नुकु गांवों को निशाना बनाकर हमले किए गए।

भारतीय विदेश मंत्रालय ने की स्थिति स्पष्ट, हरेक सवाल का दिया जवाब

ऊर्जा सुरक्षा सबसे बड़ी प्राथमिकता, वेनेजुएला समेत किसी भी नए विकल्पों के मूल्यांकन के लिए तैयार

भारत ऊर्जा आपूर्ति में विविधता लाने का पक्षधर

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

भारत ने कहा है कि मौजूदा अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों को देखते हुए उसकी सबसे बड़ी प्राथमिकता अपने 140 करोड़ लोगों की ऊर्जा सुरक्षा है। वह वेनेजुएला समेत किसी भी नए आपूर्ति विकल्प के वाणिज्यिक लाभों का मूल्यांकन करने के लिए तैयार है। भारत ने दोहराया कि वह ऊर्जा आपूर्ति में विविधता लाने का पक्षधर है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गुरुवार को यहां साप्ताहिक पत्रकार वार्ता में एक बार फिर ऊर्जा जरूरतों और लाभकारी मूल्यों को निर्णय का आधार बताया। उन्होंने दोहराया कि भारत आपूर्ति में विविधता लाने का पक्षधर है।

भारत की इस टिप्पणी को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान से जोड़कर देखा जा रहा है, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि भारत रूसी तेल खरीदी बंद करने पर सहमत हो गया है। जायसवाल ने भारत अमेरिकी समझौते से जुड़े कई प्रश्नों के उत्तर दिए। प्रवक्ता ने राष्ट्रपति ट्रंप के दावे पर कहा, ऊर्जा आपूर्ति के संबंध में सरकार ने कई मौकों पर सार्वजनिक रूप से बयान दिया है। सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता 140 करोड़ भारतीयों की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना है। भारत की रणनीति रही है कि अपने इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए बाजार स्थितियों और बदलते वैश्विक घटनाक्रम के अनुरूप ऊर्जा स्रोतों में विविधता लाए। भारत के सभी कदम इसी बात को ध्यान में रखकर उठाए गए हैं और भविष्य में भी उठाए जाएंगे।

सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता 140 करोड़ भारतीयों की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना

टैरिफ की अंतिम दर 18 प्रतिशत ही होगी

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते और नई टैरिफ संरचना को लेकर भी विदेश मंत्रालय का बयान सामने आया है। प्रवक्ता जायसवाल ने कहा, 'प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति ट्रंप की बातचीत और राष्ट्रपति ट्रंप के ट्वीट के बाद प्रधानमंत्री ने खुद बताया कि 'मेक इन इंडिया' उत्पाद अब अमेरिका को 18 प्रतिशत की कम टैरिफ दर पर निर्यात किए जा सकेंगे। विदेश मंत्रालय ने यह भी बताया कि ये व्यापार समझौता भारत के निर्यात, रोजगार सृजन और विकास को बढ़ावा देगा और समृद्धि लाएगा। अमेरिकी पक्ष ने भी स्पष्ट किया है कि टैरिफ की अंतिम दर 18 प्रतिशत ही होगी।

क्या था डोनाल्ड ट्रंप का दावा ?

डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी चुनावी मुहिम के दौरान एक बड़ा बयान दिया था। उन्होंने 'लिक्विड गोल्ड' यानि कच्चे तेल के उत्पादन को लेकर अमेरिका की क्षमता पर बात की थी। ट्रंप का कहना था कि अगर वे सत्ता में वापस आते हैं, तो अमेरिका में तेल का उत्पादन इतना बढ़ा देंगे कि भारत और चीन जैसे देशों को वेनेजुएला या ईरान जैसे अमेरिका-विरोधी देशों से तेल खरीदने की जरूरत ही नहीं पड़ेगी। ट्रंप के बयान का मतलब साफ था कि वे चाहते हैं कि भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए अमेरिका पर निर्भर रहे और वेनेजुएला जैसे प्रतिबंधित देशों से दूर रहे।

वेनेजुएला भारत का ऊर्जा क्षेत्र

ट्रंप के वेनेजुएला से तेल खरीद से संबंधित दावों पर विदेश मंत्रालय ने कहा कि वेनेजुएला भारत का ऊर्जा क्षेत्र, व्यापार और निवेश को लेकर लंबे समय से सहयोगी रहा है। वेनेजुएला भारत का 2019-20 तक तेल खरीद का सबसे बड़ा स्रोत रहा है। बाद में प्रतिबंधों के चलते हमने तेल खरीद रोक दी थी। वहीं भारतीय तेल कंपनियों का वेनेजुएला की राष्ट्रीय तेल कंपनियों के साथ सहयोग पहले से रहा है। ऊर्जा सुरक्षा को लेकर भारत वेनेजुएला सहित किसी भी नए कच्चे तेल आपूर्तिकर्ता से जुड़े विकल्पों के वाणिज्यिक फायदों को जानने के लिए तैयार है।

भारत वेनेजुएला से तेल खरीदता रहेगा

प्रवक्ता ने कहा कि भारत वेनेजुएला से तेल लेता रहा है और आगे भी वेनेजुएला से फायदेमंद सौदे करेगा। बता दें कि साल 2019-20 तक वेनेजुएला भारत के प्रमुख कच्चे तेल स्रोतों में शुमार था लेकिन प्रतिबंधों के कारण आयात बंद हो गया। भारतीय सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियां 2008 से वेनेजुएला की राष्ट्रीय तेल कंपनी पेट्रोलियस डी वेनेजुएला के साथ साझेदारी कर रही हैं और वहां अपनी उपस्थिति बनाए हुए हैं। भारत की ऊर्जा सुरक्षा नीति के अनुरूप, देश वेनेजुएला सहित किसी भी नए कच्चे तेल आपूर्ति विकल्पों के साथ साझेदारी और व्यावसायिक लाभ के लिए हमेशा तैयार है।

विदेश मंत्रालय का करारा जवाब

ट्रंप के इन बयानों के बीच, जब भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल से साप्ताहिक प्रेस वार्ता में सवाल पूछा गया, तो उन्होंने बहुत सधा हुआ लेकिन कड़ा जवाब दिया। जायसवाल ने कहा, हमारी स्थिति बहुत स्पष्ट है। हम अपनी ऊर्जा सुरक्षा और अपनी व्यावसायिक आवश्यकताओं को ध्यान में रख कर फैसले लेते हैं। उन्होंने आगे समझाया कि भारत की रिफाइनरियों की तकनीकी जरूरतों और बाजार में उपलब्ध सस्ते विकल्पों के आधार पर ही तेल आयात का फैसला होता है। आसान भाषा में कहें तो, विदेश मंत्रालय ने यह संदेश दिया है कि अगर वेनेजुएला से सस्ता और अच्छी क्वालिटी का तेल मिलेगा, तो भारत उसे खरीदने से पीछे नहीं हटेगा, चाहे अमेरिका का रुख कुछ भी हो।

सूर्य के रौद्र रूप से बड़ा खतरा

भारत सहित दुनिया भर में रेडियो ब्लैकआउट या पावरग्रिड फेल होने की आशंका

इसरो ने भीषण रेडियो ब्लैकआउट की चेतावनी जारी की

एक फरवरी से सूर्य लगातार पावरफुल सोलर फ्लेयर्स छोड़ रहा है

एजेंसी ▸▸ श्रीहरिकोटा

सूर्य के अंदर अभी तेज हलचल मची है, जिसने वैज्ञानिकों को चिंतित कर दिया है। इसकी वजह है सौर तूफान, जिसके कारण लगातार सोलर फ्लेयर्स रिलीज हो रहे हैं, जो धरती तक पहुंच रहे हैं। एक फरवरी से सूर्य लगातार पावरफुल सोलर फ्लेयर्स छोड़ रहा है। इसरो से लेकर नासा ने इसे लेकर चेतावनी जारी की है और कहा है कि भारत सहित दुनिया भर में रेडियो ब्लैकआउट या पावरग्रिड फेल होने की संभावना है।सोलर फ्लेयर्स सूर्य के अंदर होने वाले विस्फोटों की वजह से होते हैं और ये सोलर फ्लेयर्स चुंबकीय गुणों से भरे होते हैं, इन्हें सौर तूफान भी कहा जाता है। इसरो संभावित रेडियो ब्लैकआउट की स्थिति पर कड़ी नजर रख रहा है। बता दें कि तीव्र सौर तूफान, जब पृथ्वी की ओर बढ़ते हैं, तो उपग्रहों को नुकसान पहुंचाते हैं, टेलीविजन संकेतों को बाधित करते हैं और रडार तथा बिजली ग्रिड को प्रभावित करते हैं।

नासा के स्पेस अलर्ट ने पुष्टि की है कि तेज फ्लेयर्स एक फरवरी को शुरू हुए थे। नासा ने अपने लेटेस्ट अलर्ट में कहा कि सूरज ने एक तेज फ्लेयर छोड़ा है, जो 4 फरवरी को सुबह 7.13 बजे (अमेरिकी समयानुसार) अपने चरम पर था। इसरो के अधिकारियों ने पुष्टि की है कि 50 से अधिक कार्यरत भारतीय उपग्रहों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है क्योंकि सौर गतिविधि में वृद्धि से संचार, नेविगेशन और उपग्रह पेलोड में व्यवधान उत्पन्न होने का खतरा है। इसरो ने बताया है कि, रेडियो ब्लैकआउट की प्रबल संभावना है। इसरो के सभी उपग्रहों की बहुत बारीकी से निगरानी की जा रही है। इससे संचार बाधित होने की किसी भी स्थिति में तुरंत कार्रवाई की जाएगी।

सूर्य के रौद्र रूप धरने की ये है वजह

सूर्य में वर्तमान अशांति की शुरुआत चुंबकीय रूप से जटिल सूर्य धब्बों के समूह, जिसे सक्रिय क्षेत्र 14366 के नाम से जाना जाता है, के अचानक तीव्र होने से हुई। पिछले कुछ दिनों में, इस क्षेत्र में बार-बार विस्फोट हुए, जिससे चार अत्यंत शक्तिशाली सोलर फ्लेयर्स उत्पन्न हुईं, जिनमें एक एक्स 8.1 श्रेणी की ज्वाला भी शामिल है - जो 2026 की अब तक की सबसे शक्तिशाली ज्वाला है। उन्होंने बताया कि ग्राउंड स्टेशनों ने मिशन कंट्रोल सेंटरों को पहले ही अलर्ट जारी कर दिए गए हैं और किसी भी गड़बड़ी की स्थिति में तुरंत प्रतिक्रिया देने के लिए आकस्मिक योजनाएं तैयार हैं।

अवैध ऑनलाइन फर्मेसियों पर शिकंजा

भारत स्थित गिरोह से जुड़े दो सौ से अधिक वेबसाइट डोमेन जब्त

एजेंसी ▸▸ न्यूयार्क

अमेरिकी संघीय अधिकारियों ने भारत स्थित एक अंतरराष्ट्रीय अपराध संगठन से जुड़े 200 से अधिक वेबसाइट डोमेन जब्त किए हैं। ये अवैध ऑनलाइन फ़ार्मेसियां कम से कम छह लोगों की मौत और चार लोगों के गंभीर दवा सेवन (ओवरडोज़) की वजह बनी हैं। अमेरिका की मादक पदार्थ रोधी एजेंसी डीईए ने एक बयान में कहा कि देशभर में उसके कार्यालयों द्वारा की गई कई कार्रवाइयों में चार लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है।

डीईए ने न्यूयॉर्क के ईस्टर्न डिस्ट्रिक्ट के अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय के सहयोग से बताया कि 'ऑपरेशन मेल्टडाउन' के तहत अमेरिका में सक्रिय भारत स्थित अंतरराष्ट्रीय आपराधिक संगठनों से जुड़े 200 से अधिक वेबसाइट डोमेन जब्त किए गए हैं। आरोप है छह मौतें ओवरडोज़ से हुई हैं।

हमले बढ़ने और चुनाव नजदीक आने से चिंता

बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यक समुदाय में दहशत का माहौल

एजेंसी ▸▸ ढाका

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हुए हमले को मानवाधिकार समूह और हिंदू नेता 12 फरवरी को होने वाले राष्ट्रीय चुनावों से पहले बढ़ते ध्रुवीकरण और इस्लाम समर्थकों के पुनरुत्थान के तौर पर देख रहे हैं। बढ़ती हिंसा और हत्याओं के चलते हिंदू अल्पसंख्यकों में डर का माहौल है। कपड़े की एक फैक्टरी में काम करने वाले दीपू चंद्र दास पर दिसंबर में कई मुस्लिम सहकर्मियों ने अपमानजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाया था। इन आरोपों के

बाद हिंसक भीड़ उसके कार्यस्थल पर उमड़ पड़ी और पीटकर हत्या कर दी। इस घटना को लेकर, ढाका और अन्य शहरों में विरोध प्रदर्शन भड़क उठे, प्रदर्शनकारियों ने न्याय और अधिक सुरक्षा की मांग की। मुस्लिम बहुल देश में 12 फरवरी को होने वाले राष्ट्रीय चुनाव के मद्देनजर हिंदुओं में भय और भी गहरा गया है।

31 मार्च की डेडलाइन से पहले समर्पण

46 लाख के इनामी 12 नक्सलियों ने किया सरेंडर, 8 महिलाएं भी शामिल

एजेंसी ▸▸ बीजापुर

छत्तीसगढ़ में 12 नक्सलियों ने गुरुवार को सरेंडर कर दिया। इन पर कुल 46 लाख रुपए का इनाम था। ये नक्सली साउथ सब जोनल ब्यूरो के कैडर थे, जिनमें 8 महिलाएं भी शामिल हैं। केंद्र सरकार ने इस साल 31 मार्च तक देश से नक्सलवाद को खत्म करने का संकल्प लिया है। एक सीनियर अधिकारी ने बताया कि गुरुवार को छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में 46 लाख रुपए के सामूहिक इनाम वाले 12 नक्सलियों ने पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया। बीजापुर के पुलिस सुपरिटेंडेंट जितेंद्र कुमार यादव ने बताया कि

माओवादियों के साउथ सब जोनल ब्यूरो के इस कैडर में 8 महिलाएं भी शामिल हैं। बस्तर पुलिस के 'पूना मार्गेम' (पुनर्वास से सामाजिक एकीकरण तक) पहल के तहत माओवादयों ने सरेंडर किया। अधिकारी ने बताया कि सरेंडर करने वाले सभी माओवादी राज्य सरकार की सरेंडर और पुनर्वास नीति से भी प्रभावित थे। सरेंडर करने वालों में सोमाडू मडकम (42) एक डिविज़नल कमेटी मेंबर और माओवादियों की कटेकलयान एरिया कमेटी का इंचार्ज था। हुंगी कुंजाम (19) और पायकी कुंजाम (22), दोनों अलग-अलग यूनिट के मेंबर थे। इन पर 8 लाख रुपए का इनाम था। उन्होंने बताया कि तीन और कैडर पर 5 लाख रुपए, एक कैडर पर 2 लाख रुपए और पांच कैडर पर एक लाख रुपए का इनाम था। अधिकारी ने बताया कि उन्होंने एक एके-47 राइफल, दो सेल्फ लोडिंग राइफल, 250 जिलेटिन स्टिक, 400 डेटोनेटर, बारूद से भरा एक प्लास्टिक ड्रम और कॉर्डेक्स तार का एक बंडल भी सरेंडर किया।

एस. जयशंकर का अमेरिका दौरा संपन्न

यूएस ट्रेड डील पर कहा-दोनों देशों के संबंध प्रगति के रास्ते पर दौड़ने के लिए हैं तैयार

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर तीन दिवसीय दौरे पर 2 से 4 फरवरी तक अमेरिका में थे। इस दौरान उन्होंने अमेरिका के विदेश सचिव मार्को रुबियो से भी मुलाकात की। ईएएम जयशंकर ने अमेरिकी दौरे को प्रोडक्टिव और सकारात्मक बताया।

उन्होंने ऐतिहासिक व्यापार समझौते का जिक्र करते हुए कहा कि भारत और अमेरिका के बीच बढ़ते संबंध में मजबूत रफ्तार साफ दिख रही है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मुलाकात की

तस्वीरें साझा कर ईएएम एस. जयशंकर ने लिखा, अमेरिका का एक प्रोडक्टिव और सकारात्मक दौरा खत्म हुआ। सेक्रेटरी रुबियो को उनकी अच्छी मेहमान नवाजी के लिए धन्यवाद। ऐतिहासिक भारत-अमेरिका व्यापार समझौता डिटेलिंग के आखिरी स्टेज में है जो बहुत जल्द पूरी हो जाएगी। यह हमारे द्विपक्षीय संबंधों में एक नया दौर शुरू करता है, जिसमें संबंधों के लिए बहुत सारी संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि हमारा जरूरी खनिज सहयोग भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। आने वाले दिनों में रणनीतिक मुद्दों, रक्षा और ऊर्जा पर बातचीत की उम्मीद है। कुल मिलाकर एक मजबूत मोमेंटम दिख रहा है। इस अहम दौरे में विदेश मंत्री ने अमेरिकी सरकार के सीनियर सदस्यों के साथ मीटिंग भी की। इसमें अमेरिकी विदेश सचिव मार्को रुबियो और वित्त सचिव स्कॉट बेसेंट के साथ अलग-अलग मीटिंग शामिल थीं।

ऑपरेशन सिंदूर की तर्ज पर 27 फरवरी को होगा अभ्यास

भारत-पाक सीमा पर फिर गरजेंगे भारतीय फाइटर जेट हमला करने की कोशिश की तो जवाब देने का प्लान भी सेट

100 से ज्यादा एयरक्राफ्ट इस अभ्यास में शिरकत करने वाले हैं

- राफेल, सुखोई-30, तेजस, मिग-29, जगुआर, मिराज निशाना साधते नजर आएंगे

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

सीमा के पास एक बार फिर भारतीय वायुसेना के फाइटर जेट गरजते नजर आएंगे। ऑपरेशन सिंदूर की तर्ज पर 27 फरवरी को अभ्यास के लिए वायुसेना अपनी पूरी ताकत मैदान में उतारेगी। ऑपरेशन सिंदूर में अपना पराक्रम दिखा चुकी भारतीय वायुसेना अब जैसलमेर में इस साल का पहला और सबसे बड़ा वायु सैन्य अभ्यास करने जा रही है। इस अभ्यास का नाम वायु शक्ति 2026 है। रक्षा

अधिकारियों के मुताबिक, एयरबेस और उनके असेट्स हिस्सा ले रहे हैं। सभी यूनिट्स को पूरी तरह से एक्टिव कर दिया गया है। 100 से ज्यादा एयरक्राफ्ट इस अभ्यास में शिरकत करने वाले हैं। ऑपरेशन सिंदूर में शामिल वायुसेना के लगभग सभी लड़ाकू विमान और एयर डिफेंस सिस्टम इस अभ्यास में भाग लेंगे। रक्षा अधिकारियों के अनुसार राफेल, सुखोई-30, तेजस, मिग-29, जगुआर, मिराज-2000 और हॉक एयरक्राफ्ट सटीक निशाना साधते नजर आएंगे। चूंकि मिग-21 विमान वायुसेना से रिटायर हो चुके हैं, इसलिए पहली बार वे इस वायु सैन्य अभ्यास में दिखाई नहीं देंगे। इसके अलावा अटैक हेलीकॉप्टर प्रचंड को भी रॉकेट दागते हुए देखा जाएगा। भारतीय वायुसेना के फाइटर जेट्स के साथ-साथ फिक्स्ड-विंग ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट यूनिट के सी-130जी और सी-295, हेलीकॉप्टर यूनिट के प्रचंड, चिनूक, एमआई-17 और एएलएच, ड्रोन तथा ऑपरेशन सिंदूर में इस्तेमाल किए लॉयटरिंग म्यूनिशन का उपयोग किया जाएगा।

काल्पनिक युद्ध का माहौल बनाकर किया जाएगा अभ्यास

रक्षा अधिकारियों के मुताबिक, यह अभ्यास एक काल्पनिक युद्ध का माहौल बनाकर किया जाएगा। पूरे अभ्यास को वायुसेना के इंटीग्रेटेड एयर कमांड एंड कंट्रोल सिस्टम (आईएसीसीएस) के जरिए मॉनिटर और कंट्रोल किया जाएगा। गौरतलब है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी आईएसीसीएस ने हर एक पाकिस्तानी जेट, मिसाइल और ड्रोन पर नजर रखी थी। थलसेना का आकाश तीर सिस्टम भी इसी आईएसीसीएस से जुड़ा हुआ था। वायुसेना के सभी हाई-पावर, लॉन्ग-रेंज, मीडियम-रेंज और शॉर्ट-रेंज रडार से मिलने वाली जानकारियों से एक कंप्लीट एयर पिक्चर तैयार की जाती रही, जिसके आधार पर हर एरियल खतरे को एंगेज किया गया।

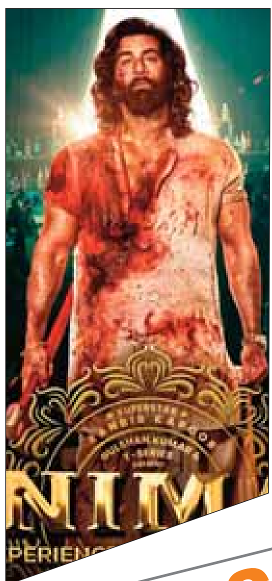

जापान के सिनेमाघरों में जल्द रिलीज होगी एनिमल

मुंबई। पिछले दिनों अल्लू अर्जुन की 'पुष्पा 2' जापानी भाषा में रिलीज हुई थी। अब रणबीर कपूर की 'एनिमल' भी जापान के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। जापान के दर्शकों के बीच बॉलीवुड फिल्मों का क्रेज बढ़ता जा रहा है। वहीं, फिल्म मेकर्स भी इसमें फायदा देखते हुए अपनी फिल्मों को वहां के सिनेमाघरों में उतारने की कोशिश में लगे हैं। कुछ समय पहले ही पुष्पा 'कुनरिन' रिलीज हुई है, और अब 'एनिमल' भी रिलीज होने वाली है। इसी मौके पर रणबीर कपूर ने अपने दादा राज कपूर के जापानी लोगों के साथ लगाव पर बात की। संदीप रेड्डी वंगा की फिल्म 'एनिमल' 13 फरवरी को जापान में रिलीज होने जा रही है। वहीं, फिल्म की रिलीज से पहले इसका एक स्पेशल शो रखा गया। इसी मौके पर रणबीर कपूर ने दर्शकों को शुक्रिया कहा। यह भी बताया कि उनका जापानी लोगों के साथ एक खास रिश्ता है।

लाइफ Style

राशा
डेब्यू गाना शिव को किया समर्पित

पिछले साल फिल्म 'आजाद'से रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी ने बॉलीवुड में डेब्यू किया था। अब वह फिल्म 'लईकी लईका'में नजर आएंगी। यह राशा की बॉलीवुड में दूसरी फिल्म होगी। इस फिल्म के साथ राशा ने सिंगिंग में भी डेब्यू किया है। राशा थडानी ने अपनी आने वाली फिल्म 'लईकी लईका' के गाने 'छाप तिलक'से सिंगिंग में भी डेब्यू किया है।

एजेंसी ▶▶| मुंबई

इस फिल्म में उनके साथ अभय वर्मा भी हैं। राशा ने हाल ही में सिंगिंग करने से जुड़ा अपना एक्सपीरियंस एक इंटरव्यू में साझा किया है। उन्हें इसे सपने के सच होने जैसा बताया। एक इंटरव्यू में राशा थडानी बताती हैं कि उन्होंने बचपन से ही म्यूजिक में ट्रेनिंग ली है। वह कहती हैं, 'मैं जब 5 साल की थी, जब मैंने उस्ताद कादिर मुस्तफा खान से हिंदुस्तानी क्लासिकल म्यूजिक सीखना शुरू किया। इसके अलावा मैंने जैज म्यूजिक भी सीखा है। म्यूजिक मेरे लिए एक तरह का सुकून है। जब मैं रियाज करती हूं, तो वो एक घंटा सिर्फ मेरा होता है। मैं हमेशा से गाना चाहती थी, यही मेरा पैशन रहा है। लेकिन मैं पूरी तरह एक शॉवर सिंगर हूं। आज मुझे म्यूजिक इंडस्ट्री में कदम रखने का मौका मिला है, इसके लिए मैं बहुत शुक्रगुजार हूं।'राशा थडानी ने फिल्म 'लईकी लईका' में जो गाना गया है, उसके बारे में जानकारी साझा की है। इस गाने को भगवान शिव को समर्पित किया है। वह कहती हैं, 'मैंने 12 ज्योतिर्लिंगों की यात्रा की है। मेरे लिए भगवान शिव सिर्फ एक भगवान नहीं, जिंदगी का हिस्सा हैं। वो हर दिन मेरे साथ रहते हैं। इस गाने में जब डमरू की बात होती है, तो मुझे नटराज का नृत्य याद आता है। भगवान शिव कला और नृत्य के देवता हैं।

हॉलीवुड मसाला

16 साल की उम्र से म्यूजिक बनाना किया शुरू

मुंबई। फिल्म 'धुरंधर' में इंटरनेशनल रैपर फ्लिपराची ने '**FA9LA**' गाने तहलका मचा दिया था। अब 'धुरंधर 2' में एक और इंटरनेशनल सिंगर का गाना फैंस को सुनने को मिलेगा। इस सिंगर का नाम डोजा कैट है? फिल्म 'धुरंधर 2' का टीजर दो दिन पहले रिलीज हुआ। इस टीजर को देखते हुए फैंस का ध्यान इस बात पर गया कि आखिर में डोजा कैट का गाना 'आह मैन बजता है। इस बात को मेकर्स ने भी टीजर के साथ कंफर्म किया है कि फिल्म में उनका यह गाना इस्तेमाल किया गया है। आज डोजा कैट अमेरिका की पॉपुलर सिंगर, सॉन्ग राइटर, रैपर हैं। उनका असली नाम अमाला रत्ना जैंडिले डलामिनी है। अमेरिका के लॉस एंजिल्स में जन्मी ((21 अक्टूबर 1995) डोजा कैट ने 16 साल की उम्र से म्यूजिक बनाना शुरू किया। आज वह सबसे चर्चित पॉप स्टार के तौर पर मशहूर हैं। साल 2023 में उन्हें टाइम मैगजीन के सबसे पॉपुलर लोगों की लिस्ट में शामिल किया गया था।

ड्रग लॉर्ड पाब्लो अकोस्टा के रूप में मिली प्रसिद्धि

लॉस एंजिल्स। प्रसिद्ध मैक्सिकन अभिनेता और डांसर गेरार्डो तरासेना का 55 साल की उम्र में निधन हो गया। वह फिल्म 'एपोकैलिप्टो' में अपनी भूमिका के लिए बहुत प्रसिद्ध थे। उनका कॅरियर 30 साल से ज्यादा लंबा रहा। गेरार्डो तरासेना का जन्म 1970 में मैक्सिको सिटी में हुआ था। सिनेमा में जाने से पहले उन्होंने एक डांसर और थिएटर अभिनेता के रूप में अपना कॅरियर शुरू किया। गेरार्डो तरासेना ने मैन ऑन फायर, द मैक्सिकन और नेटफ्लिक्स की सीरीज नार्कोसः मैक्सिको जैसी कई बड़ी फिल्मों और सीरीज में काम किया। गेरार्डो को खासतौर पर नेटफ्लिक्स सीरीज 'नार्कोसः मैक्सिको' में ड्रग लॉर्ड पाब्लो अकोस्टा के रूप में काफी प्रसिद्धि मिली।

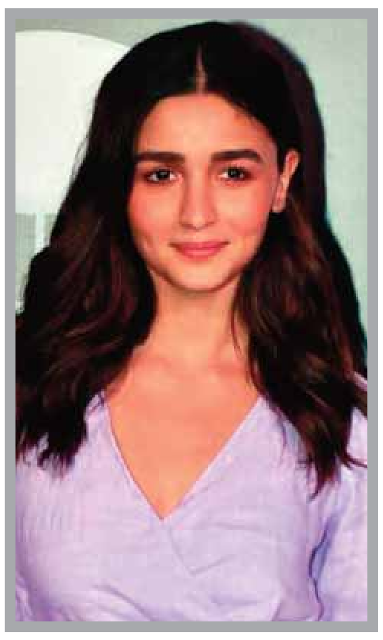

पर्दे पर हाउसवाइफ का निभाएंगी किरदार

मुंबई। आलिया भट्ट बीते कुछ समय से बड़े पर्दे पर नजर नहीं आईं हैं। उनकी आखिरी रिलीज फिल्म 'जिगरा'थी, जो अक्टूबर 2024 में रिलीज हुई थी। पूरे 2025 में आलिया की एक भी फिल्म रिलीज नहीं हुई। इस बीच अब आलिया भट्ट की आगामी फिल्म को लेकर एक नई जानकारी सामने आ रही है। इस फिल्म का निर्देशन अभिषेक पाठक कर सकते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, आलिया भट्ट आगामी फिल्म 'हाउसवाइफ'में लीड रोल में नजर आ सकती हैं। इस फिल्म का निर्देशन अभिषेक पाठक करेंगे, जिन्होंने इससे पहले 'दृश्यम 2' जैसी हिट फिल्म बनाई थी। अगर आलिया इस फिल्म में काम करती हैं, तो वे एक शादीशुदा महिला का किरदार निभाएंगी। कहानी घर-परिवार से जुड़े मुद्दों पर आधारित होगी। यह पहली बार होगा जब आलिया इस तरह के किरदार में नजर आएंगी।

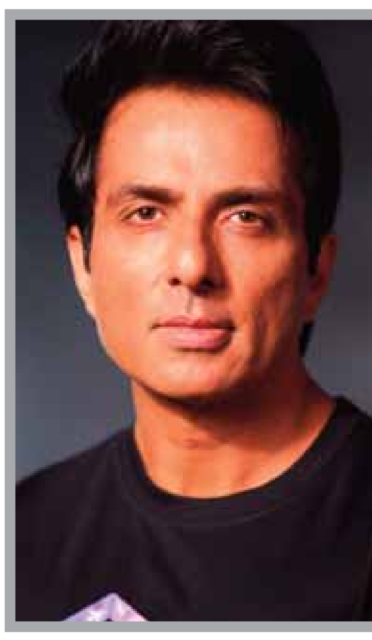

बच्चों को स्क्रीन नहीं हमारा साथ चाहिए

मुंबई। अभिनेता सोनू सूद अक्सर सामाजिक मुद्दों पर अपनी राय रखते हैं। हाल ही में उन्होंने बच्चों के ऑनलाइन गेमिंग और सोशल मीडिया के बढ़ते इस्तेमाल पर भी चिंता जताई है। सोनू ने इसको लेकर एक पोस्ट साझा किया है। बाद में उन्होंने एक वीडियो के जरिए भी इस मामले पर अपनी राय रखी है। उनका यह पोस्ट 12, 14 और 16 साल की तीन लड़कियों की अपने बिल्डिंग की नौवीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या करने की खबर के बाद आया है। सोनू सूद ने घटना को लेकर एक्स पर अपना एक वीडियो साझा किया। इस वीडियो में सोनू सूद ने माता-पिता से बच्चों के लिए भावनात्मक रूप से उपलब्ध रहने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, 'उन्हें स्क्रीन नहीं, हमारा साथ चाहिए। ऑनलाइन गेमिंग और सोशल मीडिया की दुनिया में हम बच्चों को इतना आगे छोड़ आए हैं कि हमें उनकी चुप्पी सुनाई नहीं देती।

टीवी मसाला

नागिन 7 और तारक मेहता का उल्टा चश्मा को तगड़ा झटका

नई दिल्ली। इस हफ्ते के टीवी शोज की टीआरपी रिपोर्ट आ गई है। इसमें सबसे तगड़ा झटका 'नागिन 7' को लगा है, जो पिछले कुछ हफ्तों से राज कर रहा था। वह नंबर वन पोजिशन पर था। इसी तरह 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' को भी जोर का झटका लगा है। शो में पोपटलाल की शादी होने वाली थी, जिसे लेकर दर्शकों के बीच काफी क्रेज देखा जा रहा था। लेकिन, पोपटलाल की शादी नहीं हुई तो टीआरपी लुढ़क गई। दर्शकों को यह ट्रैक पसंद नहीं आया। वैसे इस हफ्ते में दो नए शोज की टीआरपी लिस्ट में एंट्री हुई है। ये हैं- डॉ. आरंभी और अक्षय कुमार का 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून'। चौथे हफ्ते में टॉप-10 शोज कौन से हैं और उनकी टीआरपी कितनी है, यहां बता रहे हैं। चौथे हफ्ते में पहले नंबर पर स्मृति ईरानी का शो 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2' है और इसकी रुपाली गांगुली के शो 'अनुपमा' के साथ कड़ी टक्कर देखने को मिली है। जहां 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2' इस बार 2.2 की रेटिंग के साथ पहले नंबर पर है, वहीं 'अनुपमा' इससे जरा सा पीछे है, पर रेटिंग 2.2 ही है। दोनों शोज की व्यूअरशिप में नाममात्र का अंतर है। वहीं, पिछले हफ्ते 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2' दूसरे नंबर पर था, लेकिन दर्शकों को इस बार परी के तलाक का ट्रैक और तुलसी का शांति निकेतन लौटना दर्शकों को पसंद आया है। दर्शकों का इंट्रेस्ट इसके आगे आने वाले प्लॉट के कारण भी बना हुआ है कि क्योंकि आने वाले एपिसोड्स में अब तुलसी के मर्डर की साजिश रजी जाएगी।

करण ने छोड़ा द 50! खुद किया ऐलान

नई दिल्ली। कलर्स का रियलिटी शो 'द 50' शुरू होने के बाद से ही लोगों को पसंद आ रहा है। इसमें हर रोज लड़ाई-झगड़े हो ही रहे हैं। अब शो में आए नए ट्विस्ट के बाद दो कंटेस्टेंट्स एलिमिनेट हो गए हैं। वहीं, करण

पटेल को लेकर खबर आ रही है कि उन्होंने शो छोड़ दिया है। शो की शुरुआत से ही विवाद चल रहा है। 'करण को पहले दिन से ही बाकी के कंटेस्टेंट्स से काफी दिक्कतें थीं। उन्होंने बिग बॉस के दो लोगों, रजत दलाल और दिग्विजय राठी के बीच हुई हाथापाई की घटना पर भी आपत्ति जताई, जब एक मामूली बात पर रजत दलाल ने राठी पर हमला कर दिया था। इसी दौरान करण को यह कहते हुए सुना गया, 'इससे मेरी मानसिक शांति भंग हो रही है और मैं ऐसी जगह नहीं रह सकता जहां हिंसा भड़कती हो।' उन्होंने तुरंत कहा, 'मैं शो छोड़ रहा हूं,' और तब से उनके बाहर आने की खबरें जोरों पर हैं। शो में इस तरह का ड्रामा कोई नई बात नहीं है। इससे पहले, टीम कैप्टन के तौर पर करण, बाकी कप्तानों के साथ, पहले एलिमिनेशन में भी शामिल थे।

मिर्जापुर द मूवी की रिलीज डेट घोषित

एजेंसी ▶▶| मुंबई

मिर्जापुरः द मूवी'को फरहान अख्तर और रितेश सिधवानी ने एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले प्रोड्यूस किया है। गुरुवार को मेकर्स ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर फिल्म की रिलीज डेट के बारे में जानकारी दी। मेकर्स ने जो पोस्टर शेयर किया है उसमें रेत पर कई गाड़ियां दौड़ रही हैं और पीछे एक बड़ी सी कुर्सी एक कार में बंधी है। इसके साथ ही मेकर्स ने रिलीज डेट घोषित करते हुए कैप्शन में लिखा, अब देखिए भौकाल बड़े पर्दे पर। 'मिर्जापुरः द मूवी'4 सितंबर को आपके नजदीकी सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है।'मिर्जापुर'की शुरुआत साल 2018 में एक वेब सीरीज के तौर पर हुई थी। इस क्राइम-थ्रिलर के पहले सीजन को काफी पसंद किया गया था।

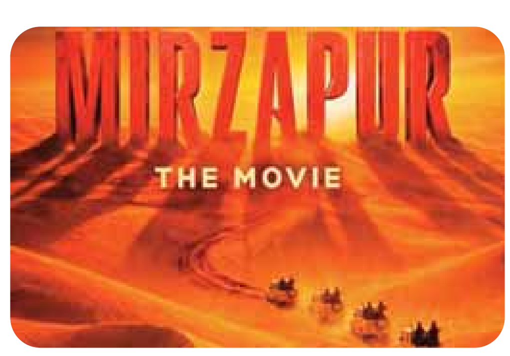

मुन्ना भइया घर-घर में हो गए मशहूर

फिल्म के एक-एक सीन से लेकर इसके डायलॉग तक काफी मशहूर हुए थे। देखते-देखते सीरीज के प्रमुख किरदार कालीन भइया (पंकज त्रिपाठी), गुड्डू पंडित (अली फजल) और मुन्ना भइया (दिव्येंदु शर्मा) घर-घर में काफी मशहूर हो गए। सीरीज की लोकप्रियता को भुनाते हुए मेकर्स साल 2020 में 'मिर्जापुर'का दूसरा सीजन लेकर आए। इस सीजन को भी पसंद किया गया और कहानी में कई नए मोड़ जोड़े गए। इसके लगभग चार साल बाद साल 2024 में मेकर्स 'मिर्जापुर' का तीसरा सीजन लेकर आए। हालांकि, इस बार कहानी दर्शकों को उतना प्रभावित नहीं कर पाई और सीरीज कोई खास चर्चा नहीं बटोर सकी। लेकिन अब मेकर्स मिर्जापुर की कहानी को बड़े पर्दे पर ला रहे हैं। ऐसे में दर्शकों का उत्साह इसे देखने के लिए चरम पर है।

धुरंधर 2 ने रिलीज से पहले ही कमा डाले करोड़ों

एजेंसी ▶▶| मुंबई

रणवीर सिंह की धुरंधर पार्ट 2 ने रिलीज से पहले ही करोड़ों की कमाई कर ली है। इस फिल्म ने अपनी ही पहली फिल्म का एक रिकॉर्ड भी ब्रेक किया है। धुरंधर पार्ट 2 के ओटीटी राइट्स पार्ट 1 से काफी ज्यादा महंगे बिके हैं। रणवीर सिंह की धुरंधर पार्ट 2 जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म 19 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होगी, लेकिन फिल्म ने रिलीज से पहले ही करोड़ों की कमाई कर ली है। रणवीर सिंह की धुरंधर पार्ट ने ओटीटी राइट्स में तगड़ी कमाई की है। हालांकि, धुरंधर पार्ट 2 के ओटीटी राइट्स में एक शिफ्ट हुआ है। धुरंधर पार्ट 1 की तरह धुरंधर 2 नेटफ्लिक्स पर रिलीज नहीं होगी।

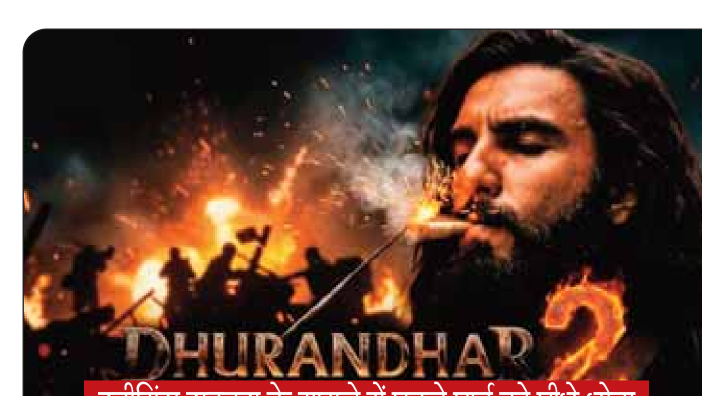

स्ट्रीमिंग राइट्स के मामले में पहले पार्ट को पीछे छोड़ा

रिपोर्ट की मानें तो धुरंधर पार्ट 2 के स्ट्रीमिंग राइट्स जियो हॉटस्टार ने लिए हैं। स्ट्रीमिंग राइट्स के मामले में धुरंधर पार्ट 2 ने पहले पार्ट को पीछे छोड़ दिया है। दूसरे पार्ट ने लगभग पहले पार्ट के मुकाबले दोगुना कमाई की है। धुरंधर 2: द रिवेंज की स्ट्रीमिंग राइट्स 150 करोड़ में बेचे गए हैं, जिससे यह हाल के समय के सबसे बड़े ओटीटी सौदों में से एक बन गया। रिपोर्ट के मुताबिक, नेटफ्लिक्स ने दोनों फिल्मों की रिलीज से पहले ही 175 करोड़ में स्ट्रीमिंग राइट्स खरीदने की बात कही थी। हालांकि, जियो स्टूडियोज ने इंतजार करना सही समझा। पहले पार्ट के डिजिटल राइट्स 85 करोड़ में बेचे गए। वहीं, धुरंधर पार्ट 2 के राइट्स 150 करोड़ में बिके हैं। धुरंधर की बात करें तो इस फिल्म को आदित्य धर ने लिखा और डायरेक्ट किया है। अब फैंस को फिल्म के पार्ट 2 का इंतजार है। पार्ट 2 में यामी गौतम भी नजर आ सकती हैं। धुरंधर पार्ट 2 19 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। धुरंधर 2 का साउथ के सुपरस्टार यश की टॉक्सिक से क्लैश होगा। टॉक्सिक भी 19 मार्च को ही सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

धर्मेंद्र को छेड़ने वाले वीडियो पर कहा- मैं भी इसका हिस्सा रही

जीनत अमान ने दिखाया बॉलीवुड का डार्क साइड

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

गुजरे जमाने की मशहूर एक्ट्रेस जीनत अमान इन दिनों सोशल मीडिया पर अक्सर फैन्स से रूबरू होती हैं। वो अपनी पुरानी फिल्मों के सीन, किस्से-कहानियां अपने फैन्स और नए जमाने के दर्शकों से सोशल मीडिया पर शेयर किया करती हैं। जीनत फैंस से हिंदी सिनेमा में आए बदलावों पर भी बात किया करती हैं। ऐसा ही एक किस्सा उन्होंने अब सोशल मीडिया पर शेयर किया जिसमें धर्मेंद्र के साथ अपनी फिल्म का वीडियो क्लिप शेयर किया है। जीनत ने इंस्टाग्राम पर 1970 के दशक की फिल्म 'तीसरी आंख' का एक खास सीन पोस्ट किया, जिसमें उनका किरदार बरखा काफी आक्रामक और शरारती अंदाज में धर्मेंद्र के किरदार अशोक का पीछा करती दिखती है।

शेयर किया धर्मेंद्र के साथ वीडियो

एक्ट्रेस ने पोस्ट कर लिखा, 'पुरानी फिल्मों में सीन दोबारा देखना हमेशा एक अनोखा और मजेदार अनुभव होता है। कभी पता नहीं चलता है कि कौन सा सीन दिल को छू लेगा या फिर सोचने पर मजबूर कर देगा।'

मैंने इस बेतुकी धारणा को बढ़ावा देने में भूमिका निभाई

उन्होंने कहा, 'हमारी कई फिल्में सच्चे और रियल लव को पेश करने की बजाय जुनून और दीवानगी को दिखाती है। मैं ये भी मानती हूं कि मैंने भी बॉलीवुड द्वारा भारतीयों में फैलाई गई रोमांस की इस बेतुकी धारणा को बढ़ावा देने में भूमिका निभाई है। इसलिए यह मेरी एक छोटी सी कोशिश है। मैं क्लियर कर देना चाहती हूं कि रिश्तों में सहमति जरूरी है और सम्मान दोनों तरफ से होना चाहिए। यकीन मानिए, मैंने यह बात बहुत मुश्किल से सीखी है।'

'दो सालों में हिंदी सिनेमा में हीरोइनों की भूमिका इतनी तेजी से बदल गई?'

जीनत अमान ने आगे लिखा, 'कुछ हफ्ते पहले आपने फिल्म दोस्ताना के एक क्लिप में अमिताभ बच्चन का किरदार इंस्पेक्टर विजय को मुझे छेड़ते देखा। अब इस वीक तीसरी आंख के सीन में आप देखेंगे कि धरम जी को मैं छेड़ रही हूं।' इसी के साथ जीनत ने सवाल किया है कि क्या सिर्फ दो सालों में हिंदी सिनेमा में हीरोइनों की भूमिका इतनी तेजी से बदल गई? कुछ हफ्ते पहले आपने फिल्म दोस्ताना के एक क्लिप में अमिताभ बच्चन का किरदार इंस्पेक्टर विजय तो मुझे छेड़ते देखा। अब इस वीक तीसरी आंख के सीन में आप देख रहे हैं कि धरम जी को मैं छेड़ रही हूं। क्या सिर्फ दो सालों में हिंदी सिनेमा में हीरोइनों की भूमिका इतनी तेजी से बदल गई?

अशोक भोला-भाला और दबाव में रहने वाला किरदार

उन्होंने लिखा, 'क्या वाकई उन दो फिल्मों के बीच बीते दो सालों में हिंदी सिनेमा की हीरोइनों के लिए हालात इतने बदल गए? यह कहना मुश्किल है, लेकिन मुझे लगता है कि यह सीन आम धारणा को एक दिलचस्प मोड़ देता है। यहां धरमजी का अशोक भोला-भाला और दबाव में रहने वाला है, जबकि मेरा किरदार बरखा चंचल और एकदम बेबाक है। वह अग्रेसिव होकर उसका पीछा करती है, जबकि एक्टर का किरदार को वो पसंद नहीं और चिड़चिड़ा दिखता है।'

इंस्पेक्टर विजय के नजरिए का सपोर्ट नहीं कर सकती थी

उन्होंने आगे कहा है, 'मुझे लगता है कि इस दृश्य मजेदार होने और किसी को गुस्सा दिलाने की वजह से ट्रडिशनल रोल से उलट है। सच तो ये है कि मैं बरखा के अप्रोच को सपोर्ट नहीं कर सकती, ठीक वैसे ही जैसे मैं इंस्पेक्टर विजय के नजरिए का सपोर्ट नहीं कर सकती थी। हंसी-मजाक और शरारत प्यार के बेहतरीन तरीके हैं, लेकिन मुझे लगता है कि हमारी फिल्म इंडस्ट्री ने कभी-कभी इन्हें हद से ज्यादा बढ़ा दिया।'

हाईकोर्ट में हस्तक्षेप आवेदन पेश : रादुवि में कृषि पाठ्यक्रम पढ़ाए जाने का विरोध

कृषि विश्वविद्यालयों के कृषि शिक्षण के विशेषाधिकार को समाप्त करना चाहती है सरकार

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट में एक हस्तक्षेप आवेदन प्रस्तुत कर सरकार पर कृषि विश्वविद्यालयों के वर्तमान अधिनियम के प्रविधानों को निरस्त कर कृषि शिक्षण के उनके विशेषाधिकार को समाप्त करने का आरोप लगाया गया है। यह भी कहा गया है कि सरकार कृषि शिक्षण के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के सुपरवीजन के अधिकार को भी समाप्त करना चाहती है।क्योंकि सरकार गैर कृषि शिक्षण संस्थाओं को कृषि पाठ्यक्रम पढ़ाने हेतु स्वतंत्र करना चाहती है। लिहाजा, हाईकोर्ट हस्तक्षेप करे। यह आवेदन याचिकाकर्ता डा. पीजी नाजपांडे ने हाईकोर्ट में प्रस्तुत किया है। उनकी ओर से अधिवक्ता सुरेंद्र वर्मा पक्ष रखेंगे। उन्होंने अवगत कराया कि इस सिलसिले में आवेदक ने स्वंय कृषि सचिव से मुलाकात कर आशंका जताई थी कि सरकार की मंशा के अनुरूप कृषि विश्वविद्यालय के अधिनियम को समाप्त करने से बहुत ही विपरीत परिणाम होगा। इसके बावजूद कृषि सचिव ने कोई सकारात्मक आश्वासन नहीं दिया। डा. नाजपांडे ने हाई कोर्ट में याचिका दायर कर निजी संस्थाओं व गैर कृषि विश्वविद्यालय में खेती की भूमि, लैब,

स्टाफ आदि न होते हुए भी कृषि पाठ्यक्रम पढ़ाने को जारी करने के विरुद्ध याचिका दायर की है। इस याचिका में रानी दुर्गावती युनिर्वसिटी में कृषि पाठ्यक्रम पढ़ाने का विरोध किया गया है।

संयुक्त रूप से सुने जाएंगे मामले

अधिवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने बताया कि जबलपुर व इंदौर में दायर याचिकाओं की अब जबलपुर में ही एक साथ सुनवाई की जाएगी। निजी संस्था व गैर कृषि विश्वविद्यालय में हो रही कृषि पाठ्यक्रमों की पढ़ाई के संबंध में इन दोनों याचिकाओं के कारण राज्य स्तरीय परिणाम होगा।

2003 में नियुक्त सहायक प्राध्यापकों को ओल्ड पेंशन स्कीम का दो लाभ

हाईकोर्ट का निर्देश

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने उच्च शिक्षा विभाग को निर्देश दिए हैं कि भर्ती वर्ष 2003 के तहत नियुक्त सहायक प्राध्यापकों को ओल्ड पेंशन स्कीम (ओपीएस) का लाभ प्रदान करें। जस्टिस विशाल धगट की सिंगल बेंच ने 90 दिन के भीतर कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि भर्ती वर्ष 2003 की थी। इसी आधार पर कुछ लोगों को ओपीएस का लाभ दिया गया था। नियुक्ति आदेश भले ही एक जनवरी 2005 को जारी किया गया होगा, लेकिन याचिकाकर्ता पुरानी पेंशन योजना के हकदार होंगे क्योंकि भर्ती वर्ष 2003 से संबंधित है। जबलपुर निवासी डॉ रूपेंद्र कुमार गौतम सहित अन्य की ओर से अधिवक्ता वृंदावन तिवारी ने पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि वर्ष 2003 में मप्र लोक सेवा आयोग ने सहायक प्राध्यापक के पद पर भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया था। याचिकाकर्ताओं ने परीक्षा उत्तीर्ण कर अहर्ता हासिल की, लेकिन उन्हें एक जनवरी 2005 के बाद नियुक्ति आदेश जारी किए गए। दलील दी गई कि चूंकि चयन प्रक्रिया का विज्ञापन 2003 में जारी हुआ है, इसलिए आवेदक का पेंशन प्रकरण उसी वर्ष में प्रचलित नियम के अधीन आता है। कोर्ट को बताया गया कि याचिकाकर्ताओं को न्यू पेंशन स्कीम (एनपीएस) के अधीन रखा गया है, जबकि 2005 में नियुक्त कुछ उम्मीदवारों को ओपीएस का लाभ दिया गया है।

संत अलायसियस कालेज में युवा संसद का किया मंचन

जबलपुर।

संत अलायसियस महाविद्यालय जबलपुर के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा विद्यार्थियों में लोकतांत्रिक मूल्यों एवं संसदीय जागरूकता विकसित करने के उद्देश्य से 05 फरवरी 2026 को युवा संसद का मंचन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के संकायाध्यक्ष छात्र कल्याण एवं समाज विज्ञान संकाय प्रो. विवेक मिश्र रहे।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. फा. जे. बेन एंटोन रोज़ ने कहा कि लोकतंत्र की सफलता में जागरूक युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम के अंतर्गत संविधान के प्रति जनजागरूकता हेतु प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन अवंतिका मिश्रा ने किया। इस अवसर पर उप प्राचार्य डॉ. कल्लोल दास सहित महाविद्यालय के प्राध्यापकगण उपस्थित रहे। समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

नागरिकों को गंदगी से मिलेगी मुक्ति

जबलपुर। नगर निगम के सतत प्रयासों से वर्षों बाद शहर के ऐतिहासिक 5.5 हेक्टेयर अर्थात 13 एकड़ से अधिक क्षेत्र में विकसित 'सूरजताल' तालाब के कायाकल्प तेज गति से किया जा रहा है। इस तालाब को संवारने के लिए निगमायुक्त आर.पी. अहिरवार ने 28 दिनों से 1 बड़ी हिटाची, 4 मिनी हिटाची, 1 नाव, 1 डोंगी और पर्याप्त संख्या में सफाई मित्रों को लगाकर तालाब की सूरत बदलने और पुरानी विरासत को संरक्षित कर नई पीढ़ी को देने की दिशा में लगातार कार्य कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि तालाब में 1 लाख 50 हजार क्यूबिक पानी संग्रहण करने की क्षमता है। यह तालाब शहर के नागरिकों के लिए बरदान साबित होगा। उन्होंने बताया कि अब सुबह की पहली किरण के साथ सूर्य भगवान का प्रतिबिंब और जल का संगम एक बेहद मनमोहक दृश्य प्रस्तुत करने लगा है। इस प्राकृतिक सौंदर्य को सहेजने और तालाब को उसका पुराना गौरव वापस दिलाने के लिए निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के द्वारा जमीनी स्तर पर प्रयास प्रारंभ कर दिये गए हैं। निगमायुक्त श्री अहिरवार ने तालाब क्षेत्र का निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि तालाब की भूमि का तत्काल सीमांकन किया जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि तालाब के जलग्रहण क्षेत्र में किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। तहसीलदार और पटवारी की टीम के साथ तालमेल बैठाकर अवैध निर्माणों को चिन्हित कर हटाने की प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं।

शिवांश गुप्ता मामले में परिजनों ने एएसपी से की मुलाकात, हत्या की जताई आशंका

जबलपुर। 05 जून 2025 को शिवांश गुप्ता की संदिग्ध मृत्यु के मामले में उनके पिता संतोष गुप्ता एवं पत्नी ने मानव अधिकार एवं अपराध नियंत्रण संगठन के माध्यम से एडिशनल एसपी सूर्यकांत शर्मा से मुलाकात की। परिजनों ने शिवांश की मौत को आत्महत्या मानने से इंकार करते हुए इसे हत्या बताते हुए कुछ संदिग्ध व्यक्तियों के नाम व महत्वपूर्ण तथ्य प्रस्तुत किए। परिजनों ने जांच में हुई कथित कमियों की ओर भी ध्यान दिलाया। इस पर एएसपी सूर्यकांत शर्मा ने निष्पक्ष व गहन जांच का आश्वासन देते हुए दोषियों पर शीघ्र कार्रवाई की बात कही। इस अवसर पर संगठन के डॉ. अजय वाधवानी, एडवोकेट आशीष त्रिपाठी, डॉ. अभिषेक जैन एवं एडवोकेट भावना निगम उपस्थित रहे।

टेंट संचालक को लापरवाही पर कारावास

जबलपुर। प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी शुभांगी पालो की अदालत ने लापरवाही बरतने वाले टेंट संचालक उत्तम सिंह महोबिया का दोष सिद्ध पाया। इसी के साथ छह माह के कारावास की सजा सुना दी। साथ ही तीन हजार रुपये का जुर्माना लगाया। अभियोजन की ओर से सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी अभय मिश्रा ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि आरोपी ने 21 जून, 2014 को विवाह समारोह में टेंट लगाया था। लोहे के पाइप पर बिजली के तार लापरवाही से लगाए गए थे। इस वजह से सौरभ वंशकार को करंट लग गया। जिससे उसकी मृत्यु हो गई। इसकी शिकायत पर बरेला पुलिस ने अपराध पंजीबद्ध कर लिया था। जिसके साथ ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।

सड़कों में मोड़ और पुल-पुलियों व गौवंश के गले पर रिफ्लेक्टर लगाएं: कलेक्टर

जबलपुर। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने जिले में चल रहे निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने पीडब्ल्यूडी, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, ब्रिज और एमपीआरडीसी के अंतर्गत विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने निर्माण कार्यों के दौरान आने वाली बाधाओं और उनके निदान पर चर्चा की। कलेक्टर ने सभी निर्माण विभागों से कहा कि वे अपने लक्ष्य अनुरूप कार्य कर प्रगति लाएं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से कहा कि रात में विजिबिलिटी कम होती है, इसलिए सड़कों में मोड़ और पुल-पुलियों पर रिफ्लेक्टर और आवश्यक साइनेज लगाएं। उन्होंने यह भी कहा कि सड़कों में पाए जाने वाले गौवंश के गले में रिफ्लेक्टर पट्टा लगाएं और उन्हें गौशालाओं में भेजना सुनिश्चित करें, ताकि किसी गौवंश का सड़क में दुर्घटना न हो। इसके अलावा कलेक्टर ने पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों से कहा कि वे सर्किट हाउस और रेस्ट हाउस में आवश्यक रिपेयरिंग भी कराएं। बैठक के दौरान निर्माण विभागों ने अपने-अपने कार्यों की प्रगति के संबंध में जानकारी दी। कलेक्टर ने आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और निर्माण कार्यों में तेजी लाने के लिए कहा।

शासन का पक्ष मजबूती से रखने के दिये निर्देश

कलेक्टर श्री राघवेन्द्र सिंह ने न्यायालयों में प्रचलित प्रकरणों में शासकीय अधिवक्ता के माध्यम से शासन का पक्ष मजबूती के साथ रखने के निर्देश अधिकारियों को दिये हैं। श्री सिंह गुरूवार को आयोजित बैठक में न्यायालयीन प्रकरणों में की जा रही कार्यवाही की समीक्षा कर रहे थे। कलेक्टर ने बैठक में विभिन्न न्यायालयों में चल रहे प्रकरणों का विभागवार ब्यौरा लिया। न्यायालयीन प्रकरणों के प्रति अधिकारियों को गंभीरता बरतने की हिदायत दी तथा तय समय सीमा के भीतर जवाबदाबा प्रस्तुत करने के निर्देश अधिकारियों को दिये। श्री सिंह ने अवमानना के प्रकरणों में विशेष ध्यान देने के निर्देश देते हुये इनमें न्यायालय द्वारा दिये गये निर्देशों का तत्परता से पालन किया जाये तथा समय पर कम्पलायन्स रिपोर्ट प्रस्तुत की जाये।

रजिस्ट्री वाले मकान में अवैध कब्जे पर एफआइआर का आदेश

जबलपुर ।

जिला अदालत ने 30 वर्ष पुरानी रजिस्ट्री वाले मकान में अवैध कब्जे पर एफआइआर का आदेश पारित किया है। प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी डीपी सूत्रकार की कोर्ट ने बरगी पुलिस को निर्देश दिया है कि तीन दिन में एफआइआर दर्ज कर उसकी प्रति अदालत में प्रस्तुत की जाए। मामले की अगली सुनवाई नौ फरवरी को होगी। आवेदक जबलपुर निवासी प्रकाश कुमार रिझवानी की ओर से दलील दी गई कि आवेदक की मां उमा देवी ने ग्राम तिनसी, बरगी की भूमि पंजीकृत विक्रय पत्र के माध्यम से क्रय की थी। इसके बाद सीमांकन कराया। साथ ही चार कमरों का खपरैल वाला मकान बनाया। बिजली मीटर उमा देवी के नाम दर्ज है। संपत्ति की देखरेख के लिए चौकीदार अन्नी लाल को रखा। कुछ समय बाद पता चला कि उस मकान पर अश्वनी सोनकर ने कब्जा कर लिया है। उसने चौकीदार अन्नीलाल को रात में डरा-धमका कर गांव भेज दिया। जब इस बात को लेकर आवेदक ने विरोध किया तो कब्जेधारी ने अभद्रता कर भगा दिया। पुलिस द्वारा रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई। इसीलिए अदालत आना पड़ा।

अनाज एवं तिलहन व्यापारी संघ चुनाव की प्रक्रिया शुरू

नामांकन जारी, मतदान 14 फरवरी को

जबलपुर। जबलपुर अनाज एवं तिलहन व्यापारी संघ के द्विवार्षिक चुनाव (2026–28) की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। 318 सदस्यों वाले इस प्रतिष्ठित संघ में विभिन्न पदों के लिए चुनाव संपन्न कराया जाएगा। मतदान 14 फरवरी को आयोजित किया जाएगा।इस बार संघ में अध्यक्ष, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, कनिष्ठ उपाध्यक्ष, मानसेवी सचिव, सह सचिव एवं कोषाध्यक्ष सहित छह पदों के लिए चुनाव होंगे। चुनाव प्रक्रिया का शुभारंभ चुनाव अधिकारी रवि गुप्ता, सहायक चुनाव अधिकारी संजीव जैन और अनुग्रह जैन द्वारा नामांकन शुल्क प्राप्त कर आवेदन पत्र वितरित करने के साथ किया गया। निर्धारित तिथि तक विभिन्न पदों के लिए सदस्यों द्वारा नामांकन पत्र जमा किए गए हैं। नामांकन पत्रों की जांच गुरुवार 5 फरवरी 2026 को संघ भवन स्थित चुनाव कार्यालय में की गई। संघ के पदाधिकारियों का कहना है कि चुनाव निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न कराए जाएंगे, जिससे व्यापारियों का प्रतिनिधित्व मजबूत हो सके।गौरतलब है की नगर एवं महाकोशल क्षेत्र में गल्ला, दलहन और तिलहन व्यापार से जुड़ी यह संस्था वर्ष 1947 से निरंतर सक्रिय है और व्यापारियों के हितों की रक्षा के लिए कार्य करती आ रही है। संघ का व्यापारिक जगत में महत्वपूर्ण स्थान है, जिसके कारण चुनाव को लेकर सदस्यों में उत्साह का माहौल देखा जा रहा है। संघ के पूर्व अध्यक्षों में स्व. सेठ नरसिंह दास, स्व. ठाकुर पृथ्वी सिंह (पूर्व विधायक), स्व. हीरालाल गुप्ता तथा डॉ. गोविंद मिश्रा जैसे प्रतिष्ठित नाम शामिल रहे हैं, जो विटनरी विश्वविद्यालय के कुलपति पद पर भी रह चुके हैं।

किसान के सूने घर का ताला तोड़कर लाखों के जेवर व नगदी चोरी

जबलपुर। पनागर थाना अतंर्गत कृष्णा कालोनी में लगुन में जिया मैरिज गार्डन गए एक किसान के सूने घर का ताला तोड़कर अज्ञात चोर सोने चांदी के जेवर सहित नगदी 28 हजार रुपए चोरी कर ले गए। पनागर पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार कृष्णा कालोनी निवासी 50 वर्षीय किसान बलराम पटेल गत शाम लगभग 7 बजे अपनी पत्नी केसर पटेल के साथ लगुन कार्यक्रम में जिया मैरिज गार्डन पनागर गए थे। जहां से देर रात लगभग 12.30 बजे घर वापस आए तो देखा घर में लगा ताला टूटा था। अलमारी में रखे सोने की झुमकी, 1 अंगूठी, फूल, चांदी की 4 जोड़ी पायल, संतानसाते की 20 चूड़ी, 20 सिक्के, कमर का गुच्छा, 2 जोड़ी बिछिया, करधन और नगदी 28 हजार 500 रूपये अज्ञात चोर चोरी कर ले गए । पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 331, 305 बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

वरिष्ठ अधिवक्ता रामेश्वर सिंह 3 वर्ष के लिए बार से निष्कासित

अधिवक्ता विनायक शाह पर भी कारवाई, लाइसेंस निरस्त करने एमपी स्टेट बार काउंसिल को भेजा गया पत्र

जबलपुर ।

मप्र हाईकोर्ट बार एसोसिएशन, जबलपुर ने वरिष्ठ अधिवक्ता रामेश्वर सिंह ठाकुर व अधिवक्ता विनायक प्रसाद शाह को तीन वर्ष के लिए बार से निष्कासित कर दिया है। यही नहीं दोनों का अधिवक्ता लाइसेंस निरस्त करने एमपी स्टेट बार काउंसिल को पत्र भी भेज दिया गया है।

हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष धन्य कुमार जैन, सह सचिव योगेश सोनी, हाईकोर्ट एडवोकेट्स बार एसोसिएशन के अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता संजय अग्रवाल, सह सचिव सौरभभूषण श्रीवास्तव, जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष मनीष मिश्रा व सचिव ज्ञानप्रकाश त्रिपाठी के हस्ताक्षर से जारी विज्ञप्ति में अवगत कराया गया कि यह निर्णय अधिवक्ता संघों की संयुक्त कार्यकारिणी बैठक में सर्वसम्मति से लिया गया है। अधिवक्ता सिंह व शाह पर आरोप लगाया गया है कि उन्होंने बार व अधिवक्ताओं के विरुद्ध असत्य आरोप लगाए। न्यायालय व सार्वजनिक मंचों पर भ्रामक वक्तव्य दिए। साथ ही ऐसे कृत्य किए गए जिनसे हाईकोर्ट परिसर में सामाजिक सौहार्द और पेशेवर मर्यादा को गंभीर क्षति पहुंची। पूर्व में जारी कारण बताओ नोटिस के बावजूद प्रस्तुत स्पष्टीकरण असंतोषजनक पाया गया। जिसके चलते यह कठोर अनुशासनात्मक कदम उठाना आवश्यक हो गया। संघ ने स्पष्ट किया कि वकालत एक अनुशासित और जिम्मेदार पेशा है। कोई भी अधिवक्ता चाहे वह कितना भी वरिष्ठ क्यों न हो, वह आचरण नियमों से ऊपर नहीं है। स्टेट बार भेजे गए पत्र में अनुशंसा की गई है कि व्यावसायिक कदाचार के आधार पर विधि अनुसार कार्यवाही कर उनकी सनद निरस्त की जाए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की गतिविधियों पर प्रभावी रोक लग सके। न्यायिक गरिमा और पेशेवर अनुशासन की दिशा में यह आवश्यक है। इससे वकालत पेशे में जवाबदेही और मर्यादा और मजबूत होगी।

3 जुए के फड़ों पर छापा 22 जुआड़ी गिरफ्तार

जबलपुर। घमापुर, पनागर और बरगी थाना क्षेत्रों में चल रहे जुए के फड़ों पर छापा मारकर पुलिस ने 22 जुआड़ियों को गिरफ्तार कर उनके पास से 5 हजार 165 रुपए जब्त किए है।

घमापुर पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार गत रात मुखबिर की सूचना पर न्यू कछियाना पराग मैदान में बल्व की रोशनी में जुआ मन्ना खेल रहे विवेक रैकवार, तन्नू उर्फ प्रदीप नहार, अभिषेक ठाकुर, मनीष ठाकुर साहिल ललपुरहा, करन चौधरी, दिनेश उर्फ देवेन्द्र, आदित्य समुद्रे, राहुल रैकवार, मनोज यादव, अंश बहेलिया, वरूण प्रजापति और दिनेश समुद्रे को गिरफ्तार कर उनके पास से फड़ के नगद 2 हजार 500 रुपए जप्त किए। इसी प्रकार पनागर पुलिस ने बरोदा तालाब के पास दबिश देते हुए आकाश पटेल एवं अन्य 3 जुआडियों को जुआ खेलते हुये रंगे हाथ पकड़ा जिनके पास से नगद 1 हजार 575 रुपए रूपये तथा ताश के 52 पत्ते जप्त किए गए। इसी तरह बरगी पुलिस ने ग्राम जोगीधाना खेरमाई मंदिर के पास दबिश देते हुये महेन्द उर्फ ओमकार साहू एवं अन्य 4 जुआडियों को गिरफ्तार कर उनके पास से नगद 710 रूपये तथा ताश के 52पत्ते जप्त किए। पुलिस ने सभी जुआडियों के विरूद्ध धारा 13 जुआ एक्ट के तहत कार्यवाही की गयी।

2.5 करोड़ राशि की लागत से गुरंदी में भव्य और व्यवस्थित मछली मार्केट बनकर है तैयार

शहर के मछली कारोबारियों को व्यवस्थित मार्केट की मिलेगी सौगात

जबलपुर। शहर के मछली कारोबारियों को बहुत शीघ्र नगर निगम द्वारा एक व्यवस्थित मार्केट की सौगात दी जायेगी। इस संबंध में निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने मत्स्योद्योग विभाग के सहायक संचालक राजाराज तिलक धुर्वे, अपर आयुक्त श्रीमती अंजू सिंह ठाकुर, कार्यपालन यंत्री शैलेन्द्र मिश्रा, बाजार अधीक्षक राजेन्द्र दुबे, संभागीय अधिकारी मयंक चौरसिया आदि के साथ बैठक कर निर्णय लिया और बताया कि नगर निगम जबलपुर द्वारा गुरंदी क्षेत्र में एक आधुनिक और व्यवस्थित मछली मार्केट का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है। यह कार्य राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड हैदराबाद द्वारा प्रदत्त 2.5 करोड़ रुपये की लागत से कराये गए हैं। यहाँ पर बने मार्केट में व्यापारियों को अब एक छत के नीचे बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और व्यापारी स्वभिमान के साथ अपना व्यापार कर सकेगें। निगमायुक्त श्री अहिरवार ने बताया कि नवनिर्मित मार्केट में 50 दुकाने बनकर आवंटन के लिए तैयार है। शहर के मछली व्यापारियों पहले आओ, पहले पाओ के सिद्धांत पर दुकानों का आवंटन किया जायेगा।

शहर की स्वच्छता, जनस्वास्थ्य और यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने के उद्देश्य से नगर निगम द्वारा गुरंदी क्षेत्र में एक व्यवस्थित मछली मार्केट का निर्माण कराया गया है। इस संबंध में उन्होंने बताया कि शहर की सड़कों के किनारे खुले में माँस, मछली विक्रय करना शासन द्वारा पूर्णतः प्रतिबंधित किया गया है। अब यदि कोई व्यापारी सड़क किनारे खुले में मछली का क्रय-विक्रय करते पाया जायेगा तो उसके विरूद्ध नगर निगम द्वारा जिला एवं पुलिस प्रशासन के सहयोग से कड़ी कार्रवाई की जायेगी। इस लिए निगमायुक्त श्री अहिरवार ने शहर के सभी मछली कारोबारियों से अपील की है कि पहले आओ, पहले पाओं के सिद्धांत पर आकर गुरंदी में नवनिर्मित मछली मार्केट में दुकानों का आवंटन प्राप्त करें और स्वाभिमान के साथ व्यापार कर स्वच्छता अभियान में प्रशासन को सहयोग प्रदान करें।

सिद्धचक्र महामंडल विधान : धर्मसभा में मुनिश्री प्रमाण सागर महाराज का हुआ प्रवचन

मनुष्य कर्म के फल से तो बचना चाहता है, पर कर्म से बचने की कोशिश नहीं करता

जबलपुर। मनुष्य के जीवन की सबसे बड़ी विचित्रता यही है कि वह कर्म के फल से तो बचना चाहता है,पर कर्म से बचने की कोशिश नहीं करता उपरोक्त उदगार मुनि श्री प्रमाण सागर महाराज ने श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान के छंटवे दिवस प्रातःकालीन धर्मसभा में व्यक्त किये मुनि श्री ने चार बातें कर्म का बोध,कर्म का बंध, कर्म का भोग, और कर्म का क्षय की बात करते हुये कहा कि सभी को इस बात का बोध हो जाये कि मेरी आत्मा में ₹कर्म₹ एक ऐसा तत्व है जो मेरी चेतना को परतंत्र बना रहा है तो उसका जीवन परिवर्तित हो जाये?जब हम गहराई से अनुभव करते है, तो हमें कर्म का आभास होता है, हमारे जीवन में जो भी विषमता हैं उसके मूल में कर्म ही छिपा होता है, मुनि श्री ने कहा कि कर्म का बोध मात्र शास्त्रों के पड़ने से ही नहीं आता औरों को देखकर सड़क चलते भी हम ₹कर्म ₹का बोध कर सकते हैं, सड़क चलते हमें अनेक व्यक्ति ऐसे दिखते है जो दिव्यांग, विकृतांग, अनाथ, अपंग बीमार विक्षिप्त और विकृत अवस्था में है, तो उन्हें देखकर कभी आपको ऐसा लगा कि इनकी जगह में होता तो मेरा क्या होता? संसार की विचित्रता को देखकर जो उसकी जड़में झांकते हैं वे ही कर्म का बोध कर सकते हैं,और जिन्हें कर्म का बोध होता है वही कर्मका क्षय करने में समर्थ हो सकते हैं। मुनि श्री ने कहा कि अपने अपने अंतर्मन में उतर के देखो कि क्या यथार्थ में मुझे मेरे कर्म की सत्ता का बोध है? क्या कर्म मेरे जीवन का नियंत्रक और संचालक है? कर्म मेरी समस्त वृत्तियों और प्रवृत्तियों का निर्धारक है? ऐसा बोध अंतर्मन में जगते ही जीवन की दिशा बदल जाती है। ऐसे ही हम अपने मन से, अपने वचनों से, अपने शरीर से प्रवृत्तियां करते है, उन प्रवृत्तियों के

निमित्त से हमारी चेतना में एक विशेष प्रकार का वाइब्रेशन होता है। उसी निमित्त से हमारी आत्मा के साथ जुड़े हुए जो परमाणु हैं वह हमारी ओर आकर्षित होकर कर्म के रूप में हमारी आत्मा से एकमेक हो जाते हैं। इसका नाम ही कर्म का बंध है। जैसा हमारा भाव, जैसे हमारे विचार, जैसी हमारी प्रवृत्ति, और वैसे कर्म के संस्कार हमारी चेतना में जुड़ते जाते हैं, हम सोचे कि यह कर्म हमारे जीवन में कैसे आ गया? अरे बही तो आया है,जो तुमने किया है। कर्म बंधते समय किसी को नहीं लगता कि मेरे जीवन में भी कुछ है जो बंध रहा है, व्यक्ति कदाचित अपराध से तो डर जाता है, क्योंकि उसे उसकी सजा दिखती है, लेकिन पाप करने से नहीं डरता क्योंकि उसे पाप का बोध ही नहीं है, उसे लगता ही नहीं कि में जो पाप में कर रहा हु उसका फल भी मुझे ही मिलेगा। यदि आपअपने जीवन को अच्छा बनाना चाहते हो तो अपने भाव विचार और व्यवहार को अच्छा बनाए संसार के जितने भी संयोग है वे सब कर्म के निमित्त और नैमितिक संबंध है। इसमें किसी दूसरे का कर्तृत्व नहीं होता, हम कोसते हैं इसने ऐसा कर दिया, उसने वैसा कर दिया। इस वजह से ऐसा हो गया। उस वजह से वैसा हो गया। हकीकत में वह कोई और नहीं मेरा कर्म ही है उन्होंने महासती अंजना का उदाहरण दिया और कहा कि उसके ऊपर कर्म का उदय आया लेकिन उसने वो कर्म को भोगे नहीं, कर्म को काटा क्या उसने अपने पति या ससुराल वाले को? गाली दी वह निर्दोष थी फिर भी उसे लांछित किया गया लेकिन अंजना ने किसी को दोष नहीं दिया क्योंकि उसे कर्म का बोध था कि इनका क्या कसूर?यह तो मेरे कर्म का ही खेल है, कर्म यदि खेल दिखाना चाहता है तो मैं उसके लिए राजी हूं। चलो जिधर तुझे ले चलना है मैं चलूंगी। और एक अबला होकर के भी उसने हिम्मत नहीं हारी पेट में तद्भव मोक्षगामी कामदेव हनुमान है,ऐसे महापुरुष जिसके पेट में पल रहे है कर्म उसे भी ऐसा खेल खिला देता है। दूसरा होता तो डिप्रेशन में आ जाता और थोड़ा तेज होता तो कोर्ट में पहुंच जाता और थोड़ी कमजोर होता तो फांसी का फंदा लगा के लटक जाती। लेकिन वह अंजना ज्ञानी और पराक्रमी तथा आत्म बोध से संपन्न थी तभी तो₹कर्म₹ बोरिया बिस्तर बांध के जाने को बाध्य हो गया इस अवसर पर मुनि श्री संधान सागर महाराज सहित समस्त क्षुल्लक महाराज मंचासीन थे।

प्रवक्ता अविनाश जैन विद्यावाणी और सुवोध कामरेड ने बताया प्रातः6;30 बजे से सभी मांगलिक क्रियाऐं संपन्न हुई मुनि श्री के मुखारविंद से शांति मंत्रों के साथ शांतिधारा संपन्न हुई। विधानाचार्य बाल ब्र. अशोक भैया, बा. ब्र.अभय भैया के निर्देशन मेंअमित बास्तु,पंडित सुदर्शन शास्त्री, सोनल शास्त्री ने संपन्न कराया संचालन अमित पड़रिया ने किया।

मेक्सिलोफेशियल सर्जरी की 28वीं राष्ट्रीय कार्यशाला का हुआ शुभारंभ

जबलपुर। हितकारिणी डेंटल कॉलेज के सभागार में मेक्सिलोफेशियल सर्जरी की 28वीं राष्ट्रीय कार्यशाला के हेण्ड्स-ऑन कोर्स का शुभारंभ 05 फरवरी को दिल्ली से पधारे मेजर जनरल डॉ. पी. एन. अवस्थी द्वारा किया गया। कार्यशाला के प्रथम दिन डॉ. राजीव बोरले एवं उनकी टीम ने एडवांस मेक्सिलोफेशियल ट्रॉमा मैनेजमेंट पर प्रशिक्षण दिया, जिसमें देशभर से आए लगभग 50 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला में जाइगोमा व टेरीगॉयड इम्प्लांट के माध्यम से जबड़े के पुनर्निर्माण की तकनीकों पर भी हेण्ड्स-ऑन ट्रेनिंग दी गई। आगामी तीन दिनों में मुख कैंसर व फेशियल ट्रॉमा से संबंधित चयनित मरीजों की सर्जरी जबलपुर हॉस्पिटल में की जाएगी। कार्यशाला के संयोजक डॉ. राजेश धीरावाणी, डीन डॉ. रोहित मिश्रा, आयोजन अध्यक्ष डॉ. गुंजन दुबे एवं सचिव डॉ. संयोग पाठक ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

21 कुंडीय सर्वकल्याण महायज्ञ, भजन व प्रवचन 12 से

जबलपुर। महर्षि दयानंद सरस्वती का 202वां जन्मोत्सव एवं महाशिवरात्रि पर्व ऋग्वेद पारायण यज्ञ पर आर्य समाज दयानंद भवन डॉ. बराट रोड जबलपुर द्वारा गुरुवार 12 फरवरी से 15 फरवरी तक 21 कुंडीय सर्वकल्याण महायज्ञ, भजन एवं प्रवचन कार्यक्रम आयोजित है। कार्यक्रम के मुख्य वैदिक प्रवक्ता आचार्य धनंजय शर्मा देहरादून, मुख्य अतिथि डॉ. कैलाश गुप्ता, उद्योगपति व समाजसेवी, यज्ञ के ब्रह्म आचार्य धीरेन्द्र पांडेय आर्य समाज नेपियर टाउन होंगे।

सांदीपनि शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में लगा पाँच दिवसीय करियर मेला

शिक्षा, सेवा, मेडिकल व रक्षा क्षेत्र में करियर बनाने का मिला मार्गदर्शन

सिहोरा। सांदीपनि पं. वि. द. शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सिहोरा, जिला जबलपुर में 27 से 31 जनवरी 2026 तक पाँच दिवसीय करियर मेला का आयोजन किया गया। मेले का शुभारंभ 27 जनवरी को विशेष अतिथि सहायक संचालक आर. के. बधान, कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी जबलपुर ने किया। प्रथम दिवस काउंसलर द्वारा शैक्षणिक संकायों की जानकारी दी गई, वहीं जीसीएफ फैक्ट्री से आए जूनियर ऑफिसर बालाजी ने रक्षा क्षेत्र में करियर पर मार्गदर्शन दिया। सुषमा सिंह करचुली ने कौशल विकास व स्व-विकास पर अनुभव साझा किए।28 जनवरी को कौशल एवं व्यावसायिक विषयों पर जानकारी दी गई। 29 जनवरी को मेकलसुता एडु स्पेस राइट टाउन से नितिन तिवारी ने सिविल सर्विसेज व प्रतियोगी परीक्षाओं पर मार्गदर्शन किया। 30 जनवरी को डॉ. आशुतोष उपाध्याय ने मेडिकल करियर पर प्रकाश डाला।31 जनवरी को समापन सत्र में एसबीआई शाखा प्रबंधक सतीश मिश्रा, बीईओ अरविंद धूर्वे एवं योगाचार्य योगेन्द्र श्रीवास्तव उपस्थित रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में प्राचार्य अशोक कुमार उपाध्याय, उप प्राचार्य शैलेन्द्र मिश्रा, करियर काउंसलर डॉ. मनीष खरे सहित समस्त स्टाफ का विशेष योगदान रहा।

जनेकृविवि में सतत खेती में मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन पर उभरती तकनीकों का शुभारंभ

21 दिवसीय राष्ट्रीय प्रशिक्षण से वैज्ञानिकों को मिलेगा नई तकनीकों का व्यावहारिक लाभ

जबलपुर।

जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर में "सतत खेती में मिट्टी के स्वास्थ्य के प्रबंधन हेतु उभरती प्रौद्योगिकियां और नवाचार" विषय पर 21 दिवसीय राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। उद्घाटन कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा के मुख्य आतिथ्य एवं संचालक शिक्षण डॉ. अभिषेक शुक्ला की अध्यक्षता में हुआ। कुलपति डॉ. मिश्रा ने प्रशिक्षण को वैज्ञानिकों के लिए मील का पत्थर बताते हुए ड्रोन, नैनो टेक्नोलॉजी, नैनो उर्वरक, बायोचार एवं सूक्ष्मजीव इंजीनियरिंग जैसी तकनीकों की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। विशिष्ट अतिथि डॉ. जी. के. कौतु ने सटीक कृषि एवं डिजिटल तकनीकों को मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन में क्रांतिकारी बताया, वहीं डॉ. टी. आर. शर्मा ने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने पर जोर दिया। कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष डॉ. बी. के. दीक्षित ने स्वागत उद्बोधन दिया। संचालन डॉ. बी. एस. द्विवेदी तथा आभार डॉ. जी. एस. टैगोर ने व्यक्त किया।

रानी दुर्गावती स्कूल में वार्षिक उत्सव व पत्रिका 'वीरांगना' का विमोचन

जबलपुर। पीएम श्री रानी दुर्गावती शासकीय कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल, गढ़ा में वार्षिक उत्सव एवं शालेय पत्रिका 'वीरांगना' का विमोचन कार्यक्रम गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लोक शिक्षण संचालनालय जबलपुर संभाग के उपसंचालक पी. पी. सिंह रहे। विशिष्ट अतिथियों में जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी, जिला क्रीड़ा अधिकारी मधुमिता हाजरा, सांदीपनि विद्यालय मेडिकल कॉलेज जबलपुर की प्राचार्य किरण राव सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, खेलकूद में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं एवं पत्रिका की संपादकीय टीम को सम्मानित किया गया। विद्यालय की छात्राओं ने रंगारंग नृत्य व ऑपरेशन सिंदूर थीम पर नाट्य प्रस्तुति दी। प्राचार्य डॉ. एस. एन. श्रीवास्सव ने स्वागत भाषण दिया। संचालन मनीष कुमार दुबे ने किया।

नाम सुधार सूचना

मैं पायल पटेल उम्र लगभग 26 वर्ष पिता श्री दिनेश कुमार पटेल पता : मकान नं 387, महानद्दा मदन महल पाटीदार समाज भवन के पास प्रेम नगर मदन महल, जबलपुर शपथ पूर्वक निम्नलिखित कथन करती हूँ कि मैं उपरोक्त पते की स्थायी निवासी हूँ । मेरी जन्म तिथि 14/08/1999 प्रमाणित है । मेरा आधार क्रमांक : 482775679422 है । मेरी दसवी कक्षा की अंकसूची में मेरे पिता का नाम दिनेश पटेल दर्ज है एवं मेरे सभी आवश्यक दस्तावेज जैसे की मेरा आधार कार्ड पैन कार्ड इत्यादि में मेरे पिता का नाम दिनेश कुमार पटेल दर्ज है । भविष्य में सभी दस्तावेजों में मैं अपने पिता का नाम दिनेश कुमार पटेल दर्ज करवाना चाहती हूँ एवं उनका यही नाम पढ़ा व लिखा जावे । अत: पिता के नाम परिवर्तन के सत्यापन में यह शपथ पत्र प्रस्तुत है ।

BY 338342 शपथकर्ता

नाम सुधार सूचना

मैं रोहित पटेल उम्र लगभग 23 वर्ष पिता श्री दिनेश कुमार पटेल पता : मकान नं 387, महानद्दा मदन महल पाटीदार समाज भवन के पास प्रेम नगर मदन महल, जबलपुर शपथ पूर्वक निम्नलिखित कथन करता हूँ कि मैं उपरोक्त पते की स्थायी निवासी हूँ । मेरी जन्म तिथि 24/05/2002 प्रमाणित है । मेरा आधार क्रमांक : 231397103452 है । मेरी दसवी कक्षा की अंकसूची में मेरे पिता का नाम दिनेश पटेल दर्ज है एवं मेरे सभी आवश्यक दस्तावेज जैसे की मेरा आधार कार्ड पैन कार्ड इत्यादि में मेरे पिता का नाम दिनेश कुमार पटेल दर्ज है । भविष्य में सभी दस्तावेजों में मैं अपने पिता का नाम दिनेश कुमार पटेल दर्ज करवाना चाहता हूँ एवं उनका यही नाम पढ़ा व लिखा जावे । अत: पिता के नाम परिवर्तन के सत्यापन में यह शपथ पत्र प्रस्तुत है ।

BY 338343 शपथकर्ता

नर्मदा जल पर 60 रुपये का अतिरिक्त बोझ, सिहोरा में मचा सियासी घमासान

परिषद की मंजूरी बिना बढ़ा जलकर, उपाध्यक्ष सहित पार्षदों ने जताई आपत्ति

सिहोरा।

नगर पालिका परिषद सिहोरा द्वारा नर्मदा जल कनेक्शनधारियों पर प्रतिमाह 60 रुपये अतिरिक्त जलकर लगाए जाने के फैसले ने नगर की राजनीति गरमा दी है। अचानक लागू किए गए इस निर्णय से आम नागरिकों में नाराजगी है वहीं उपाध्यक्ष सहित कई पार्षदों ने इसे नियमविरुद्ध बताते हुए तत्काल वापस लेने की मांग की है। उपाध्यक्ष शारदा तिवारी ने लिखित आपत्ति दर्ज कराते हुए कहा कि बिना परिषद की स्वीकृति, औपचारिक चर्चा और विधिवत प्रस्ताव के नल-जल कर को 60 रुपये से बढ़ाकर 120 रुपये करना एकपक्षीय निर्णय है। इससे खासकर मध्यमवर्गीय और आर्थिक रूप से कमजोर नागरिकों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ा है। उन्होंने बढ़ी हुई दर को तत्काल स्थगित कर विषय को परिषद बैठक में रखने की मांग की है। जलकर वृद्धि के विरोध में कांग्रेस पार्षद दल और ब्लॉक कांग्रेस कमेटी सिहोरा के तत्वावधान में आज दोपहर 12 बजे नगर पालिका कार्यालय के बाहर धरना प्रदर्शन किया जाएगा।

इनका कहना है

नर्मदा नल-जल योजना 1 जनवरी 2025 से नगरपालिका को हैंडओवर हुई है। उसी के तहत 1 फरवरी से 60 रुपये प्रतिमाह लिया जा रहा है। जिन घरों में केवल नदी जल की आपूर्ति है, उनसे पूर्ववत 60 रुपये ही लिए जाएंगे, जबकि दोनों कनेक्शन होने पर 120 रुपये देय होंगे।

जयश्री चौहान,
मुख्य नगर पालिका अधिकारी

शिव स्मृति भवन गढ़ा में लगी द्वादश ज्योतिर्लिंग प्रदर्शनी 17 तक चलेगी

जबलपुर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के तत्वावधान में शिव स्मृति भवन, गढ़ा में द्वादश ज्योतिर्लिंग प्रदर्शनी का भव्य शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन उत्तर-मध्य विधानसभा क्षेत्र के विधायक डॉ. अभिलाष पांडे ने किया। मुख्य अतिथि जबलपुर संस्कारधानी जोन की प्रमुख संचालिका ब्रह्माकुमारी राजयोगिनी भावना बहन रहीं।

इस अवसर पर विधिवत पूजन-आरती के साथ ज्योतिर्लिंगों की भव्य झांकी का शुभारंभ किया गया। बीके भावना बहन ने बताया कि प्रदर्शनी का उद्देश्य समाज में आध्यात्मिक चेतना, परोपकार एवं सहयोग की भावना का विकास करना है। गढ़ा सेवा केंद्र की संचालिका बीके मीना बहन ने बताया कि प्रदर्शनी 17 फरवरी तक प्रतिदिन सायं 4 से 9 बजे तक जन-दर्शनार्थ खुली रहेगी। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

श्रीमती रामसखी परोहा- लालमाटी निवासी श्री राम नरेश परोहा की धर्मपत्नी श्रीमती रामसखी परोहा (81) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

सुश्री रीता सलूजा- रतन कॉलोनी गोरखपुर निवासी श्री खजान चंद सलूजा की पुत्री सुश्री रीता सलूजा (77) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री रामनाथ सिंह यादव- आशा नगर अधारताल निवासी श्री रामनाथ सिंह यादव (71) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री बद्री प्रसाद कुर्मी- ब्यौहारबाग पांडे अस्पताल के पीछे निवासी श्री बद्री प्रसाद कुर्मी (64) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती विजया कोरटकर- आस्था नगर गौरीघाट रोड निवासी श्री दिनकर कोरटकर की धर्मपत्नी श्रीमती विजया कोरटकर (80) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती कृष्णा बाई गोंटिया- लालमाटी सिद्धबाबा वार्ड काली मंदिर के पास निवासी श्री हरि लाल गोंटिया की धर्मपत्नी श्रीमती कृष्णा बाई गोंटिया (69) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री हरिशचंद्र जाटव- रामपुर छापर मांडवा निवासी श्री हरिशचंद्र जाटव (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती गीता सिंह ठाकुर- पुलिस लाइन कांचघर टीआईटी बिल्डिंग निवासी श्री आनंद सिंह ठाकुर की धर्मपत्नी श्रीमती गीता सिंह ठाकुर (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री ओम प्रकाश खंडेलवाल- नेपियर टाउन निवासी श्री ओम प्रकाश खंडेलवाल (88) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री आरके गोपाल नाईकर- हृदयनगर गुप्तेश्वर बचई मूर्तिकार वाली गली निवासी श्री आरके गोपाल नाईकर (53) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती फूला बाई चौधरी- छिवला गौरीघाट निवासी श्री डोरी लाल चौधरी की धर्मपत्नी श्रीमती फूला बाई चौधरी (72) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

हरिभूमि
बिज़ी/शोक/उठावना, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अब साइज 40/- प्रति स्क्वायर से.मी.
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:- 9303508294, 9407362100

दादा वीरेंद्र पुरी नेत्र चिकित्सालय में हुआ योग अवेयरनेस प्रोग्राम

जबलपुर। सिद्धत्व फाउंडेशन एवं भारतीय योगिनी संघ के तत्वावधान में 05 फरवरी 2026 को दादा वीरेंद्र पुरी नेत्र चिकित्सालय, तिलवारा में योग अवेयरनेस प्रोग्राम आयोजित किया गया। डॉ. पवन स्थापक (नेत्र रोग विशेषज्ञ) की सहमति से मरीजों को नेत्र स्वास्थ्य हेतु विशेष योग अभ्यास कराए गए। योगाचार्य रश्मि शर्मा के मार्गदर्शन में त्राटक, पल्मिंग, आंखों की स्ट्रेचिंग, प्राणायाम एवं ध्यान जैसी तकनीकों का अभ्यास कराया गया। उन्होंने मोबाइल व कंप्यूटर के बढ़ते उपयोग से आंखों पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों से बचाव के लिए योग, संतुलित आहार व पर्याप्त नींद पर जोर दिया। कार्यक्रम में चिकित्सालय स्टाफ व बड़ी संख्या में मरीज उपस्थित रहे। आयोजकों ने बताया कि भविष्य में भी ऐसे स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे।

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी सम्भाग क्रमांक 13 मुख्यालय, नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्रं /संभा.अधि./13/मुख्यालय 2025-26/एम/221
दिनांक:- 04/02/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती पिंकी विश्वकर्मा पति श्री पारसमणी विश्वकर्मा ने मकान नं. 684/1/A-2 वार्ड स्वामी दयानंद सरस्वती क्षेत्रफल 1619 व.फु., भूतल 1619 व.फु., प्रथम तल 1619 व.फु., द्वितीय तल 527 व.फु., तृतीय तल 527 व.फु. विक्रयपत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-13 मुख्यालय में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

राजस्व निरीक्षक
संभाग क्रं.13 मुख्यालय
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी सम्भाग क्रमांक 13 मुख्यालय, नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्रं /संभा.अधि./13/मुख्यालय 2025-26/एम/222
दिनांक:- 04/02/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री पारसमणी विश्वकर्मा पति स्व. श्री शंकर लाल विश्वकर्मा ने मकान नं. 684/1/A-1 वार्ड स्वामी दयानंद सरस्वती क्षेत्रफल 1350 व.फु., भूतल 1350 व.फु., प्रथम तल 1350 व.फु., द्वितीय तल 527 व.फु., तृतीय तल 527 व.फु. विक्रयपत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-13 मुख्यालय में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

राजस्व निरीक्षक
संभाग क्रं.13 मुख्यालय
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी सम्भाग क्रमांक 13 मुख्यालय, नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्रं /संभा.अधि./13/मुख्यालय 2025-26/एम/225
दिनांक:- 05/02/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री आरती क्लेटन पति श्री विक्टर क्लेटन ने मकान नं. 1326/ए वार्ड स्वामी दयानंद सरस्वती भूतल 550 व.फु., प्रथम तल 364 व. फु. शपथपत्र / मृत्यू प्रमाणपत्र / वसीयतनामा / खसरे की नकल के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-13 मुख्यालय में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

राजस्व निरीक्षक
संभाग क्रं.13 मुख्यालय
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी सम्भाग क्रमांक 13 मुख्यालय, नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्रं /संभा.अधि./13/मुख्यालय 2025-26/एम/226
दिनांक:- 05/02/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि (1)श्री जैनुल हक मंसूरी पिता श्री मोहम्मद यूसुफ (2)श्रीमती रूखसार बानों पति श्री जैनुल हक मंसूरी ने मकान नं. 761/FF-S-118 वार्ड स्वामी दयानंद सरस्वती प्रथम तल 379 व. फु. विक्रयपत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-13 मुख्यालय में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

राजस्व निरीक्षक
संभाग क्रं.13 मुख्यालय
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी सम्भाग क्रमांक 13 मुख्यालय, नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्रं /संभा.अधि./13/मुख्यालय 2025-26/एम/227
दिनांक:- 05/02/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती सुमन उपाध्याय पति श्री अशोक कुमार उपाध्याय ने मकान नं. 917/फ्लेट नं. 104 वार्ड पं. भवानी प्रसाद तिवारी प्रथम तल 610 व. फु. विक्रयपत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-13 मुख्यालय में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

राजस्व निरीक्षक
संभाग क्रं.13 मुख्यालय
नगर निगम, जबलपुर

उच्च न्यायालय, मध्यप्रदेश, जबलपुर
प्रत्यर्थी को अपील की सूचना (नोटिस)
Respondent No. 1 On Merit.
Fixed for 16-03-2026
(अधिनियम क्रमांक 5, सन् 1908 का आदेश इकतालिस, नियम 14) अपील क्रमांक MA/5396/2007
Process Id: 40940/2026
RAVI PANDEY....................अपीलार्थी
NILOTPAL BANERJEE.........प्रत्यर्थी
सन् 2004 के MACC क्रमांक 3 सन् 2004 में न्यायालय Addl. MACT, Shri K.S. Bhandari, Lakhnadaun District-Seoni (Madhya Pradesh) की डिक्री/आदेश दिनांक 13-08-2007 के विरुद्ध अपील।
प्रति,
Nilotpal Banerjee S/o Brigadier N.R. Banerjee R/o-43 A.P.R. Colony, Katanga, Jabalpur, District-Jabalpur, Madhya Pradesh- ....प्रत्यर्थी
अपील की सुनवाई का दिनांक- कृपया सूचित करें कि ऊपर वर्णित अपील श्री Appellant द्वारा प्रस्तुत की गई और इस न्यायालय में पंजीयित की गई है तथा इस न्यायालय द्वारा अपील की सुनवाई का दिनांक 16-03-2026 नियत की गई है। आपत्तियां, प्रति आपत्तियां, यदि कोई हो, इस सूचना (नोटिस) के प्राप्त होने के दिनांक से एक महीने के भीतर फाइल की जानी चाहिए।
कागजात तथा दस्तावेज फाइल करने का दिनांक- कृपया इस बात से भी सूचित हो कि आपसे यह भी अपेक्षित है कि आप दिनांक 16-03-2026 को या उससे पहले ऐसे कागजात और दस्तावेजों की, जो आप कागजातो करने का दिनांक की पुस्तक में शामिल करना चाहते हैं, एक सूची अपने स्वयं के खर्च से तैयार करके इस न्यायालय में परिदत्त करें। सूची में ऐसे कागजात और दस्तावेजों का उल्लेख करना आवश्यक नहीं है जिन्हें इस न्यायालय के नियमों के अधीन शामिल किये जाने की बाध्यता है। सूची निम्नलिखित फार्म में होना चाहिये:-कागज का विवरण (दिनांक सुभेदक चिह्न तथा पृष्ठ संख्या) (1), पूरा शामिल किया जाना है या उसका एक भाग शामिल किया जाना है (यदि कोई एक भाग शामिल किया जाना हो, तो पंक्तियां आदि का उद्धरण देते हुए स्पष्ट रूप से विनिर्दिष्ट करें) (2), कागजात की पुस्तक का पृष्ठ (कार्यालय में भरा जाय) (3)। यदि आप कागजात की पुस्तक में कोई कागज शामिल नहीं करना चाहते हो, तो यह अपेक्षित है कि आप उक्त दिनांक 16-03-2026 को या उसके पहले एक रिक्त सूची फाइल करें। आपको अपील की सुनवाई के लिए नियत दिनांक को तैयार रहना चाहिए, किन्तु यदि न्यायालय के काम-काज के कारण अपील उस दिनांक को न्यायालय में न सुनी जा सके तो वह उसके बाद यथासाध्य शीघ्र न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत की जायेगी। यदि आपकी ओर से आप स्वयं, आपका वकील या इस अपील के संबंध में आपके लिए कार्य करने लिये विधिवत् प्राधिकृत कोई व्यक्ति उपस्थित नहीं हुआ, तो अपील आपकी अनुपस्थिति में सुनी जायेगी और निर्णय दिया जायेगा। अपील से संयत निचले न्यायालयों में अभिलेख इस न्यायालय में प्राप्त हो गए है और निरीक्षण के लिए उपलब्ध है। आज दिनांक 02/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर और उच्च न्यायालय, मध्यप्रदेश, जबलपुर की मुहर से दिया गया।
मुहर प्रधान सहायक, न्यायिक शाखा

क्रिप्टोकरेंसी बाजार में लिक्विडिटी खत्म! क्या कौड़ियों के भाव बिकेगा बिटकॉइन?

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दुनिया की सबसे लोकप्रिय क्रिप्टोकरेंसी, बिटकॉइन, इस समय एक गहरे संकट के दौर से गुजर रहे है। एक महीने में बिटकॉइन 18 प्रतिशत गिर चुकी है। अपने ऑल-टाइम हाई 1,26,198 डॉलर से यह अब तक करीब 40 प्रतिशत टूट चुका है। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि यदि मौजूदा परिस्थितियां नहीं बदलीं, तो इसमें 70 प्रतिशत तक की गिरावट आ सकती है। बिटकॉइन ने अभी तक अपना 'बॉटम' (निचला स्तर) कन्फर्म नहीं किया है। बिकवाली का दबाव अभी भी हावी है। भले ही बाजार में एकदम से कोई बड़ा क्रैश न आए, लेकिन एक लंबा 'साइडवेज फेज' देखने को मिल सकता है।

मार्केट में नया पैसा नहीं आ रहा

बिटकॉइन में आई यह हालिया गिरावट कोई 'टेक्निकल चार्ट फेलियर' नहीं है, बल्कि यह सीधे तौर पर लिक्विडिटी की कमी का परिणाम है। क्रिप्टोक्वांट के सीईओ की यंग जू के अनुसार, बाजार में बिकवाली का दबाव तो बना हुआ है, लेकिन नया पैसा नहीं आ रहा है। जब तक बाजार में नया कैश फ्लो बना रहता है, कीमतें ऊपर की ओर भागती हैं। पिछले साल की तेजी इसी 'न्यू मनी' के दम पर थी।

अपने हाई से अब तक 40 प्रतिशत टूट चुका, एक माह में बिटकॉइन 18 फीसदी गिर चुका

प्रॉफिट बुकिंग

बिटकॉइन को पिछले काफी समय से ईटीएफ और माइक्रोस्ट्रेटजी जैसी बड़ी कंपनियों की खरीदारी ने सहारा दिया हुआ था। शुरुआती निवेशक जो भारी मुनाफे पर बैठे थे, वे पिछले एक साल से धीरे-धीरे अपना प्रॉफिट बुक कर रहे थे। इस बिकवाली को संस्थागत खरीदारों के इनफ्लो ने अब्सॉर्ब कर लिया, जिसकी वजह से बिटकॉइन 1 लाख डॉलर के मनोवैज्ञानिक स्तर के आसपास टिका रहा।

70 फीसदी क्रैश की संभावना

बिटकॉइन कई बार 70 प्रतिशत से अधिक टूट चुका है। आखिरी बार ऐसा 2021-2022 के दौरान हुआ था, जब कीमतें 69,000 से गिरकर 15,500 डॉलर के करीब आ गई थीं। की यंग जू का तर्क है कि इस बार भी वैसा ही 'डीप क्रैश' आ सकता है, लेकिन उसके पीछे एक बड़ी शर्त है। उनके मुताबिक, अगर माइक्रोस्ट्रेटेजी जैसी दिग्गज कंपनियां, जो वर्तमान में सबसे बड़ी बिटकॉइन होल्डर हैं, अपनी रणनीति बदल देती हैं और आक्रामक खरीदार से आक्रामक विक्रेता बन जाती हैं तो बाजार को संभालना नामुमकिन होगा। यदि बिटकॉइन अपने मौजूदा ऊंचे स्तरों से 70 प्रतिशत गिरता है, तो इसकी कीमत 37,859 डॉलर तक गिर सकती है।

रुपया 14 पैसे की बढ़त के साथ 90.33 प्रति डॉलर

मुंबई। अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया बृहस्पतिवार को 14 पैसे मजबूत होकर 90.33 रुपये (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। घरेलू मुद्रा में यह मजबूती भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की उम्मीदों और जिंस कीमतों में गिरावट के कारण आई। हालांकि, निवेशक समझौते की शर्तों को लेकर और स्पष्टता की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम
कार्यालय परियोजना यंत्री संभाग क्र.-02
डी-16, कचनार सिटी, विजय नगर, जबलपुर (म.प्र.)-482002
E-mail : mpphcjabalpur2@gmail.com

निविदा प्रेस विज्ञप्ति

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम, जबलपुर संभाग क्र. 02 के अंतर्गत निविदा क्रमांक 14/2025-26 मुख्यमंत्री पुलिस आवास योजना (तृतीय चरण) अंतर्गत निर्माण कार्य (24+96) आवासगृह पुलिस लाईन शहडोल, जिला-शहडोल में बाह्य विद्युतिकरण का कार्य (ऑनलाइन निविदा क्र. - 2026_MPPHC _480444_1) आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 20.02.2026 तक खरीद कर सायं 6:00 बजे तक** सबमिट किये जा सकते हैं जिसकी विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं एवं निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उक्त वेबसाइट पर ही किए जावेंगे पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

म.प्र. माध्यम/124334/2026 — परियोजना यंत्री

खबर संक्षेप

एलआईसी के लाभ में 17 फीसदी का उछाल

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की जीवन बीमा कंपनी एलआईसी का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में 17 प्रतिशत बढ़कर 12,958 करोड़ रुपये रहा। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की इसी तिमाही में 11,056 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। एलआईसी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि इस तिमाही के दौरान, बीमा कंपनी की शुद्ध प्रीमियम आय बढ़कर 1,25,613 करोड़ रुपये हो गई। जो एक साल पहले 2024-25 की इसी तिमाही में 1,06,891 करोड़ रुपये थी।

टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स को 3483 करोड़ रुपए का घाटा

नई दिल्ली। वाहन विनिर्माता टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड (टीएमपीवीएल) ने चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में 3,483 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध घाटा दर्ज किया है। लक्जरी वाहन इकाई जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) में हुई साइबर घटना से इसके नतीजे गंभीर रूप से प्रभावित हुए हैं। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी ने 5,485 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध लाभ दर्ज किया था। टाटा समूह की कंपनी टीएमपीवीएल ने बृहस्पतिवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि समीक्षाधीन तिमाही में उसकी एकीकृत परिचालन आय घटकर 70,108 करोड़ रुपये रह गई, जो एक साल पहले इसी अवधि में 94,472 करोड़ रुपये थी।

एयरटेल का लाभ 55 फीसदी घटकर 6,631 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। भारती एयरटेल का वित्त वर्ष 2025-26 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ लगभग 55 प्रतिशत घटकर 6,630.5 करोड़ रुपये रह गया। कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में 14,781.2 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। समीक्षाधीन तिमाही में भारत की दूसरी सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनी की परिचालन आय 19.6 प्रतिशत बढ़कर 53,982 करोड़ रुपये रही।

पीएफसी का लाभ 6 फीसदी बढ़कर हुआ 8,212 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन (पीएफसी) का चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ करीब छह प्रतिशत बढ़कर 8,211.90 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने शेयर बाजार को अक्टूबर-दिसंबर, 2025 तिमाही के इस नतीजे की सूचना दी। गत वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में उसका मुनाफा 7,759.56 करोड़ रुपये रहा था। चालू वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही में कंपनी की कुल आय करीब नौ प्रतिशत बढ़कर 29,140.57 करोड़ रुपये हो गई, जो गत वित्त वर्ष की समान अवधि में 26,821.84 करोड़ रुपये थी।

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड के चेयरमैन अग्रवाल ने दी जानकारी

नए आयकर अधिनियम से जुड़े फॉर्म, नियम इसी महीने होंगे अधिसूचित: सीबीडीटी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के चेयरमैन रवि अग्रवाल ने कहा है कि आयकर अधिनियम, 2025 के अप्रैल से लागू होने से पहले फरवरी में जरूरी फॉर्म और नियम अधिसूचित किए जाएंगे। इसके साथ ही अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्नों की सूची भी जारी की जाएगी। अग्रवाल ने कहा कि एक फरवरी को पेश बजट में पेनाल्टी को शुल्क में बदलने, कार्यवाही को अतिरिक्त कर का भुगतान कर समाप्त करने की सुविधा, शेयर पुनर्खरीद के मामले में कर को युक्तिसंगत बनाने और टीसीएस (स्रोत पर कर संग्रह) में कमी जैसे उपाय करदाताओं के लिए चीजों को सुगम बनाएंगे।

पेनाल्टी को शुल्क में बदलने की सुविधा मिलेगी

पूछे जाने वाले प्रश्नों की सूची जारी की जाएगी

संबंधित पक्षों से सुझाव लिया जाएगा

चेयरमैन ने कहा, ''प्रत्यक्ष कर के मोर्चे पर जो प्रस्ताव बजट में किए गए हैं, वे वास्तव में कानून को सरल बनाने और करदाताओं के लिए इसे आसान बनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों का ही एक हिस्सा हैं।'' सीबीडीटी प्रमुख ने कहा, /''हम फरवरी में नए आयकर फॉर्म और नियम जारी कर देंगे।... नए आयकर अधिनियम, 2025 के एक अप्रैल, 2026 से लागू होने से पहले संबंधित पक्षों से इस पर सुझाव लिया जाएगा।''

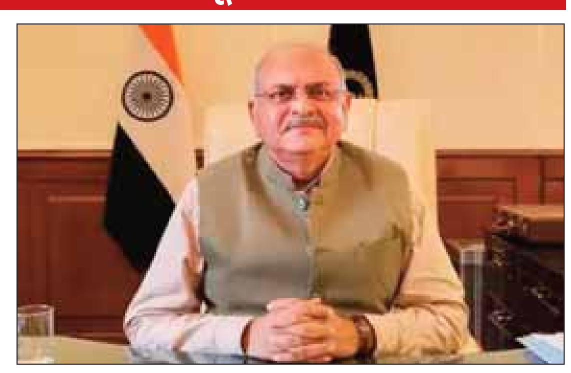

सरलीकरण की प्रक्रिया जुलाई 2024 से चल रही

चेयरमैन ने बजट के बारे में बात करते हुए कहा, /''प्रत्यक्ष कर से संबंधित घोषित प्रस्तावों को 'अलग-थलग' नहीं देखा जाना चाहिए। इसे उस सरलीकरण प्रक्रिया की निरंतरता के रूप में देखा जाना चाहिए जो जुलाई 2024 से ही चल रही है। उस समय वित्त मंत्री ने घोषणा की थी कि हम आयकर अधिनियम की व्यापक समीक्षा करने जा रहे हैं।

भाषा को सरल बनाने पर जोर

सीबीडीटी प्रमुख ने कहा कि पिछले साल पूरा जोर (आयकर अधिनियम की) भाषा को सरल बनाने पर था और नए कानून को इस तरह से लाने पर था कि करदाता इसे आसानी से पढ़ और समझ सकें। उन्होंने कहा, /''इस प्रक्रिया के माध्यम से हम यह भी सुनिश्चित करना चाहते हैं कि चीजों की कई तरह से व्याख्या न हो। इससे परोक्ष रूप से मुकदमेबाजी की समस्या का भी समाधान होगा।/''

सेंसेक्स 504 और निफ्टी में 133 अंक की गिरावट

मौद्रिक नीति से पहले घरेलू शेयर बाजार में तीन सत्रों की तेजी थमी

एजेंसी ▶▶ मुंबई

वैश्विक शेयर बाजारों के कमजोर रुख के बीच घरेलू शेयर बाजार लगातार तीन सत्रों के बाद बृहस्पतिवार को गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स 504 अंक टूट गया, जबकि निफ्टी में 133 अंक की गिरावट आई। विश्लेषकों ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति घोषणा से एक दिन पहले निवेशकों के सतर्क रुख अपनाने और धातु, आईटी एवं पूंजीगत उत्पाद शेयरों में तेज बिकवाली से धारणा पर प्रतिकूल असर पड़ा।

- धातु, आईटी एवं पूंजीगत उत्पाद शेयरों में रही बिकवाली

बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स कारोबार के अंत में 503.76 अंक यानी 0.60 प्रतिशत की गिरावट के साथ 83,313.93 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 666.07 अंक गिरकर 83,151.62 अंक तक आ गया था। निफ्टी भी 133.20 अंक यानी 0.52 प्रतिशत की गिरावट के साथ 25,642.80 अंक पर बंद हुआ। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''पिछले कुछ सत्रों में अमेरिका-भारत व्यापार समझौते को लेकर बनी सकारात्मक धारणा से तेज उछाल देखने को मिला था लेकिन अब मुनाफा वसूली हावी रही।

एयरटेल, रिलायंस में नुकसान

सेंसेक्स की कंपनियों में इटर्नल, भारती एयरटेल, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटीसी, इन्फोसिस, रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक और एशियन पेंट्स प्रमुख रूप से नुकसान में रहीं। दूसरी तरफ, ट्रेंट, टाटा स्टील, भारतीय स्टेट बैंक और बजाज फाइनेंस के शेयरों में बढ़त दर्ज की गई।

यूरोपीय केंद्रीय बैंक ने ब्याज दर में नहीं किया बदलाव

फ्रैंकफर्ट। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता के बीच यूरोपीय केंद्रीय बैंक (ईसीबी) ने बृहस्पतिवार को नीतिगत ब्याज दर को दो प्रतिशत पर स्थिर बनाए रखने का फैसला किया। यूरो मुद्रा का उपयोग करने वाले 21 यूरोपीय देशों की अर्थव्यवस्था अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की शुल्क नीतियों से पैदा हुई अनिश्चितताओं के बावजूद सीमित लेकिन स्थिर दर से बढ़ रही है। ईसीबी ने अपनी मानक जमा दर को दो प्रतिशत पर बरकरार रखने का फैसला किया। जून, 2025 से ही यह दर कायम है। केंद्रीय बैंक ने ब्याज दरों में कई बार कटौती कर इसे चार प्रतिशत के उच्च स्तर से घटाया था।

Can Fin Homes Ltd (Sponsor: CANARA BANK) HOME LOANS • DEPOSITS — Translating Dreams into Reality

78, प्रथम तल, जे.आर. सामा काम्पलेक्स, गोरखपुर, कटंगा जबलपुर-482001
फोन : 0755 –4921736 Mob:7625079237
E-mail-jabalpur@canfinhomes.com, CIN : L85110KA1987PLC008699

परिशिष्ट - IV क [नियम 8(6) का परन्तुक देखें]

अचल संपत्ति के विक्रय हेतु विक्रय नोटिस

प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6) के परन्तुक के साथ पठित वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुर्नगठन तथा प्रतिभूतिहित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन अचल आस्तियों के विक्रय हेतु विक्रय नोटिस

आम लोगों को तथा विशेष रूप से ऋणी (यों) एवं जमानतदार (रो) को यह नोटिस दिया जाता है कि नीचे वर्णित अचल संपत्ति जो प्रतिभूत लेनदार के पास गिरवी/प्रभारित है, का **सांकेतिक कब्जा** केनफिन होम्स लिमिटेड **जबलपुर शाखा** के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिया गया है, को ''जहां है, जैसा है और जो कुछ भी है'' के आधार पर **श्रीमती परवीन बानो पत्नि स्व. वेद प्रकाश शिवहरे (ऋणी)** से केनफिन होम्स लिमिटेड (प्रतिभूत लेनदार) की दिनांक **05-02-2026** को **25,82,762/-** (रु. पच्चीस लाख बयासी हजार सात सौ बासठ मात्र) की बकाया राशि की वसूली हेतु दिनांक **11-03-2026** को बेचा जाएगा।

आरक्षित मूल्य ₹ **30,00,000/-** (रुपये तीस लाख मात्र) होगा और अग्रिम धनराशि ₹ **3,00,000/-** (रुपये तीन लाख मात्र) होगी।

संपत्ति का विवरण

संपत्ति स्थित खसरा नं. 255/1 का एक भाग म्युटेशन के पश्चात खसरा संख्या 255/47, एनबी संख्या 4/6, प.ह.नं. 22/24, मौजा अमखेरा, आरएनएम- महाराजपुर, ग्राम पंचायत- अमखेरा, तहसील अधारताल और जिला जबलपुर, मध्य प्रदेश 482004, क्षेत्रफल 840 वर्गफुट (78.06 वर्गमीटर) चर्तुसीमाएँ: पूर्वः सड़क की ओर, पश्चिमः गणेश पटेल की संपत्ति, उत्तरः खत्री जी की संपत्ति, दक्षिणः एडवोकेट राजेश तिवारी जी की संपत्ति

ज्ञात भार का विवरण : कोई भार नहीं

नीलामी के नियम एवं शर्तें तथा विस्तृत विवरण हेतु केनफिन होम्स लिमिटेड की अधिकृत वेबसाइट **(https://www.canfinhomes.com/SearchAuction.aspx)** देखें । ई-नीलामी में भाग लेने हेतु लिंक - **www.bankeauctionwizard.com**

दिनांक : 05-02-2026
स्थान: जबलपुर

(हस्ता.) प्राधिकृत अधिकारी
केनफिन होम्स लि.

छत्तीसगढ़ शासन, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग
कार्यालय - बालोद वनमंडल बालोद.

काष्ठगार डिपो बालोद का ई- ऑक्सन का संक्षिप्त सूचना

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है, कि बालोद वनमण्डल के शासकीय काष्ठागार एवं विभिन्न डिपो में संग्रहित ईमारती, जलाऊ काष्ठ एवं बांस का ई-ऑक्सन व्दारा निर्वर्तन निम्नानुसार किया जावेगा। इच्छुक बालीदारों से अनुरोध है, कि वे ई-ऑक्सन में भाग लेवे। ई-ऑक्सन की शर्ते एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस व समय पर वनमंडल कार्यालय / वन काष्ठगार डिपो, बालोद से प्राप्त की जा सकती है।

नीलाम दिनांक - 24.02.2026
समय - 9:00 बजे प्रातः से

नीलाम में प्रस्तावित वनोपज की अनुमानित मात्रा

क्र.	प्रजाति	नयी काष्ठ			गत अविक्रित काष्ठ			कुल योग		
		घ.मी.	बल्ली	डेंगरी	घ.मी.	बल्ली	डेंगरी	घ.मी.	बल्ली	डेंगरी
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	सागौन	24.565	288	578	410.216	1471	2178	434.781	1759	2756
2	बीजा	1.518	0	0	88.516	5	3	90.034	5	3
3	साजा	13.577	34	3	40.713	3	0	54.290	37	3
4	कसही	0.000	0	0	15.220	0	0	15.220	0	0
5	धावड़ा	0.000	38	16	0.000	1	0	0.000	39	16
6	हल्दु/मुण्डी	0.000	0	0	11.646	1	0	11.646	1	0
7	कर्रा	2.849	417	213	20.402	120	20	23.251	537	233
8	अन्य	1.206	104	89	33.475	128	0	34.681	232	89
	योग:-	43.715	881	899	620.188	1729	2201	663.903	2610	3100
9	जलाऊ चट्टा	259 चट्टा			14 चट्टा			273 चट्टा		
10	व्यापारिक बांस	1220 नग = 1.880 नो. टन			28426 नग = 62.692 नो. टन			29646 नग = 64.572 नो. टन		
11	व्यापारिक बांस				6135 नग = 64.030 नो. टन			6135 नग = 64.030 नो. टन		

टीप :- 1. क्रेताओं को ई-आक्सन के पूर्व एम. एस. टी. सी. ई-कार्मस पोर्टल मे रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है।
2. क्रेताओं को ई-आक्सन के पूर्व क्रय लाटों के अपसेट प्राईज मूल्य के 10 प्रतिशत की राशि अपने वालेट में रखना अनवार्य है। सफल बोलीदार को एक सप्ताह के भीतर शेष 15 प्रतिशत ई. एम. डी. की राशि जमा करना अनिवार्य है।
3. लॉट की थप्पी सूची एवं फोटो एम. एस. टी. सी. ई-कार्मस पोर्टल में अपने आई.डी से लॉग इन करके देख सकते है।
4. ई-आक्सन में लॉट क्रय के पश्चात प्रथम क्रेता को 30 सेकंड का समय प्राप्त होगा, उसी लॉट में अन्य क्रताओं द्वारा 30 सेकंड के पूर्व क्रय करने पर 20 सेकंड का समय प्राप्त होगा।

वनमंडलाधिकारी
(बालोद वन मंडल बालोद (छ.ग.)
जी-252606465/3

कार्यालय कार्यपालन यंत्री (भवन), लोक निर्माण विभाग, मण्डला (म.प्र.)
NIT NO. 03/2026/Centralized Tender/G/CE(B) — JABALPUR, DATED 29.01.2026
निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है :-

क्र.	पोर्टल टेंडर क्र.	कार्य का नाम	ठेके की अनुमानित लागत पी.ए.सी (लाख में)	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्यपूर्ण करने का समय वषार्काल सहित	कार्यालय का नाम जहाँ ई.एम.डी एवं बिड प्राप्त की जावेगी ।	निविदा की श्रेणी / निविदा काल
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	2026_PWPIU _479067_1	शासकीय हाईस्कूल बिलगांव वि.ख. मोहगावं जिलामण्डला का निर्माण कार्य विद्युतीकरण सहित (प्रथम आमंत्रण)	107.69	107690/-	12500/-	12 माह वषार्काल सहित	मुख्य अभियंता (भवन), लो.नि.वि. परिक्षेत्र-जबलपुर	लोक निर्माण विभाग में नवीन श्रेणी का पंजीकरण (प्रथम आमंत्रण)

1 निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट बेवसाईट http://mptenders.gov.in पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किए जा सकेंगे । 2 निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑन-लाईन पोर्टल पर क्रेडिट / डेबिट / कैशकार्ड / इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा । 3 निविदा प्रपत्र केवल ऑन-लाईन दिनांक 31.01.2026 समय 9.00 बजे से दिनांक 14.02.2026 समय 18.00 बजे तक खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी बेबसाईट पर देखी जा सकती है 4 निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त बेवसाईट पर ही दर्ज किए जाएंगे, पृथक से सामाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री (भवन),
लोक निर्माण विभाग, मण्डला (म. प्र.)
G-25386/25 "स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता"

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
IOT आधारित वॉटर लेवल इंडिकेटर के लिए ई-निविदा

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर द्वारा निम्नलिखित वस्तुओं की आपूर्ति के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती है:
निविदा क्र.: NIT/26/JAN/31265020/13
दिनांक: 17.01.2026
आइटम का संक्षिप्त विवरण: इंडियन रेलवे के पैसेंजर कोच के लिए IOT आधारित वॉटर लेवल इंडिकेटर की सप्लाई, इंस्टॉलेशन और कमीशनिंग के साथ अंडरस्लंग वॉटर टैंक और ओवरहेड टैंक वगैरह।
मात्रा: 400 नग और 450 नग।
अनुमानित निविदा मूल्य: ₹ 7,75,73,200/-
ईएमडी: ₹ 15,51,460/-
देय तिथि: दिनांक **18.02.2026**,
देय समय: सुबह **10:30** बजे।
नोट: ई-निविदा में सभी निविदाकर्ताओं से अनुरोध है कि वे अपनी बोलियाँ IREPS वेबसाइट **http://www.ireps.gov.in** के माध्यम से ऑनलाइन जमा करें।
अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट पर जाएँ।

वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक,
दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे,
नागपुर
AIM/68-303
स्वच्छ भारत अभियान — एक कदम स्वच्छता की ओर

निविदा आमंत्रण सूचना (ई - पद्धति)
मध्य प्रदेश शासन, नर्मदा घाटी विकास विभाग कार्यालय मुख्य अभियंता
रानी अवंती बाई लोधी सागर, परियोजना बरगी हिल्स, जबलपुर (म. प्र.)

ज्ञाप क्र. 11//33/ सा - 2 /2025-26 — दिनांक 03/02/2026

मध्य प्रदेश पी.डब्ल्यू.डी. विभाग में केन्द्रीयकृत प्रणाली के अन्तर्गत पंजीकृत ठेकेदारों एवं अपंजीकृत ख्याति प्राप्त फर्म जो पंजीकरण मापदण्डों को पूरा करती है, से निम्नलिखित कार्यो हेतु ऑनलाईन प्रतिशत दरों में निविदा आमंत्रित की जाती है

स. क्र.	निविदा क्रमांक	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख रुपए में)	धरोहर राशि (रुपए में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रुपए में)	कार्य पूर्ण करने अवधि
1	2	3	4	5	7	8
1	19/ सा./ मु. अ./2025-26 दिनांक 03/02/2026 (प्रथम आमंत्रण)	बांयी तट मुख्य नहर की आर.डी. 130.670 कि.मी. से आर.डी. 135.500 कि.मी. एवं सडूमर शाखा नहर, रेनुका वितरण नहर एवं अमोदा वितरण नहर का वार्षिक मरम्मत एवं रखरखाव का कार्य ।	रू. 29.76 लाख (रू. उन्तीस लाख छिहत्तर हजार मात्र) (एम.पी. डब्ल्यू. आर.डी., यू.सी.एस.आर. 15/07/2024 पर लागू)	रू.50000/- (रु. पचास हजार मात्र)	रू.5000/- (रू. पांच हजार मात्र	06 माह वषार्काल सहित
2	20/ सा./ मु. अ./2025-26 दिनांक 03/02/2026 (प्रथम आमंत्रण)	सडूमर शाखा नहर की आर.डी. 1.08 कि.मी. से निकलने वाली डुंगरिया वितरण नहर की कुल लम्बाई 23.50 कि.मी. का वार्षिक मरम्मत एवं रखरखाव का कार्य ।	रू. 15.90 लाख (रू. पंद्रह लाख नब्बे हजार मात्र) (एम.पी. डब्ल्यू. आर.डी., यू.सी.एस.आर. 15/07/2024 पर लागू)	रू.32000/- (रु. बत्तीस हजार मात्र)	रू.2000/- (रू. दो हजार मात्र	06 माह वषार्काल सहित

1. निविदा की विस्तृत जानकारी के लिये www.mptenders.gov.in का अवलोकन करें ।
2. निविदा प्रपत्र डेबिट कार्ड या इन्टरनेट एकाउंट से भुगतान करने के उपरान्त केवल ऑनलाईन निविदा क्रय की जा सकती है ।
3. ऑनलाईन निविदा प्रपत्र क्रय करने का दिनाँक एवं समय -दिनांक 16.02.2026, 17.30 बजे तक ।
4. निविदा में यदि कोई संशोधन किया जाता है तो वह केवल बेवसाईट पर दशार्या जायेगा । समाचार पत्र में नहीं ।

(डी.एल. वर्मा) मुख्य अभियंता
रानी अवती बाई लोधी सागर परियोजना
बरगी हिल्स, जबलपुर
G-25368/25 "स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता"

कार्यालय प्राचार्य
शासकीय विज्ञान महाविद्यालय, जबलपुर
क्रमांक/2651/निविदा/2026 — जबलपुर, दिनांक : 05.02.2026

प्रथम आमंत्रण ई-अल्प अवधि निविदा सूचना

शासकीय विज्ञान महाविद्यालय जबलपुर के पुस्तकालय ऑटोमेशन, जिम उपकरण एवं अग्निशमन यंत्र क्रय निमित्त अकादमिक सत्र 2026 हेतु अधिकृत फ़र्मो से निम्नलिखित निविदाये आमंत्रित की जाती हैं। निविदाओं की शर्तो, अमानत राशि आदि की जानकारी ऑनलाइन www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता हैः-

स. क्र.	निविदा का विवरण	निविदा ID	निविदा क्रमांक	निविदा प्रपत्र का मूल्य
01	SUPPLY OF GYM EQUIPMENT 2026	2026_HED_480006_1	AT-001/SPORTS/2025-26	रु.1000.00
02	SUPPLY AND TESTING AND COMMISSIONING OF LIBRARY AUTOMATION SYSTEM 2026	2026_HED_480018_1	AT-002/LIB-AUTO/2025-26	रु. 1000.00
03	SUPPLY OF AUTOMATIC FIRE-Extinguisher	2026_HED_480389_1	AT-003/FIRE-BALL/2025-26	रु. 1000.00

म.प्र. माध्यम/124344/2026 — प्राचार्य

चिंतन

किताबों को सियासी अखाड़ा नहीं बौद्धिक संवाद का माध्यम बनाएं

लोकतंत्र में किताबें विचारों का माध्यम होती हैं, लेकिन जब वही किताबें राजनीति का अखाड़ा बन जाएं, तो यह चिंता का विषय हो जाता है। हाल के दिनों में तीसरे पक्ष या पूर्व अधिकारियों द्वारा लिखी गई किताबों को लेकर संसद से लेकर सड़कों और सोशल मीडिया तक जिस तरह का शोर मचा है, उसने लोकतांत्रिक विमर्श की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। विचारों पर बहस के बजाय आरोप-प्रत्यारोप और बदनाम करने की राजनीति हावी होती दिख रही है। तीसरे पक्ष द्वारा लिखी गई किताबें किसी सरकार या संस्था का आधिकारिक दस्तावेज नहीं होतीं। वे लेखक की सोच, उसके अनुभव और उसक समय की परिस्थितियों को प्रतिबिंबित करती हैं। ऐसे में काल, समय और संदर्भ को समझे बिना वर्षों पुराने प्रसंगों को वर्तमान राजनीति से जोड़ना न तो सत्ता पक्ष की समझदारी है और न ही विपक्ष की जिम्मेदारी। दुर्भाग्य यह है कि दोनों ही पक्ष इन किताबों को अपने-अपने राजनीतिक हितों के हिसाब से इस्तेमाल करने में लगे हुए हैं। संसद में किताबों को लेकर हुए हालिया विवाद के बाद सोशल मीडिया पर अपुष्ट खबरों और अधूरी जानकारियों की बाढ़ सी आ गई है। बिना पूरी किताब पढ़े, बिना तथ्यों की पुष्टि किए, चुनिंदा पंक्तियों को आधार बनाकर माहौल बनाया गया। यह प्रवृत्ति न केवल जनता को भ्रमित करती है, बल्कि संसद जैसे सर्वोच्च मंच की गरिमा को भी ठेस पहुंचाती है। जहां जनहित के मुद्दों पर सार्थक चर्चा होनी चाहिए, वहां नेता एक-दूसरे की नीयत पर सवाल उठाने में उलझे नजर आते हैं। पूर्व अधिकारियों, विशेषकर सेवानिवृत्त सैन्य प्रमुखों द्वारा लिखी गई किताबें स्वाभाविक रूप से संवेदनशील होती हैं। हाल ही में जनरल एम. एम. नरवणे की किताब को लेकर उठा विवाद इसका स्पष्ट उदाहरण है। ऐसी किताबें सत्ता पक्ष को असहज कर सकती हैं, क्योंकि वे नीतियों, निर्णयों और दावों पर सवाल उठाती हैं, लेकिन असहज सवालों से बचने के लिए हंगामा खड़ा करना लोकतांत्रिक परिपक्वता का परिचायक नहीं कहा जा सकता। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता लोकतंत्र की बुनियाद है। किसी लेखक को अपने अनुभव और विचार साझा करने का अधिकार है। जब ऐसी किताबों को लेकर सेंसरशिप की मांग उठती है या सदन में शोर-शराबा किया जाता है, तो यह संकेत देता है कि विचारों से टकराने के बजाय उन्हें दबाने की कोशिश की जा रही है। यह प्रवृत्ति लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए घातक है। किताबों पर होने वाली राजनीति अक्सर दोहरे चरित्र को उजागर करती है। सत्ता पक्ष इन्हें गैर-जिम्मेदार या भ्रामक बताकर खारिज करने में जुट जाता है, जबकि विपक्ष इन्हीं किताबों को सरकार को घेरने का औजार बना लेता है। दोनों ही स्थितियों में सच्चाई, तथ्य और संतुलन कहीं पीछे छूट जाते हैं। कई बार इन विवादों का असली उद्देश्य जनहित नहीं, बल्कि तात्कालिक राजनीतिक या चुनावी लाभ होता है। इस राजनीतिक शोर का सबसे बड़ा नुकसान संसद को होता है। संसद का समय देश की सबसे कीमती पूंजी है। जब यह समय किताबों के बहाने हंगामे में जाया होता है, तो आमजन के मुद्दे महंगाई, बेरोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ्य, किसान हाशिये पर चले जाते हैं। कुल मिलाकर किताबें समाज को सोचने, समझने और सवाल करने का अवसर देती हैं। उन्हें राजनीतिक अखाड़ा बनाने के बजाय बौद्धिक संवाद का माध्यम बनाया जाना चाहिए। जब तक विचारों से डरकर शोर मचाया जाता रहेगा, तब तक संसद की गरिमा और लोकतंत्र दोनों कमजोर होते रहेंगे। जरूरत इस बात की है कि राजनीति विचारों से लड़ें, किताबों से नहीं।

विवादों के बीच टी-20 बादशाहत की जंग

क्रिकेट
राज कुमार सिंह

सात फरवरी से आठ मार्च तक होने जा रहे टी-20 क्रिकेट वर्ल्ड कप पर विवादों का साया गहराता जा रहा है। भारत-श्रीलंका की मेजबानी में आयोजित हो रहे विश्व कप के ग्रुप 'ए' में भारत-पाकिस्तान के बीच 15 फरवरी को मैच खेला जाना है। इससे पहले पाकिस्तान को सात फरवरी को नीदरलैंड, 10 फरवरी को अमेरिका और 18 फरवरी को नामीबिया से मैच खेलने हैं। पाकिस्तान अपने ये सभी मैच खेलेगा। फिर भी भारत के विरुद्ध मैच न खेलने से उसे ग्रुप स्टेज पर ही विश्व कप से बाहर होना पड़ सकता है, क्योंकि इससे पाकिस्तान का रन रेट खराब हो जाएगा। नई चैंपियन वही टीम होगी, जो सुनियोजित रणनीति के साथ मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेगी।

सात फरवरी से आठ मार्च तक होने जा रहे टी-20 क्रिकेट वर्ल्ड कप पर विवादों का साया गहराता जा रहा है। आईपीएल से अपने खिलाड़ी मुस्तफिजुर रहमान के बाहर हो जाने से शुरू विवाद के चलते बांग्लादेश इस विश्व कप का बहिष्कार कर चुका है। बांग्लादेश की जगह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने स्कॉटलैंड को वर्ल्ड कप में शामिल किया है। बांग्लादेश ने सुरक्षा कारणों का बहाना बनाते हुए अपने मैच भारत से श्रीलंका स्थानांतरित करने का अनुरोध किया था, जिसे आईसीसी ने ठुकरा दिया। इस विवाद में बांग्लादेश के पक्ष में मुखरता के चलते पाकिस्तान द्वारा भी वर्ल्ड कप के बहिष्कार की आशंका थी, लेकिन उसने सिर्फ भारत के विरुद्ध मैच खेलने से इनकार किया है।

भारत-श्रीलंका की मेजबानी में आयोजित हो रहे इस विश्व कप के ग्रुप 'ए' में भारत-पाकिस्तान के बीच यह मैच 15 फरवरी को खेला जाना है। इससे पहले पाकिस्तान को सात फरवरी को नीदरलैंड, 10 फरवरी को अमेरिका और 18 फरवरी को नामीबिया से मैच खेलने हैं। पाकिस्तान अपने ये सभी मैच खेलेगा। फिर भी भारत के विरुद्ध मैच न खेलने से उसे ग्रुप स्टेज पर ही विश्व कप से बाहर होना पड़ सकता है, क्योंकि भारत के विरुद्ध मैच न खेलने से पाकिस्तान का रन रेट खराब हो जाएगा। आईसीसी के नियम 16.10.7 के मुताबिक मैच न खेलने पर पाकिस्तान के 20 ओवर में 0 रन माने जाएंगे, जबकि भारत का एक भी ओवर नहीं गिना जाएगा। परिणामस्वरूप बाकी सभी मैच जीत कर भी पाकिस्तान का रन रेट नकारात्मक हो सकता है। हालांकि ग्रुप 'ए' में भारत और पाकिस्तान के अलावा अमेरिका, नामीबिया और नीदरलैंड जैसी कमजोर टीमें ही हैं, लेकिन क्रिकेट अनिश्चितताओं का खेल है। पिछले वर्ल्ड कप में अमेरिका तो पाकिस्तान को हरा कर ग्रुप स्टेज पर बाहर कर भी चुका है। नीदरलैंड भी अतीत में आईसीसी टूर्नामेंट में उलटफेर कर चुका है। अगर पाकिस्तान अपने इन तीन मैचों में से एक भी हार गया तो उसे ग्रुप स्टेज पर ही वर्ल्ड कप से बाहर का रास्ता देखना पड़ सकता है। बेशक आईसीसी ने पाकिस्तान से भारत के विरुद्ध मैच न खेलने के फैसले पर पुनर्विचार का आग्रह किया है, लेकिन खुद वहां के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ कह चुके हैं कि फैसला सोच-समझ कर किया गया है। वैसे कुछ जानकार पाकिस्तान के इस बांग्लादेश प्रेम को वहां के चुनाव से जोड़ कर भी देख रहे हैं।

बांग्लादेश में 12 फरवरी को चुनाव हैं। एक संभावना यह भी जतायी जा रही है कि चुनाव में वहां के कट्टरपंथियों को खुश करने के बाद पाकिस्तान शायद भारत से 15 फरवरी का मैच खेलने पर मान जाये। अगर वह नहीं माना तो ग्रुप स्टेज पर ही वर्ल्ड कप से बाहर होने के खतरे के अलावा दंडात्मक कार्रवाई का भी सामना करना पड़ सकता है। आईसीसी बहिष्कार का कारण पूछेगा। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) का जवाब संतोषजनक नहीं लगा तो उसे इस वर्ल्ड कप से बैन भी किया जा सकता है। पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) के लिए विदेशी खिलाड़ियों को एनओसी मिलना तो मुश्किल होगा ही, उसे भविष्य में आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी से भी वंचित होना पड़ सकता है। भारत-

पाकिस्तान मैच न होने से ब्रॉडकास्टर जियो और आईसीसी की आय में होने वाली कमी की भरपाई के लिए भी पाकिस्तान को कहा जा सकता है। सबसे ज्यादा पैसा भारत-पाकिस्तान के बीच खेले जाने वाले मैचों पर ही बरसता है। वैसे यह पहली बार नहीं है, जब किसी क्रिकेट वर्ल्ड कप पर विवाद और बहिष्कार का साया पड़ रहा है। भारतीय उप महाद्वीप में आयोजित 1996 के वर्ल्ड कप में श्रीलंका में जारी हिंसा के चलते ऑस्ट्रेलिया ने कोलंबो में मैच खेलने से इनकार कर दिया था। श्रीलंका को वॉकओवर मिल गया। उसी वर्ल्ड कप में वेस्टइंडीज ने भी श्रीलंका में खेलने से इनकार कर दिया था। परिणामस्वरूप श्रीलंका को एक और वॉकओवर मिल गया। दो बड़ी टीमों के विरुद्ध मिले वॉकओवर से श्रीलंका की किस्मत ऐसी चमकी कि वह लाहौर में फाइनल जीत कर विश्व विजेता बन गया।

2003 में अफ्रीकी धरती पर खेले गये विश्व कप में, जिंबाब्वे में रॉबर्ट मुगाबे शासन पर ब्रिटिश सरकार की आपत्ति के चलते, इंग्लैंड ने खेलने से इनकार कर दिया तो जिंबाब्वे को वॉकओवर मिल गया। उसी वर्ल्ड कप में न्यूजीलैंड ने भी सुरक्षा कारणों से खेलने से इनकार किया तो केन्या को वॉकओवर मिल गया और चमत्कारिक रूप से वह सेमीफाइनल में पहुंच गया। अगला विश्व कप ब्रिटेन में हुआ, जिससे जिंबाब्वे के राजनयिक रिश्ते खराब थे। वीजा संबंधी संकट खड़ा हुआ तो आईसीसी से समझौता कर जिंबाब्वे वर्ल्ड कप से हट गया और उसकी जगह स्कॉटलैंड को मौका मिला।

बेशक क्रिकेट अनिश्चितताओं का खेल है, जिसमें कभी भी कोई भी टीम कमाल कर सकती है, लेकिन हालिया प्रदर्शन की बात करें तो इस टी-20 वर्ल्ड कप में सूर्य कुमार यादव के नेतृत्व में टीम इंडिया खिताब की प्रबल दावेदार है। हालांकि भारतीय टीम का पिछला साल अच्छा नहीं गुजरा। हाल में मेहमान न्यूजीलैंड टीम से वन डे श्रृंखला भी 0-3 से हार गयी, लेकिन उसके बाद टी-20 श्रृंखला 4-1 से जीत कर जैसी जबर्दस्त वापसी की, उसके बाद ज्यादातर जानकार मानते हैं कि टीम इंडिया को टी-20 वर्ल्ड कप जीतने से रोक पाना आसान नहीं होगा। कप्तान सूर्या की फॉर्म लौट आयी है तो ईशान किशन भी तूफानी बल्लेबाजी फॉर्म के साथ टीम में लौटे हैं। ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या अच्छी फॉर्म में हैं तो तेज गेंदबाजी आक्रमण किसी भी प्रतिद्वंद्वी टीम को धराशायी करने में समर्थ है यानि टीम इंडिया टी-20 वर्ल्ड कप का पिछली बार जीता खिताब बरकरार रख सकती है। बेशक सदाबहार ऑस्ट्रेलिया, जुझारू दक्षिण अफ्रीका, गजब की पेशेवर न्यूजीलैंड और क्रिकेट के जनक इंग्लैंड को कम आंकने की गलती कोई जानकार नहीं करना चाहेगा। अतीत में असाधारण प्रदर्शन से चौंका चुकी ये टीमें भी खिताब की दावेदार हैं।

चार ग्रुपों में बंटे विश्व कप में 20 टीमें मैदान में होंगी। हर ग्रुप में दो मजबूत टीमें रख कर स्पर्धा को रोमांचक और संतुलित बनाने की कोशिश की गयी है। ग्रुप 'ए' में भारत और पाकिस्तान मजबूत टीमें हैं तो ग्रुप 'बी' में ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका की बाबत ऐसा कहा जा सकता है। ग्रुप 'सी' में इंग्लैंड और वेस्टइंडीज को मजबूत माना जा सकता है, जबकि ग्रुप 'डी' में न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका उसी श्रेणी में आती हैं। घरेलू पिचों का लाभ भारत और श्रीलंका को मिलने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता, लेकिन आईपीएल के चलते अन्य देशों के खिलाड़ी भी अब भारतीय पिचों से अनजान नहीं रह गये हैं। इसलिए टी-20 वर्ल्ड कप की नई चैंपियन वही टीम होगी, जो सुनियोजित रणनीति के साथ मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेगी।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

पुण्यतिथि पर विशेष

हर्षवर्धन पान्डे

लता मंगेशकर : मेरी आवाज़ ही पहचान है, गर याद रहे..

लता मंगेशकर की मखमली और जादुई आवाज की दुनिया दीवानी थी। उनकी आवाज़ दिल को छूती नहीं, बल्कि दिल में बस जाती थी। हर दिल अजीज लता मंगेशकर ने अपनी आवाज से हिंदी सिनेमा की गायकी में ऐसे चार चांद लगाए कि हर कोई उनका मुरीद हुए बिना नहीं रह पाया। सही मायनों में हिंदी सिनेमा की गायकी की दुनिया को लता ने अपने मधुर स्वर से नई दिशा देने का काम किया। लता की वो आवाज हर किसी के दिल के तारों को आज भी झंकृत कर देती है। हिंदी सिनेमा के 100 बरस से अधिक के सफ़र में लता की गायकी सिल्वर स्क्रीन पर चार चांद लगा देती है। लता मंगेशकर का जन्म 28 सितंबर 1929 को मध्यप्रदेश के इंदौर शहर में पंडित दीनानाथ मंगेशकर के मध्यवर्गीय परिवार में हुआ था। लता पांच भाई बहनों में सबसे बड़ी थी। लता मंगेशकर के पिता पंडित दीनानाथ मंगेशकर एक क्लासिकल सिंगर और थिएटर आर्टिस्ट थे। लता की तीन बहनें मीना, आशा, उषा और एक भाई हृदयनाथ मंगेशकर थे। पांच साल की उम्र में ही लता ने अपने पिता से संगीत की शिक्षा लेनी शुरू कर दी थी और थिएटर में एक्टिंग किया करती थी। जब वो स्कूल गयी तो वहां के बच्चों को संगीत सिखाने लगी लेकिन जब लता को अपनी बहन 'आशा' को स्कूल लाने से मना किया गया तो उन्होंने स्कूल जाना छोड़ दिया। सुरों की मल्लिका लता मंगेशकर का भी बॉलीवुड में सफर इतना आसान नहीं था। काफी समय तक उन्हें कोई प्रोजेक्ट नहीं मिला। इसकी दो वजहें थीं। एक तो साल 1940 के दौर में जब उन्होंने फिल्मी दुनिया में एंट्री ली, बॉलीवुड में नूरजहां और शमशाद का दबादबा था और दूसरा लता की आवाज़ की पिच काफी हाई थी और आवाज़ पतली, ऐसे में उस दौर के चलन में चल रहे गानों के मुताबिक आवाज भी फिट नहीं बैठती थी। प्रोड्यूसर शशिधर मुखर्जी ने लता मंगेशकर की आवाज को 'पतली आवाज' कहकर अपनी फिल्म 'शहीद' में गाने से मना कर दिया था, फिर म्यूजिक डायरेक्टर गुलाम हैदर ने लता को फिल्म 'मजबूर' में 'दिल मेरा तोड़ा, कहीं का ना छोड़ा' गीत गाने को कहा जो काफी सराहा गया। लता मंगेशकर के पिता नहीं चाहते थे कि वो फ़िल्मों के लिए गाने गाये, लेकिन लता मंगेशकर बचपन से ही गायिका बनना चाहती थीं। साल 1942 में उनके पिता इस दुनिया को छोड़ गए और लता मंगेशकर के कंधों पर परिवार को संभालने की सारी ज़िम्मेदारी आ गई। इसी वज़ह से लता ने 1942 से लेकर 1948 तक करीब 8 हिंदी और मराठी फिल्मों में काम किया। 1948 में म्यूज़िक कंपोज़र गुलाम हैदर ने लता को बड़ा ब्रेक दिया, जिसके बाद उनका संघर्ष का दौर खत्म हुआ और फिल्मी दुनिया में ऐसा सिक्का चला कि लोग उनकी आवाज के दीवाने हो गए। चंद महीनों में ही लता के प्रति लोगों का नजरिया बदला और उन्होंने अपनी अलग पहचान बना ली और फिर इसके बाद उन्हें मुड़कर पीछे नहीं देखना पड़ा। लता मंगेशकर ने फिल्म इंडस्ट्री के सभी दिग्गज म्यूज़िक डायरेक्टर्स और सिंगर्स के साथ काम किया। उन्होंने 1000 से भी ज्यादा हिंदी फिल्मों और 36 से भी ज्यादा भाषाओं में गाकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। साल 1977 में आई फिल्म 'किनारा' में लता मंगेशकर ने 'नाम गुम जायेगा, चेहरा ये बदल जायेगा, मेरी आवाज़ ही, पहचान है, गर याद रहे' गीत गाया। लता मंगेशकर की ये लाइनें उनके हर चाहने वाले को हमेशा याद रहेंगी। उस दौरान उन्होंने बैजू बावरा, मदर इंडिया, देवदास और मधुमति जैसी हिट फिल्मों में गाने गाए। फिल्म 'मधुमति' के गाने 'आजा रे परदेसी' के लिए 1958 में लता मंगेशकर को पहला फिल्मफेयर मिला। लता मंगेशकर को साल 2001 में 'भारत रत्न' से भी नवाजा गया था। लता दीदी को इसके पहले पद्म भूषण (1969), पद्म विभूषण(1999) और दादा साहब फाल्के अवार्ड (1989) पुरस्कार से भी नवाजा गया। सुर साम्राज्ञी लता मंगेशकर ने ताउम्र शादी नहीं की। इसकी वजह बताते हुए वो कहती थी कि पिता की मौत के बाद घर के सभी सदस्यों की जिम्मेदारी उन पर थी। ऐसे में कई बार शादी का ख्याल आता भी तो उस पर अमल नहीं कर सकती थी। मध्यप्रदेश सरकार ने 1984 में लता मंगेशकर के नाम पर एक पुरस्कार शुरू किया। इस पुरस्कार के लिए चयनित कलाकारों को दो-दो लाख की राशि, सम्मान पट्टिका, शाल-श्रीफल से अलंकृत किया जाता है। 6 फरवरी 2022 को 92 वर्ष की आयु में लता का निधन हो गया। आज भले ही वो हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी आवाज का जादू लम्बे समय तक भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में रंग भरता रहेगा।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

कथनी और करनी में न हो कोई अंतर

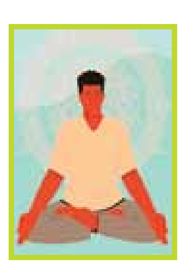

संकलित
दर्शन

सभी के हित का ध्यान रखते हुए मनसा, वाचा, कर्मणा अपने दायित्वों का सम्यक रूप से निर्वाह करना कर्त्तव्य है। कर्त्तव्य का पालन यदि समुचित रूप से किया जाता है तो जीवन पूर्णतः गौरवान्वित बनता है। जो कर्त्तव्यनिष्ठ है। वह अपने करणीय कर्म के प्रति पूरी तरह से समर्पित होता है। वह परमार्थ पोषक एवं प्रामाणिक होता है। वह जैसा रहता है, वैसा ही करता भी है। ऐसी कथनी-करनी की एकरूपता से वह समाज में श्रेष्ठ उदाहरण प्रस्तुत करता है और प्रत्येक उससे प्रेरणाएँ ग्रहण करता है। कर्त्तव्य परिपालन की बात करना और कर्त्तव्य परिपालन के नाम पर शोर-शराबा मचाना अलग बात है और कर्त्तव्यों के क्षेत्र में बिना किसी शोर-शराबे के समर्पित हो जाना अलग बात है। आज हम देखते हैं कि कर्त्तव्यों के परिपालन के लिए अक्सर लम्बे-चौड़े उपदेश दिये जाते हैं, पर जब कर्तव्य निर्वाह का अवसर आता है तो व्यक्ति दायें-बायें देखने लगता है। कटु सत्य तो यह है कि आज कर्त्तव्यों की चर्चा करने वाले लाखों हैं, पर कर्त्तव्यों के पावन पथ पर गतिशील होने वाले विरले ही हैं। कई बार मुझे चिंतन के क्षणों में लगता है कि आज व्यक्ति कर्त्तव्यों से विमुख हो गया है। इस विमुखता के कारण प्रत्येक क्षेत्र में अराजकता और अशांति का विस्तार हुआ है। कर्त्तव्यों के पावन क्षेत्र से भटककर कोई व्यक्ति कभी भी शांति का अहसास नहीं कर सकता। जीवन का गौरव और उसकी सार्थकता कर्त्तव्य पालन में ही है। कर्त्तव्यनिष्ठ व्यक्ति गुलाब का फूल है, वह काँटों में मुस्कराता है।

मुश्किल समय में अस्थिर हो जाता है मन

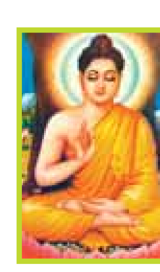

संकलित
प्रेरणा

गौतम बुद्ध यात्राएं करते रहते थे। यात्रा में उनके शिष्य भी साथ रहते थे। एक दिन वे अपने शिष्य आनंद के साथ यात्रा कर रहे थे। यात्रा करते हुए वे एक जंगल से गुजर रहे थे। उन्हें चलते-चलते काफी समय हो गया था। काफी चलने की वजह से वे थक गए थे। आराम के लिए वे एक जगह रुके। बुद्ध ने शिष्य आनंद से कहा कि प्यास लगी है, पास में से ही एक झरने के बहने की आवाज आ रही है, वहां जाकर पीने का पानी ले आओ। बुद्ध की आज्ञा मिलने के बाद आनंद झरने के पास पहुंच गया। वहां पहुंचकर आनंद ने देखा कि एक बैलगाड़ी पानी में से गुजरी है तो पहियों की वजह से पानी बहुत गंदा हो गया है। पानी में मिट्टी दिख रही थी, पानी पीने लायक नहीं था। आनंद गंदा पानी देखकर लौट आया। आनंद ने लौटकर बुद्ध से कहा कि तथागत, वहां का पानी तो बहुत गंदा है, पीने लायक नहीं है। बुद्ध ने कहा कि अब तुम कुछ देर बाद फिर से जाना। इस बार तुम्हें अच्छा पानी मिल जाएगा। बुद्ध की बात मानकर आनंद कुछ देर बाद फिर से पानी लेने पहुंच गया। इस बार पानी शांत था, पानी में कोई हलचल नहीं थी। पानी एकदम साफ दिख रहा था। आनंद ने तुरंत ही पीने के लिए पानी भरा और बुद्ध के पास लौट आया। बुद्ध ने पानी पीकर आनंद से कहा कि हमारे जीवन में भी कई बार ऐसी स्थितियां बन जाती हैं। मन तनाव की वजह से अशांत हो जाता है। अशांति गंदे पानी की तरह है। जब तक मन अशांत रहता है, तब तक हमें कोई निर्णय नहीं लेना चाहिए।

सटाका

आज की पाती

पाक का संशोधन लोकतंत्र के लिए काला अध्याय

संवैधानिक संशोधन लोकतंत्र की आत्मा होते हैं, जो समय के साथ बदलती चुनौतियों का सामना करने के लिए ढांचे को लचीला बनाते हैं। लेकिन जब ये संशोधन सत्ता के संतुलन को बिगाड़ने का हथियार बन जाते हैं, तो वे लोकतंत्र को ही खोखला करने लगते हैं। पाकिस्तान की संसद द्वारा नवंबर 2025 में पारित 27वां संवैधानिक संशोधन ठीक ऐसा ही एक उदाहरण है। यह संशोधन सतह पर संवैधानिक प्रक्रिया का पालन करता प्रतीत होता है, किंतु वास्तव में कार्यपालिका और सेना के हाथों में न्यायपालिका को बंधक बनाने का प्रयास है। इसने न केवल पाकिस्तानी संस्थानों के बीच शक्ति संतुलन को उलट दिया है, बल्कि विधि के शासन को गंभीर खतरे में डाल दिया है। - **मनीष शर्मा**, राजनांदगांव

करंट अफेयर

अमेरिकी महाद्वीप में खसरे को लेकर चेतावनी जारी

'पैन अमेरिकन हेल्थ ऑर्गनाइजेशन' (पीएएचओ) ने अमेरिकी महाद्वीप में खसरे के मामलों में अचानक वृद्धि के मद्देनजर एक नई महामारी संबंधी चेतावनी जारी की है। मेक्सिको में खसरे के काफी अधिक मामले दर्ज किए गए हैं। पीएएचओ की ओर से जारी चेतावनी में तत्काल टीकाकरण अभियान चलाने का भी आह्वान किया गया है साथ ही कहा गया है कि हाल में सामने आए मामले में 78 प्रतिशत मामले ऐसे लोगों में हैं जिनका टीकाकरण नहीं हुआ है। बुधवार को यह चेतावनी ऐसे वक्त में जारी की गई है जब नवंबर में कनाडा का खसरा-मुक्त दर्जा समाप्त हो गया है। यह एक ऐसा झटका है जिसकी पुनरावृत्ति जल्द ही अमेरिका और मेक्सिको में भी हो सकती है। इस वर्ष के पहले तीन हफ्तों में पीएएचओ ने सात देशों में खसरे के 1,031 नए मामलों की पुष्टि की है - जो पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में चौंका देने वाली 43 गुना वृद्धि है। हालांकि अभी तक किसी की मौत की खबर नहीं है, लेकिन संक्रमण का प्रसार अब भी अधिक है। मेक्सिको में सबसे अधिक 740 मामले हैं, उसके बाद अमेरिका में 171 और कनाडा में 67 मामले हैं। अमेरिका में अब सार्वजनिक स्वास्थ्य संबंधी ध्यान दक्षिण कैरोलिना की ओर केंद्रित किया गया है, जहां खसरे के मामलों में वृद्धि हो रही है।

ऑफ बीट

उम्र बढ़ना एक जटिल प्रक्रिया सब पर इसका असर अलग

आप किसी ऐसे व्यक्ति को जानते होंगे, जो अपनी वास्तविक उम्र से छोटा दिखाई देता होगा। इसी तरह आप ऐसे लोगों के भी संपर्क में आए होंगे, जो अपनी उम्र से काफी बड़े नजर आते हैं। क्या कारण है कि उम्र बढ़ने की प्रक्रिया हर व्यक्ति में समान नहीं होती? मैंने अपने पूरे करियर में उम्र बढ़ने की प्रक्रिया (एजिंग) पर अध्ययन किया है। मैं मिशिगन विश्वविद्यालय में उम्र बढ़ने की प्रक्रिया से संबंधित कोशिकीय एवं आणविक विज्ञान का प्रोफेसर हूं। उम्र बढ़ने की प्रक्रिया से जुड़े अनुसंधान में ऐसा समाधान नहीं तलाशा जाता, जो ढलती उम्र में आपको होने वाली हर बीमारी से निजात दिला सके। बल्कि, पिछले एक या दो दशक में हुए शोध इस ओर इशारा करते हैं कि 'एजिंग' एक बहुकारकीय प्रक्रिया है और इसे महज एक उपाय से नहीं रोका जा सकता। 'एजिंग' क्या है? -एजिंग की अलग-अलग परिभाषाएं हैं, लेकन वैज्ञानिक आमतौर पर कुछ समान कारकों पर सहमत होते हैं : उम्र बढ़ने की प्रक्रिया समय पर निर्भर करती है, जो व्यक्ति को बीमारियों, चोट और मौत के खतरे के प्रति अधिक संवेदनशील बनाती है।

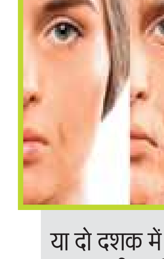

ट्रेंड

'भारत टैक्सी' से मुनाफा

सहकारिता से बहुत सारे लोग मिलकर छोटी-छोटी पूंजी लगाकर कैसे बड़ी शुरुआत कर सकते हैं, 'भारत टैक्सी' इसका उदाहरण है। चालक बहन-भाई 'भारत टैक्सी' से न सिर्फ अधिक मुनाफा कमा पाएंगे, बल्कि सम्मान के साथ इसके मालिक भी होंगे।
- अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

देश का सामरिक विकास

प्रजातंत्र के बारे में बोलने वाले विपक्षी दल संसद में प्रजातंत्र का गला घोंटते हैं, ये सारा देश देख रहा है। विपक्षी दलों को प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश का सामरिक विकास रास नहीं आ रहा है।
-जगत प्रकाश नड्डा, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री

टैरिफ का आकलन

भारत पर अमेरिका द्वारा टैरिफ घटाकर 18 प्रतिशत करने की खबर कितनी देश व जनहित में है, इस बारे में समुचित जानकारी के अभाव में तत्काल कोई आकलन करना जल्दबाजी होगी, क्योंकि इस पर जमीनी अमल होने के बाद ही पता चलेगा कि इससे आमजन का क्या भला होगा।
- मायावती, पूर्व सीएम, उप्र

विरोध करने का निर्णय

मोदी सरकार ने ठान लिया है कि दोनों विपक्षी नेताओं को बात करने नहीं देना है। सारी विपक्ष की पार्टियों के नेताओं ने यह तय किया कि अगर वे हमें बात करने नहीं देंगे, तो हमें वाक आउट करना चाहिए और विरोध करना चाहिए।
-मल्लिकार्जुन खरगे, अध्यक्ष, कार्यक्रम

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
66/1 इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मप्र)
पिन कोड-482002
ई-मेल : edit@haribhoomi.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

ग्रामीण थाना नवेगांव पुलिस की बड़ी कार्रवाई

वाहन चेकिंग के दौरान 6.60 किलोग्राम गांजा के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट के ग्रामीण थाना पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान 6.60 किलोग्राम गांजा के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। जब्त गांजे की अनुमानित कीमत ढाई लाख रुपये बताई जा रही है।

ग्रामीण थाना प्रभारी अमित अग्रवाल के अनुसार, पुलिस टीम वाहन चेकिंग कर रही थी, जब उन्होंने काले रंग की बिना नंबर की मोटरसाइकिल पर सवार दो संदिग्ध व्यक्तियों को रोकने का प्रयास किया। पुलिस को देखकर मोटरसाइकिल चालक ने वाहन

मोड़कर भागने की कोशिश की।

भागने के प्रयास में पीछे बैठा एक व्यक्ति मोटरसाइकिल से उतरकर फरार हो गया, जबकि पुलिस ने घेराबंदी कर मोटरसाइकिल चालक को पकड़ लिया। तलाशी लेने पर आरोपी के पास से एक बैग में रखा 6.60 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान कायदी निवासी वेदप्रकाश (34) पिता नेतराम सैनिक के रूप में हुई है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस ने आरोपी से गांजे के साथ मोटरसाइकिल भी जब्त की है।

पुलिस फरार आरोपी साथी की तलाश कर रही है। थाना प्रभारी ने कहा कि अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और ऐसे अपराधों में संलिप्त व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

तुम्हारे फोन पर पोर्न फिल्म देखी जाती हैं...

सीबीआई अफसर बनकर टीआई को डिजीटल अरेस्ट की कोशिश, मामला दर्ज

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट में साइबर धोखाधड़ी का एक मामला सामने आया है। एक थाना प्रभारी को सीबीआई अधिकारी बनकर पोर्न फिल्म देखने के नाम पर धमकाकर ठगी का प्रयास किया गया।

गुरुवार को बैहर थाना प्रभारी जयंत मर्सकोले ने इस घटना के बाद साइबर शिकायत नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराई है।

थाना प्रभारी जयंत मर्सकोले ने बताया कि उन्हें टू-कॉलर पर 'दोस्त' नाम से एक मोबाइल नंबर से कॉल

आया। कॉलर ने खुद को सीबीआई अधिकारी बताया और कहा कि उनके पास शिकायत आई है कि वे फोन पर 'गंदी फिल्में' देखते हैं।

कॉलर ने धमकी दी कि उनके नजदीकी थाने में शिकायत दर्ज कर चालान किया जाएगा और उन्हें छोटे बच्चों के साथ रेप जैसी गंभीर घटनाओं का कारण बताया।

यह बातचीत लगभग दो मिनट तक चली। थाना प्रभारी मर्सकोले ने बताया कि वह कॉलर से और जानकारी लेना चाह रहे थे, लेकिन जैसे ही उन्होंने अपने दोस्त को बताने की बात कही, कॉलर ने फोन काट दिया। इसके तुरंत बाद, मर्सकोले ने साइबर शिकायत नंबर 1930 पर इसकी शिकायत की, जिसके बाद उस मोबाइल नंबर को बंद कर दिया गया है।

बैहर थाना प्रभारी जयंत मर्सकोले ने मोबाइल उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे ऐसे अनजान कॉल से सतर्क रहें। उन्होंने सलाह दी कि यदि उन्हें ऐसे कोई फोन कॉल आते हैं, तो तत्काल 1930 पर शिकायत करें और पुलिस को सूचित करें।

साइबर नोडल थाना ने सभी मोबाइल उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे अनजान नंबरों या लिंक पर भरोसा न करें और यदि कोई ऐसी घटना होती है, तो तुरंत साइबर शिकायत नंबर, नोडल थाना या पुलिस को सूचित करें।

पुलिस ने फरार वारंटी को किया गिरफ्तार

छतरपुर। थाना अलीपुरा अंतर्गत वर्ष 2023 के एक प्रकरण में आवेदिका को न्यायालय द्वारा तय की गई राशि एक लाख नब्बे हजार रुपए अदा ना करने एवं अनावेदक के पेशी दिनांक में न्यायालय में पेश न होने पर न्यायालय द्वारा अनावेदक की गिरफ्तारी हेतु वसूली वारंट जारी किया गया था। पुलिस टीम द्वारा फरार वारंटी अरविंद रैकवार पिता कृपाल रैकवार निवासी पुरानी गल्ला मंडी के पास श्रीनगर जिला महोबा को गिरफ्तार किया गया।

हनीट्रैप और अवैध उगाही करने गिरफ्तार

मैहर। पुलिस ने इंस्टाग्राम के माध्यम से दोस्ती कर मारपीट और अवैध उगाही करने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ किया है। आरोपी मानसी उर्फ गोल्डी नामदेव ने फरियादी शिव शंकर गुप्ता को मिलने के बहाने बुलाया और फिर अपने साथियों के साथ मिलकर उसे बंधक बना लिया। आरोपियों ने फरियादी को झूठे केस में फंसाने की धमकी देकर 56,000 रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर करा लिए।

बोलेरो की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत, भड़के ग्रामीणों ने लगाया जाम

सतना।

कोलगवां थाना क्षेत्र अंतर्गत मोहन्ना में गुरुवार को एक भीषण सड़क हादसे ने कोहराम मचा दिया। एक तेज रफ्तार बोलेरो ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी,जिससे एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई,जबकि दूसरा साथी गंभीर रूप से घायल है। इस घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क पर जाम लगाकर जमकर हंगामा किया और वाहन में तोड़फोड़ की।

हादसे का विवरण

जानकारी के अनुसार,मोहन्ना निवासी सुनील पाल 32 वर्ष और जितेन्द्र पाल बाइक पर सवार होकर मुख्य मार्ग से जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रही एक बोलेरो ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि सुनील पाल ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

ग्रामीणों का फूटा गुस्सा, शराब तस्करी का आरोप

हादसे की खबर मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण इकट्ठा हो गए। उत्तेजित भीड़ ने सड़क पर जाम लगा दिया और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। ग्रामीणों का आरोप है कि कार चालक धर्मेंद्र सिंह कथित तौर पर शराब की पैकारी (अवैध बिक्री) में लिप्त है। घटना के समय आरोपी चालक नशे की हालत में था। हादसे के तुरंत बाद आरोपी चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया।

पुलिस की कार्रवाई और स्थिति

घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और घायल जितेन्द्र पाल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए कोलगवां थाना पुलिस सहित भारी पुलिस बल तैनात किया गया। सीएसपी देवेंद्र सिंह चौहान ने भी मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया। ग्रामीणों की मुख्य मांग है कि मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा दिया जाए। आरोपी चालक के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। फिलहाल पुलिस ने मामले को शांत कराने और यातायात बहाल करने के लिए समझाइश का दौर जारी रखा है।

युवक की ट्रेन की चपेट में आने से मौत

हरिभूमि न्यूज सिवनी।

जिले के घंसौर थाना क्षेत्र अंतर्गत शिकारा रेलवे स्टेशन के पास एक युवक की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। घटना बुधवार देर रात हुई। मृतक की पहचान ग्राम कट्टीखमारा निवासी आसाराम पिता अयोध्या प्रसाद मरावी (लगभग 32) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, वह देर रात शिकारा क्षेत्र में रेलवे ट्रैक के पास घूम रहा था, तभी एक मालगाड़ी के इंजन की चपेट में आ गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

परिजनों ने पुलिस को बताया कि आसाराम मानसिक रूप से अस्वस्थ था। वह लंबे समय से मानसिक बीमारी से पीड़ित था और अक्सर बिना बताए घर से निकल जाता था। आशंका है कि इसी कारण वह रेलवे ट्रैक के पास पहुंच गया, जिससे यह हादसा हुआ। घटना की सूचना प्रत्यक्षदर्शियों ने घंसौर थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके परपहुंची। पुलिस ने शव का पंचनामा कर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की और शव को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घंसौर भेज दिया।पुलिस हादसे के कारणों की विभिन्न पहलुओं से जांच कर रही है। यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि युवक किस परिस्थिति में रेलवे ट्रैक पर पहुंचा और यह हादसा दुर्घटनावश हुआ या इसके पीछे कोई अन्य कारण था।

घंसौर थाना प्रभारी लक्ष्मण सिंह झरिया ने बताया कि शिकारा रेलवे स्टेशन के पास ट्रेन की चपेट में आने से एक युवक की मौत की सूचना मिली थी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई की है। फिलहाल मर्ग कायम कर मामले की जांच जारी है। ग्रामीणों ने प्रशासन से रेलवे ट्रैक के आसपास सुरक्षा व्यवस्था और निगरानी बढ़ाने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

सगे बेटे पर लाखों की चोरी का आरोप

छतरपुर। जिले के सिविल लाइन थाना क्षेत्र से एक परिवार के अंदरूनी विवाद का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक मां ने अपने सगे बेटे पर घर में चोरी करने का गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस अधीक्षक कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई है। पीड़िता ने आरोप लगाया कि बेटे और उसके दोस्तों ने अलमारी तोड़कर नकद राशि व सोने के आभूषण चुरा लिए और फरार हो गए। पुलिस द्वारा एफआईआर न दर्ज करने से व्यथित होकर मां को एसपी कार्यालय तक पहुंचना पड़ा। पीड़ित मां राजकुमारी पत्नी राकेश पटेल, निवासी वार्ड नंबर 18, पंचवटी के सामने पन्ना रोड, थाना सिविल लाइन ने एसपी को दिए आवेदन में बताया कि 3 फरवरी 2026 की शाम करीब 5:30 बजे वह सब्जी लेने बाजार गई थीं। उस समय घर में उनका पुत्र कृष्णा पटेल और उसके दो दोस्त मौजूद थे। घर लौटने पर उन्होंने देखा कि गोदरेज अलमारी पीछे से टूटी हुई थी, मुख्य फाटक खुला था और घर से 40 हजार रुपये नकद, सोने की मंगलसूत्र तथा सोने की झुमकी गायब थीं। साथ ही बेटा कृष्णा और उसके दोनों साथी भी मौके से फरार हो चुके थे। पीड़िता ने तुरंत सिविल लाइन थाने में शिकायत दर्ज कराई।

अमृता हॉस्पिटल में गर्भाशय के चक्कर में काट दिया ब्लैडर

महिला ने प्रशासन से लगाई न्याय की गुहार

शहडोल। चिकित्सा जगत को कलंकित करने वाला एक सनसनीखेज मामला पिपरिया स्थित अमृता हॉस्पिटल से सामने आया है। सेवा और समर्पण का ढोंग करने वाले इस अस्पताल की कथित लापरवाही ने एक हंसती-खेलती महिला को जीते-जी नर्क जैसी जिंदगी जीने पर मजबूर कर दिया है। रसूख और रुपयों की हवस में अंधे अस्पताल प्रबंधन ने न केवल मरीज का शरीर छलनी किया, बल्कि अब अपनी गलती सुधारने के नाम पर फिर से जेब गर्म करने की जिद पर अड़ा है।

पीड़िता ऊषा देवी पनाडिया ने बच्चेदानी की समस्या के समाधान के लिए डॉ. अनुपमा जैन पर भरोसा जताया था। 12 नवंबर 2025 को हुए ऑपरेशन के दौरान डॉक्टर ने ऐसी घोर लापरवाही बरती कि महिला के ब्लैडर (मूत्रशय) में गहरा कट लगा दिया। इस घातक चूक का नतीजा यह हुआ कि ऑपरेशन के बाद से ही पीड़िता को निरंतर पेशाब के रिसाव की नरकीय समस्या झेलनी पड़ रही है। जब पीड़िता ने इसकी शिकायत की तो डॉक्टर ने हमदर्दी दिखाने के बजाय निर्दयता की सारी हदें पार करते हुए सुधार के नाम पर अतिरिक्त रुपयों की डिमांड कर डाली। पीड़िता अब तक अमृता हॉस्पिटल की तिजोरी में 1.5 लाख रुपये झोंक चुकी है। बिलासपुर और नागपुर के विशेषज्ञ डॉक्टरों ने पुष्टि कर दी है कि यह समस्या ऑपरेशन के दौरान लगी कट की वजह से ही हुई है। अब इस जख्म को भरने के लिए 5 लाख का अतिरिक्त खर्च और रोजाना एक हजार रुपये के डायपर का बोझ एक गरीब परिवार कैसे सहे। अपनी बर्बाद जिंदगी का हिसाब मांगने के लिए पीड़िता अब प्रशासनिक अधिकारियों की चौखट पर सिर पटक रही है। ऊषा देवी ने लिखित शिकायत देकर डॉक्टर के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई और इलाज के खर्च की वसूली की मांग की है। सवाल यह है कि क्या शहडोल का स्वास्थ्य विभाग इन सफेदपोश अपराधियों पर नकेल कसेगा या एक बेबस महिला की आवाज रसूखदारों के दबाव में दम तोड़ देगी।

बंजारी घाटी के पास अनियंत्रित होकर पलटा ट्रक

सिवनी जिले के धूमा थाना क्षेत्र में बंजारी घाटी के पास आज बुधवार सुबह एक ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। लखनादौन से जबलपुर जा रहा यह तेज रफ्तार ट्रक मोड़ पर पलटा, जिससे कुछ समय के लिए यातायात बाधित हुआ। हादसे में ट्रक चालक सुरक्षित बच गया।

जानकारी के अनुसार, ट्रक सुबह लखनादौन से जबलपुर की ओर जा रहा था। बंजारी घाटी के तीखे मोड़ पर चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया, जिससे ट्रक सडक़ किनारे पलट गया। हादसे की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया।तेज गति और मोड़ पर लापरवाही से हादसा

घटना की सूचना मिलते ही धूमा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने ट्रक चालक से पूछताछ कर हादसे के कारणों की जानकारी जुटाई। प्रारंभिक जांच में तेज गति और मोड़ पर लापरवाही को दुर्घटना का संभावित कारण माना जा रहा है। धूमा थाना प्रभारी डोमन सिंह ने बताया कि बंजारी घाटी के पास ट्रक पलटने की सूचना मिली थी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया और यातायात सुचारू कराया। उन्होंने यह भी बताया कि हादसे के कारणों की जांच की जा रही है और आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस प्रशासन ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे घाटी क्षेत्रों और मोड़ों पर विशेष सतर्कता बरतें। तेज गति और लापरवाही से न केवल चालक बल्कि अन्य लोगों की जान को भी खतरा हो सकता है।

खौलती कढ़ाही में गिरा 3 साल का मासूम, बचाने में मां भी झुलसी

छतरपुर।

एक दिल दहला देने वाली घटना में 3 साल के मासूम बच्चे ने उबलती कढ़ाही में गिरकर गंभीर जलन झेल ली। बच्चे को बचाने की कोशिश में उसकी मां भी बुरी तरह झुलस गई। दोनों को तुरंत जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उन्हें बर्न वार्ड में भर्ती कराया गया है। बच्चे की हालत अभी भी नाजुक बनी हुई है, जबकि मां की स्थिति स्थिर बताई जा रही है।

घटना पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश के महोबा जिले के ग्राम कैमाहा की है। जानकारी के अनुसार बुधवार को धर्मदास कुशवाहा के घर आंगन में चूल्हे पर कढ़ाही में सब्जी बनाई जा रही थी। इसी दौरान उनका इकलौता 3 साल का बेटा मंगल पास में खेल रहा था। खेल-खेल में अचानक उसका संतुलन बिगड़ गया और वह उबलती सब्जी से भरी कढ़ाही में जा गिरा। हादसा इतना भयावह था कि बच्चा कमर के नीचे से बुरी तरह झुलस गया।

बच्चे को बचाने के लिए उसकी मां रानी कुशवाहा ने तुरंत हाथ बढ़ाया, लेकिन वह भी गंभीर रूप से जल गई। उसका बायां हाथ विशेष रूप से प्रभावित हुआ। हादसे के बाद पूरे घर में अफरा-तफरी मच गई और परिवार में कोहराम छा गया। परिजनों ने आनन-फानन में दोनों को समीपस्थ छतरपुर अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बर्न वार्ड में शिफ्ट कर दिया। डॉक्टरों के अनुसार बच्चे को जलने की चोटें आई हैं, जिससे उसकी हालत गंभीर है। मां का इलाज जारी है और वह फिलहाल खतरे से बाहर हैं।

बागेश्वर धाम में 10 दिवसीय कन्या विवाह महोत्सव का शंखनाद आज से

प्रशासनिक एवं पुलिस के अधिकारियों ने धाम समिति के साथ की बैठक कार्यक्रम स्थल का किया निरीक्षण, सभी व्यवस्थाओं पर हुई बिंदुवार चर्चा

छतरपुर।

करोड़ों लोगों की आस्था के केंद्र बागेश्वर धाम में गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर सप्तम कन्या विवाह महा महोत्सव का आयोजन होने जा रहा है। 10 दिवसीय इस महोत्सव का शंखनाद शुक्रवार से हो रहा है। गुरुवार को प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों के साथ बागेश्वर धाम जन सेवा समिति के सदस्यों व पदाधिकारी की समन्वय बैठक हुई बैठक में आयोजन से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर विधिवत चर्चा हुई। लाखों लोगों के धाम में आने से लेकर उनके सुरक्षित यहां से निकलने, भोजन, यातायात, सुरक्षा जैसे बिंदुओं पर जानकारी का आदान-प्रदान किया गया। समिति के सदस्यों ने प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों को आयोजन स्थल का निरीक्षण कराया। आयोजन प्रभारी धीरेंद्र गौर ने बताया कि एडीएम मिलिंद नागदेवे और एएसपी आदित्य पटले के साथ अन्य अधिकारियों की मौजूदगी में आयोजन को लेकर बैठक हुई। बैठक के माध्यम से सभी पहलुओं पर चर्चा की गई। बागेश्वर धाम आने वाले लोग सभी कार्यक्रमों में अपनी सहभागिता देने के साथ पुण्य लाभ अर्जित कर सकुशल वापस घर निकल सकें यह सबसे महत्वपूर्ण है। समिति की ओर से आयोजन को गरिमापूर्ण बनाने के पूरे प्रबंध किए गए हैं। एडीएम श्री नागदेवे ने कहा कि सभी अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वह चौकन्ने रहकर व्यवस्थाएं संभालें, हर परिस्थिति से निपटने के लिए सतर्क रहे। आने वाले लोगों को कोई परेशानी न हो इसका विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए।

यातायात और सुरक्षा पर रहेगी पुलिस की नजर

एसपी आदित्य पटले ने बताया कि बागेश्वर धाम में 300 बेटियों के कन्या विवाह के अवसर पर फायर ब्रिगेड, एंबुलेंस, पार्किंग आने-जाने के मार्ग, सुरक्षा आदि बिंदुओं पर समिति के साथ बैठक कर चर्चा की गई है। जाम की स्थिति न हो इसलिए ट्रैफिक का प्लान निर्धारित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जिले का पर्याप्त पुलिस बल व्यवस्था में लगाया जा रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि आवश्यकता अनुसार बाहर से पुलिस बल बुलाया जाएगा।

गुजरात के भुज से दस्तयाब हुआ शहडोल का लाल

दो साल से लापता युवक को कच्छ के आश्रम से लाई पुलिस

शहडोल। अपनों से बिछड़े हुए मासूमों और युवाओं को मिलाने की मुहिम में शहडोल पुलिस ने एक बार फिर मिसाल पेश की है। गोहपारू थाना पुलिस ने दो साल से लापता एक युवक को गुजरात के भुज (कच्छ) से सुरक्षित ढूंढ निकाला है। यह कामयाबी न केवल पुलिस की मुस्तैदी को दर्शाती है, बल्कि उन परिवारों के लिए उम्मीद की किरण है जिनके अपने सालों से लापता हैं। जानकारी के अनुसार, ग्राम खांड निवासी 20 वर्षीय हीराचंद्र बैगा पिता राममिलन बैगा, फरवरी 2024 में अचानक घर से लापता हो गया था। गोहपारू पुलिस ने गुम इंसान कायम कर उसकी तलाश शुरू की। मुखबिर की सटीक सूचना पर पुलिस टीम परिजनों के साथ तत्काल गुजरात रवाना हुई। पुलिस टीम जब भुज स्थित श्री रामदेव सेवा आश्रम पहुंची, तो वहां हीराचंद्र सुरक्षित मिला। उसने बताया कि वह काम की तलाश में भटकते हुए गुजरात पहुंच गया था, जहां एक महिला की मदद से उसे आश्रम में पनाह मिली। 1 फरवरी 2026 को पुलिस ने तमाम कानूनी औपचारिकताएं पूरी कर युवक को उसके बिलखते परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

धान के न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि से किसानों को मिली बड़ी राहत: मुख्यमंत्री

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि अन्नदाताओं को समर्थ बनाना हमारी प्राथमिकता है। राज्य सरकार किसानों के हितों की रक्षा एवं उनकी आय बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का संकल्प है कि किसानों को बगैर बाधा के उनकी उपज का पूरा मूल्य, समय पर मिले।

डॉ. यादव ने कहा कि खरीफ सीजन 2025-26 में 51.74 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान का उपार्जन हुआ। उपार्जन के आंकड़े नीतियों की सफलता दर्शाते हैं।

51.74 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान उपार्जित, किसानों से उपार्जित धान का समय पर भुगतान भी हुआ सुनिश्चित

प्रदेश में 8 लाख 59 हजार 822 धान उत्पादक किसानों का पंजीयन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि खरीफ सत्र में प्रदेश में 8 लाख 59 हजार 822 धान उत्पादक किसानों का पंजीयन किया गया था। इनमें से 7 लाख 89 हजार 757 किसानों (करीब 92 प्रतिशत) ने स्लॉट बुक कर धान उपार्जन प्रक्रिया में भाग लिया। इन किसानों में से 7 लाख 62 हजार 620 किसान (89 प्रतिशत) धान विक्रेता के रूप में उपार्जन केंद्रों पर पहुंचे। इस वर्ष धान उपार्जन के लिए प्रदेश में 1,436 उपार्जन केंद्र स्थापित किए गए। इन केंद्रों के जरिए इस सीजन में 51 लाख 74 हजार 792 मीट्रिक टन धान का उपार्जन किया गया। उपार्जित धान में से 48 लाख 38 हजार 637 मीट्रिक टन से अधिक धान का परिवहन भी पूरा कर लिया गया है। परिवहन किए गए धान में से 46 लाख 30 हजार 21 मीट्रिक टन धान गुणवत्ता परीक्षण के उपरांत स्वीकार कर लिया गया है।

तकनीक आधारित भुगतान प्रणाली लागू

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों को शीघ्र भुगतान सुनिश्चित करने के लिए तकनीक आधारित भुगतान प्रणाली लागू की गई है। न्यूनतम समर्थन मूल्य की राशि सीधे किसानों के बैंक खातों में अंतरित की जा रही है। उन्होंने बताया कि खरीफ सीजन में धान उपार्जन की प्रक्रिया को पारदर्शी, सुचारु और किसान-हितैषी बनाया गया है। इसके बेहद सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि खरीफ सीजन में धान (कॉमन) का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2,369 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया था, जो पिछले सत्र के एमएसपी से 69 रुपए अधिक है। न्यूनतम समर्थन मूल्य में की गई यह वृद्धि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य प्रदान करने की दिशा में राज्य सरकार का ठोस प्रयास है। पिछले खरीफ सीजन में धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2300 रुपए प्रति क्विंटल था। गत सत्र में तय न्यूनतम समर्थन मूल्य पर 6 लाख 69 हजार 272 धान उत्पादक किसानों से कुल 43 लाख 52 हजार 905 मीट्रिक टन धान उपार्जित किया गया।

किसानों को 11 हजार करोड़ रु. हुए ट्रांसफर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस सीजन में उपार्जित धान के आधार पर न्यूनतम समर्थन मूल्य कुल 12 हजार 259 करोड़ रुपए आंकलित किया गया। इस आंकलित मूल्य में से करीब 11 हजार करोड़ रुपए किसानों के बैंक खातों में सीधे अंतरित किए जा चुके हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उपार्जन मूल्य से किसानों को आर्थिक संबल मिला है और वे अगली फसल से जुड़े कार्यों की तैयारी भी बड़े आत्मविश्वास के साथ कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा धान उपार्जन की संपूर्ण प्रक्रिया की निरंतर निगरानी की गई, ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो और उन्हें शासन की योजनाओं का पूरा लाभ भी समय पर प्राप्त हो सके।

खबर संक्षेप

कैंसर सुरक्षा का प्रभावी कवच जागरूकता

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विश्व कैंसर दिवस पर कहा है कि कैंसर से सुरक्षा का सबसे प्रभावी कवच जागरूकता, समय पर जांच और उपचार है। संतुलित आहार और नियमित व्यायाम स्वस्थ जीवन का आधार है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों से स्वस्थ जीवन शैली अपनाने और इस गंभीर बीमारी तथा उससे बचाव के उपायों के बारे में लोगों में जागरूकता फैलाने का आह्वान किया है।

अफसर व कर्मचारी न छोड़ें जिला मुख्यालय

भोपाल। मध्यप्रदेश में विधानसभा का बजट सत्र प्रारंभ होने वाला है। विधानसभा सचिवालय द्वारा सत्र के संबंध में आदेश जारी कर दिया गया है। प्रदेश विधानसभा का सत्र 16 फरवरी से प्रारंभ होगा। बजट सत्र 6 मार्च तक चलेगा। इस दौरान विधानसभा में प्रदेश का बजट प्रस्तुत किया जाएगा। इसको देखते हुए एमपी में अधिकारियों-कर्मचारियों को हर हाल में मुख्यालय पर ही रहने के लिए सरकार सख्ती दिखा रही है। बिना मंजूरी के मुख्यालय छोड़ने पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश हैं। प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र को देखते हुए इस संबंध में एक और आदेश जारी किया गया है। इसमें खासतौर पर अधिकारियों के किसी भी हाल में मुख्यालय छोड़ने पर कड़ी पाबंदी लगाई गई है। प्रदेश भर के कलेक्टर ने अपने जिलों में इस संबंध में सख्त निर्देश जारी किए हैं। अपरिहार्य कारणों से मुख्यालय छोड़ने के लिए अधिकारियों को अपर कलेक्टर की अनुमति अनिवार्य किया गया है। लेना अनिवार्य कर दिया गया है। इसके उल्लंघन पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

राजधानी आए भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष ने ली संगठनात्मक बैठक

केंद्रीय बजट और वीबी जी रामजी योजना का मंडल, विधानसभा स्तर तक हो प्रचार-प्रसार

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मध्यप्रदेश भाजपा संगठन में हाल ही में बड़े बदलाव के बाद संगठन के केंद्रीय नेतृत्व का फोकस प्रदेश में बढ़ गया है। इसी बीच बुधवार को भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष भोपाल प्रवास पर आए हैं। भोपाल पहुंचे राष्ट्रीय संगठन

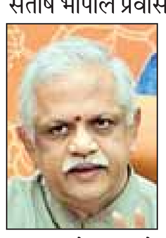

महामंत्री की अगवानी भाजपा प्रदेश प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह ने की। इसके बाद प्रदेश कार्यालय में राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष की मौजूदगी में संगठनात्मक बैठक हुई।

बताया जा रहा है कि दिल्ली से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल भी ऑनलाइन बैठक में शामिल हुए। बीएल संतोष ने इस दौरान कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों के साथ केंद्रीय बजट के प्रचार-प्रसार और वीबी जी रामजी योजना के प्रचार-प्रसार को लेकर चर्चा की। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि मंडल और विधानसभा स्तर पर जाकर इसका प्रचार-प्रसार किया जाए। कांग्रेस द्वारा फैलाए जा रहे भ्रम को दूर करने का काम किया जाए। इस दौरान पार्टी के प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह के साथ ही प्रदेश पदाधिकारी राहुल कोठारी प्रदेश महामंत्री, सुरेन्द्र शर्मा प्रदेश उपाध्यक्ष, श्याम महाजन प्रदेश कार्यालय मंत्री सहित अन्य मौजूद रहे।

1. दिल्ली से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन प्रदेशाध्यक्ष हेमंत ऑनलाइन बैठक में शामिल हुए
2. कांग्रेस के फैलाए जा रहे भ्रम को दूर करने के दिए निर्देश

बीएल संतोष ने हितानंद शर्मा की माताजी के स्वास्थ्य की जानकारी ली

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष ने बुधवार को भोपाल के निजी अस्पताल पहुंचकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मध्य क्षेत्र सह बौद्धिक शिक्षण प्रमुख हितानंद शर्मा की माताजी के स्वास्थ्य की जानकारी ली तथा उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की।

केंद्रीय बजट पर बनी रंगोली की तारीफ की

बैठक के पहले राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष ने प्रदेश भाजपा कार्यालय में केन्द्रीय बजट को लेकर भाजपा महिला मोर्चा द्वारा बनाई रंगोली की सराहना की। इस अवसर पर प्रदेश प्रभारी महेंद्र सिंह, महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष अश्वनी, प्रदेश महामंत्री राहुल कोठारी, प्रदेश उपाध्यक्ष रणवीर रावत एवं प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेंद्र शर्मा एवं नंदिता पाठक उपस्थित रही।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केंद्रीय रेल मंत्री वैष्णव से की सौजन्य भेंट

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नई दिल्ली में केंद्रीय रेल एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव से संसद भवन में बुधवार को सौजन्य मुलाकात की। उन्होंने मध्यप्रदेश में रेल से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में संचालित एवं प्रगतिरत रेलवे परियोजनाओं के लिए केंद्र सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इन परियोजनाओं से मध्यप्रदेश के विकास, कनेक्टिविटी और आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन ने नई दिल्ली में केंद्रीय वस्त्र मंत्री सिंह से की मुलाकात

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को नई दिल्ली में केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह से उद्योग भवन में मुलाकात की। भेंट में विभाग से जुड़े केंद्र में लंबित मुद्दों पर चर्चा की और शीघ्र निर्णय लेने का आग्रह किया। इस अवसर पर सचिव केंद्रीय वस्त्र मंत्रालय नीलम शमी राव सहित मंत्रालय और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

पुलिस विभाग के समक्ष किया आत्मसमर्पण

साउथ सब जोनल ब्यूरो के 12 नक्सलियों ने किया सरेंडर

हरिभूमि न्यूज ⏭ बीजापुर

जिले में कुल 46 लाख रुपये के इनामी 12 नक्सलियों ने गुरुवार को पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। यह जानकारी एक वरिष्ठ अधिकारी ने दी। पुलिस अधीक्षक जितेंद्र कुमार यादव ने बताया कि इनमें आठ महिलाएं भी शामिल हैं। ये सभी माओवादी संगठन के साउथ सब जोनल ब्यूरो से जुड़े थे। इन्होंने बस्तर पुलिस की पूना मर्जेम (पुनर्वास से सामाजिक पुनर्स्थापन) पहल के तहत वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के सामने सरेंडर किया। अधिकारी ने बताया कि राज्य सरकार की आत्मसमर्पण और पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर इन्होंने मुख्यधारा में लौटने का फैसला लिया। इनमें सोमडू मड़काम (42) डिविजनल कमेटी मेंबर और कटेकल्याण एरिया कमेटी प्रभारी, हुंगी कुंजाम (19) और पायकी कुंजाम (22) शामिल हैं, जो अलग अलग यूनिट के पार्टी मेंबर थे। इन तीनों पर आठ-आठ लाख रुपये का इनाम घोषित था। इसके अलावा तीन अन्य नक्सलियों पर पांच-पांच लाख रुपये, एक पर दो लाख रुपये और पांच पर एक-एक लाख रुपये का इनाम घोषित था। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों ने एक एके 47 रायफल, दो सेल्फ लोडिंग रायफल (एसएलआर), 250 जिलेटिन स्टिक, 400 डेटोनेटर, बारूद से भरा एक प्लास्टिक ड्रम और कॉर्डेक्स वायर का एक बंडल भी पुलिस को सौंपा। अधिकारी ने बताया कि सभी आत्मसमर्पित नक्सलियों को तत्काल 5- 50 हजार रुपये की सहायता दी जाएगी और सरकार की नीति के तहत उनका पुनर्वास किया जाएगा।

माओवादी संगठन तेजी से बढ़ रहा अंत की ओर

कोरबा के मानिकपुर चौक क्षेत्र का मामला

170 फिट गहरी खदान में गिरने से मजदूर की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

जिले के मानिकपुर चौकी क्षेत्र अंतर्गत एसईसीएल की खदान में 170 फीट गहरी खाई में गिरने से एक मजदूर की मौत हो गई। सूचना मिलते ही मानिकपुर चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक, मानिकपुर खदान से लगे कुदारी गांव निवासी 42 वर्षीय भगत कुमार मरावी बुधवार दोपहर कोयला चोरी करने खदान गया था। इसी दौरान कोयला निकालते समय वह लगभग 170 फीट नीचे सिर के बल गिर गया, जिससे उसकी घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। काफी देर तक घर नहीं लौटने पर परिजन और ग्रामीण उसकी तलाश में जुट गए। गुरुवार सुबह जब ग्रामीण उसे खोजते हुए खदान पहुंचे, तब उसका शव पड़ा मिला।

ब्लाडर को खोलते वक्त प्रेशर से दो नट अपने आप खुले मची अफरा- तफरी

रायगढ़ में टायर गलाने के दौरान जबरदस्त विस्फोट, एक मासूम सहित आठ घायल

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

जिले में गुरुवार सुबह मंगल कॉर्बन प्लांट में टायर गलाने के दौरान ब्लास्ट हो गया। इस घटना में एक मासूम सहित आठ मजदूर घायल हो गए, जिन्हें जिला अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। मामला खरसिया थाना क्षेत्र का है। खरसिया विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम बानीपाथर गांव में स्थित मंगल कार्बन प्लांट में टायर गलाने के दौरान अचानक ब्लास्ट हो गया। इस दौरान वहां काम कर रहे डेढ़ साल की मासूम भूमि खडिया, इंद्रजीत, प्रिया सारथी, साहेबराम खडिया, कौशल कुमार, शिव खडिया, उदासीन खडिया, इंद्रवद सहित कई अन्य मजदूर झुलस गए। मंगल कार्बन प्लांट में काम कर रहे मजदूरों द्वारा टायर गलाने वाले ब्लाडर को खोलते वक्त प्रेशर से दो नट अपने आप खुलते ही ब्लास्ट हो गया।

पारदर्शिता बढ़ाने के लिए भारतीय जनता पार्टी ने नए नियम किए लागू

भाजपा में आजीवन सहयोग निधि में सख्ती: 20 हजार रुपए से अधिक पर पैन कार्ड अनिवार्य, 5 हजार रुपए से अधिक नकद भी स्वीकार नहीं होंगे

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

भारतीय जनता पार्टी ने आजीवन सहयोग निधि अभियान में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए नए नियम लागू कर दिए हैं। अब 20 हजार रुपये से अधिक की सहयोग राशि देने वाले दानदाताओं से पैन कार्ड लेना अनिवार्य होगा, जबकि 5 हजार रुपए से अधिक की राशि नकद स्वीकार नहीं की जाएगी। पांच हजार से ऊपर की राशि केवल चेक या बैंकिंग माध्यमों से ही ली जाएगी। प्रदेश भाजपा का यह आजीवन सहयोग निधि अभियान 11 फरवरी से शुरू होकर करीब दो महीने तक चलेगा। अभियान को पूरी तरह टारगेट आधारित बनाया गया है। प्रदेश के प्रत्येक जिले को अलग-अलग राशि जुटाने का लक्ष्य दिया जाएगा, जिसे जिले के संगठनात्मक ढांचे, गतिविधियों और सालाना खर्च के अनुमान के आधार पर तय किया जाएगा। जिन जिलों में संगठन बड़ा और गतिविधियां अधिक हैं, वहां लक्ष्य भी उसी अनुपात में ज्यादा रखा जाएगा। अभियान के संचालन के लिए जिलों में जिला प्रभारी और जिला सह-प्रभारियों की नियुक्ति की जा रही है। राज्य स्तर पर भी प्रभारी और सह-प्रभारी बनाए गए हैं। प्रदेश प्रभारी की जिम्मेदारी पूर्व विधायक गोपी कृष्ण नेमा को सौंपी गई है, जबकि पूर्व सांसद आलोक संजर और सतना के महापौर योगेश ताम्रकार को सह-प्रभारी बनाया गया है।

- पांच हजार से अधक राशि चेक या बैंक माध्यम से ही ली जाएगी

दान करने वाले को रसीद देना होगा अनिवार्य, लेखा-जोखा का रिकॉर्ड रखेंगे

हर दानदाता को रसीद देना अनिवार्य होगा और प्राप्त राशि का पूरा लेखा-जोखा पार्टी के रिकॉर्ड में दर्ज किया जाएगा। नियमों के अनुसार, पांच हजार रुपए तक की राशि नकद या कूपन के माध्यम से ली जा सकेगी। पांच हजार रुपए से अधिक की राशि चेक द्वारा ही स्वीकार की जाएगी, जबकि बीस हजार रुपए से ऊपर सहयोग देने वालों का पैन कार्ड लेना अनिवार्य होगा। पार्टी ने स्पष्ट किया है कि पूरे अभियान में पूर्ण पारदर्शिता रखी जाएगी, ताकि भविष्य में किसी भी तरह के सवाल या आपत्ति की गुंजाइश न रहे।

सहयोग राशि एकत्र करने जिलों में प्रभारी, सह-प्रभारी और सदस्यों की टीम बनाई

भाजपा संगठन ने स्पष्ट किया है कि आजीवन सहयोग निधि के माध्यम से जुटाई गई राशि का उपयोग जिला कार्यालयों के संचालन, संगठन विस्तार, प्रशिक्षण शिविरों, बैठकों, नियमित प्रशासनिक खर्चों और कार्यकर्ताओं के प्रवास आदि पर किया जाएगा। अभियान के दौरान सहयोग राशि एकत्र करने के लिए जिलों में प्रभारी, सह-प्रभारी और सदस्यों की टीम बनाई गई है. ये टीमें दानदाताओं से संपर्क कर सहयोग निधि प्राप्त करेंगी।

रोचक खबरें

बुजुर्ग ने जहरीले कोबरा को मुंह में दबाकर किया स्टंट

बालासोर। ओडिशा के बालासोर से एक हैरान कर देने वाला वीडियो सामने आया है। इसे देखने के बाद लोगों के होश उड़ गए हैं। यहां पर एक शख्स ने जहरीले कोबरा सांप को सीधे मुंह से पकड़ लिया है। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि शख्स के पास न तो सांप पकड़ने वाला कोई औजार था और न ही उसके चेहरे पर कोई डर। मुंह से सांप को पकड़ने वाला वीडियो रोंगटे खड़े करने वाला है। सोशल मीडिया के अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर वीडियो को शेयर किया जा रहा है। इसमें देखा जा सकता है कि शख्स सांप के सामने बैठता है और उसे मुंह से पकड़ने की कोशिश करता है। इस दौरान सांप उसपर कई बार हमला भी करता है। इसके बाद भी शख्स डरता नहीं है और सांप को अपने मुंह पकड़ लेता है। इसके बाद वो उसे मुंह में दबाकर वहां खड़े लोगों के सामने दिखाता है।इस दौरान उसके पास एक शख्स आता है और उससे कोबरा सांप को लेने की कोशिश करता है। हालांकि, वो उसे देने से मना कर देता है और कुछ कहता है। इसके बाद वो फिर सांप के साथ स्टंट करता है। इसके बाद उसके साथ मौजदू दूसरा व्यक्ति कपड़े का बैग लेकर आता है। फिर इस सांप को इसके अंदर डालकर वो ले जाते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ओडिशा के बालासोर जिले के रेमुना इलाके का यह मामला है। बताया जा रहा है कि सांप को मुंह से पकड़ने वाले शख्स का नाम खागा है। खागा कि इस हरकत ने वहां मौजूद लोगों को हैरान दिया है। लोग इस दौरान हंसते हुई भी दिखाई दिए। सोशल मीडिया पर ऐसे कई वीडियो देखने को मिलते हैं जिनमें सपेरों सांपों के फन को छूते या फिर उसके सिर को चूमते है।

हिप्पो ने पलट दी बाजी, मगरमच्छ को सिखाया सबक

मगरमच्छ दुनिया के सबसे खतरनाक और आक्रामक जल-स्थलीय शिकारियों में से एक है। यह पानी के साथ-साथ जमीन पर भी खतरनाक होते हैं, लेकिन पानी के अंदर जाकर ये जानवर ज्यादा खतरनाक हो जाता है। मगरमच्छ चुपके से अपने शिकार के पास पहुंच कर बिजली की गति से झपट्टा मार अपने मजबूत जबड़ों और नुकीले दांतों से शिकार को मजबूती से पकड़ लेता है। ऐसे में किसी भी जानवर का उनके चंगुल में फंस कर बचना मुश्किल है।

सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया है, जिसने लोगों को हैरान करने के साथ खुश भी कर दिया है। वीडियो में मगरमच्छों का एक झुंड मिलकर एक वाइल्डबीस्ट का शिकार करने की कोशिश करता नजर आता है, लेकिन फिर कुछ ऐसा होता है कि मगरमच्छों को अपना शिकार छोड़ भागना पड़ जाता है। वायरल वीडियो में आप देख सकते हैं कि एक खूंखार मगरमच्छ ने एक वाइल्डबीस्ट का सिर अपने जबड़े में पकड़ा हुआ है। इसी बीच एक दूसरा मगरमच्छ भी वहां पहुंच जाता है और उसका पैर पकड़ लेता है। इसके बाद दोनों मगरमच्छ मिलकर उस वाइल्डबीस्ट को पानी के अंदर लेकर चले जाते हैं, लेकिन तभी वाइल्डबीस्ट को मुसीबत में देख पानी में मौजूद हिप्पो का झुंड उसे बचाने की कोशिश करता है। अब एक साथ इतने सारे हिप्पो को देखकर मगरमच्छों की हालत खराब हो जाती है और वो भाग निकलते हैं। इस तरह हिप्पो के झुंड ने वाइल्डबीस्ट की जान बचा ली और उसे नदी से बाहर भगाया।

521 भाषाओं में बेटे को कहा 'आईलवयू'

पिता का बेमिसाल प्यार: बना विश्व रिकॉर्ड

पेरिस। प्यार की कोई भाषा नहीं होती, यह बात अक्सर कही जाती है, लेकिन डेनमार्क के एक पिता ने इसे सच कर दिखाया है। एक संगीतकार पिता ने अपने नन्हे बेटे के लिए ऐसा तोहफा तैयार किया, जो न सिर्फ दिल को छूता है बल्कि इतिहास भी रचता है। 41 वर्षीय फिलिप हॉलौन ने अपने बेटे के पहले जन्मदिन पर एक ऐसा गीत बनाया, जिसमें उन्होंने 521 अलग-अलग भाषाओं में 'आई लव यू' कहा। अपनी गहरी भावनाओं को जाहिर करने का यह अनोखा प्रयास अब विश्व रिकॉर्ड बन चुका है और दुनियाभर में माता-पिता के प्रेम की नई मिसाल पेश कर रहा है।

फिलिप हॉलौन पेशे से एक संगीतकार और रचनात्मक उद्यमी हैं। गायकों के लिए आवाज उनकी सबसे बड़ी पूंजी होती है और हॉलौन ने इसी आवाज को अपने बेटे विलियम के लिए प्रेम का माध्यम बनाया।

521 भाषाओं के पीछे छिपा खास अर्थ

हॉलौन ने 521 भाषाओं का चुनाव यूं ही नहीं किया। दरअसल, उनके बेटे विलियम का जन्म 21 मई को हुआ था। पहले उन्होंने 500 भाषाओं में गीत बनाने की योजना बनाई थी, लेकिन बेटे की जन्मतिथि को यादगार बनाने के लिए उसमें 21 और भाषाएं जोड़ दीं। इस तरह यह संख्या सिर्फ एक रिकॉर्ड नहीं, बल्कि पिता और बेटे के रिश्ते से जुड़ी एक भावनात्मक कहानी भी बन गई।

विश्व रिकॉर्ड में दर्ज हुआ नाम

इस गीत के साथ फिलिप हॉलौन ने 'सबसे ज्यादा भाषाओं में गाया गया गीत' का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। यह रिकॉर्ड इसलिए भी खास है क्योंकि इसमें तकनीक के साथ-साथ इंसानी मेहनत, संवेदना और समर्पण की झलक साफ दिखाई देती है। हर भाषा में सही उच्चारण के साथ सुर में गाना आसान काम नहीं था, फिर भी

पिता का संदेश बना हर भाषा में प्यार

हॉलौन के मुताबिक, इस गीत का संदेश बेहद सरल है। वे कहते हैं, 'इस गाने के बोल दुनिया की हर भाषा में 'आई लव यू' ही हैं। मेरा मतलब बस इतना है कि मैं अपने बेटे विलियम से हर भाषा में, हर हाल में प्यार करता रहूंगा।' यह संदेश सिर्फ उनके बेटे तक सीमित नहीं है, बल्कि हर उस इंसान के लिए है, जो प्यार महसूस करना चाहता है।

कई भाषाओं पर अच्छी पकड़ : फिलिप हॉलौन खुद डेनिश भाषा के अलावा अंग्रेजी, अरबी, हिब्रू, फ्रेंच और चीनी जैसी कई भाषाएं बोलने में माहिर हैं। बाकी सैकड़ों भाषाओं के लिए उन्होंने इंटरनेट, भाषाई टूल्स और विशेषज्ञ संसाधनों की मदद ली। उनका कहना है कि सबसे चुनौतीपूर्ण काम था, हर भाषा के शब्दों का सही उच्चारण सीखना और फिर उन्हें संगीत के सुरों में ढालना।

20 साल का अनुभव भी पड़ा काम : हॉलौन पिछले 20 वर्षों से अलग-अलग भाषाओं में संगीत रचना करते आ रहे हैं। इसके बावजूद 521 भाषाओं वाला यह गीत उनके करियर की सबसे कठिन परियोजनाओं में से एक रहा। उन्होंने बताया कि गीत की धुन उन्होंने विलियम के जन्म से पहले ही बना ली थी और अक्सर उसे यह धुन सुनाया करते थे। यही धुन आगे चलकर इस विश्व रिकॉर्ड गीत की आत्मा बन गई।

सिर्फ बेटे के लिए नहीं, पूरी दुनिया के लिए

हालांकि यह गीत खास तौर पर विलियम को समर्पित है, लेकिन हॉलौन मानते हैं कि इसका असर कहीं ज्यादा व्यापक है। उनका कहना है कि वे चाहते हैं यह गीत एक प्रेरक मंत्र की तरह काम करे। ऐसा गीत, जो लोगों के दिलों में प्यार जगाए, खासकर उन लोगों के लिए जिन्हें इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है।

परिवार में आने वाली है नई खुशी

इस भावुक कहानी में खुशखबरी का सिलसिला यहीं नहीं रुकता। फिलिप हॉलौन की पत्नी डीना जल्द ही दूसरे बच्चे को जन्म देने वाली हैं। ऐसे में यह गीत सिर्फ पहले बच्चे के लिए बनाया गया तोहफा नहीं, बल्कि उनके बढ़ते परिवार के प्यार का प्रतीक भी बन गया है। 521 भाषाओं में गाया गया यह गीत सिर्फ एक विश्व रिकॉर्ड नहीं है, बल्कि पिता और बेटे के बीच के रिश्ते की गहराई का खूबसूरत उदाहरण है।

ग्रीन या ब्राउन ही क्यों होती है बियर की बोतल?

भारत में बियर पीने का ट्रेंड तेजी से बढ़ रहा है। साथ ही बियर की वैरायटी भी लगातार बढ़ रही है। हमारे देश भारत में तकरीबन 100 से ज्यादा तरह की बियर बनाई जाती है, लेकिन आपने अक्सर देखा होगा कि बियर की बोतलें अलग-अलग रंगों में नहीं आती, बल्कि यह बोतलें ज्यादातर ग्रीन या ब्राउन कलर की होती हैं। क्या आपने कभी सोचा है कि बियर की बोतलें ज्यादातर ग्रीन या ब्राउन कलर में ही क्यों आती हैं? आपको यह जानकर हैरानी होगी कि ये रंग सूरज की रोशनी से लड़ने का काम रहते हैं। जिससे बियर का टेस्ट और ताजगी बना रहता है।

19वीं सदी से शुरू हुआ सफर : क्या आप जानते हैं 19वीं सदी से बियर को कांच की बोतलों में भरा जा रहा है? क्योंकि क्योंकि कांच को बियर को ताजा रखने के लिए एक बेहतरीन सामग्री माना है। हालांकि, ब्रुअर्स ने जल्द ही महसूस किया कि प्लेन कांच की बोतलें बियर को स्टोर करने के लिए परफेक्ट नहीं है। प्लेन बोतलों में रखी बियर, जब रोशनी के संपर्क में आती है, तो उसका स्वाद बिगड़ने लगता है।

तो इसलिए बियर की बोतलें होती हैं ब्राउन या भूरी...

ब्राउन या भूरी बोतलें हानिकारक यूवी किरणों को बियर में प्रवेश करने से रोकती है। इसके अलावा बोतल के माध्यम से किसी भी रोशनी को गुजरने से रोककर, ये बीयर में मौजूद संवेदनशील यौगिकों को रासायनिक प्रतिक्रियाओं से बचाती हैं। अगर ऐसा हुआ तो फिर बियर का टेस्ट बिगड़ने लगेगा। जबकि ब्राउन बोतलें बियर के स्वाद की शुद्धता सुनिश्चित करती हैं।

इंसानों की आंतों में होता है दूसरा दिमाग यहीं से आता है आपका अंतर्ज्ञान

क्या आप जानते हैं जब आप टेंशन में होते हैं, डरे हुए, एक्साइटिड, खुश या फिर घबराए हुए होते हो तो इसे सबसे पहले आप अपनी आंत में महसूस करते हैं। जी हां... आपने बिल्कुल सही पढ़ा. आपकी आंत वो जगह है जहां भावनाएं और यादें बनाई और जमा की जाती हैं। इन वजहों से आंत शरीर का दूसरा 'दिमाग' कहलाता है।

इन कारणों से आंत है 'दूसरा दिमाग'

जानकार बताते हैं कि इंसानों के लिए स्वस्थ, सुचारू रूप से काम करने वाली आंत का होना बेहद अहम है। आंत का स्वास्थ्य सीधे आपके शरीर में विभिन्न अन्य प्रक्रियाओं से जुड़ा होता है। 90 फीसदी बीमारियों के लिए एक अनहेल्दी आंत / कोलन जिम्मेदार है, जिसमें क्लिनिकल डिप्रेशन और कैंसर भी शामिल है। मस्तिष्क में न्यूरॉन्स की तुलना में अधिक न्यूरॉन्स आंत की दीवार को लाइनिंग करते हैं।

कई बातें हैं समान

क्या आप जानते हैं की मनुष्य की आंतों को 'दूसरा दिमाग' कहा जाता है। जी हां, आपको जानकर हैरानी होगी मगर हम सबके दिमाग और आंतों में कई ऐसी बाते हैं, जो समान हैं और दोनों एक दूसरे से बहुत ज्यादा प्रभावित होते हैं। दरअसल हमारे दिमाग की ही तरह हमारे आंतों में भी ढेर सारी तंत्रिका कोशिकाएं (नर्व सेल्स) होती हैं। इनकी जटिलता और काम के आधार पर ही वैज्ञानिक आंतों को 'दूसरा दिमाग' कहते हैं।

इसलिए आंत को दूसरा दिमाग कहा जाता है। साथ ही आपको जानकर हैरानी होगी कि आपका अंतर्ज्ञान आंत से आता है।

यह सवालों को सुलझा नहीं सकता, लेकिन...

तमाम रिसर्च बताते हैं कि हमारे पेट को नियंत्रित करने वाले एंटरिक तंत्रिका तंत्र को अक्सर शरीर का 'दूसरा मस्तिष्क' कहा जाता है। हालांकि, यह सवालों को सुलझा नहीं सकता, लेकिन यह व्यापक नेटवर्क मस्तिष्क के समान ही रसायनों और कोशिकाओं का उपयोग करके हमें पाचन में मदद करता है। साथ ही जब कुछ गड़बड़ होती है तो मस्तिष्क को सचेत करता है।

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाईड में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

राशिफल

मेष — किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। कारोबार के विस्तार में किसी मित्र का सहयोग मिल सकता है। स्वास्थ्य को लेकर परेशानी बनी रहेगी।

वृष — मन में उतार-चढ़ाव रहेगा। नौकरी के परीक्षा एवं साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। आय में वृद्धि मिलेगी। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

मिथुन — पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। परिश्रम अधिक रहेगा। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। सुखद समाचार की प्राप्ति होगी।

कर्क — आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु अति उत्साही होने से बचें। बातचीत में सन्तुलित रहें। कारोबार पर ध्यान दें। कठिनाइयां आ सकती है। संतान को कष्ट

सिंह — व्यर्थ के क्रोध से बचें। सम्पत्ति में वृद्धि हो सकती है। माता का साथ मिलेगा। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। अज्ञात भय से परेशान रहेंगे।

कन्या — पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक एवं बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि हो सकती है। लाभ के अवसर मिलेंगे।

तुला — मन में आशा-निराशा के भाव हो सकते हैं। पिता का सानिध्य मिलेगा। कारोबार में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।

वृश्चिक — परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं। यात्रा सुखद रहेगी। खर्च अधिक रहेंगे। सेहत का का ध्यान रखें। क्रोध की अधिकता रहेगी।

धनु — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। किसी विशेष कार्य के लिए विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। व्यर्थ की चिंता रहेंगी।

मकर — क्रोध से बचें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। आय में वृद्धि होगी। किसी सम्पत्ति से भी धन मिल सकता है। मित्रों से भेंट हो सकती है।

कुंभ — रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। कारोबार में सुधार होगा। परिवार का साथ मिलेगा। परिवार की किसी महिला से धन की प्राप्ति होगी।

मीन — पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च अधिक रहेंगे। भाइयों से मनमुटाव की स्थिति रहेगी।

धरती से इंसानों को खत्म करने के लिए काफी हैं महज 100 परमाणु बम

नई दिल्ली। दुनिया की सबसे बड़ी शक्ति और सबसे बड़ी खतरे की वजह बन चुका है। आज हम एक ऐसे युग में जी रहे हैं जहां परमाणु हथियारों का खतरा हमेशा मंडराता रहता है। अक्सर यह सवाल उठता है कि क्या धरती पर मौजूद परमाणु हथियार पूरी दुनिया को पूरी तरह से खत्म करने में सक्षम हैं? और सवाल ये भी उठता है कि पूरी दुनिया को खत्म करने के लिए कितने परमाणु हथियारों की जरुरत होगी? चलिए इस सवाल का जवाब जानते हैं।

पहले से कहीं ज्यादा शक्तिशाली

परमाणु हथियार इतने शक्तिशाली होते हैं कि एक ही बम हिरोशिमा और नागासाकी जैसे शहरों को पूरी तरह से तबाह कर सकता है। आज के समय में परमाणु हथियार पहले से कहीं ज्यादा शक्तिशाली हो गए हैं। इन हथियारों से निकलने वाली विनाशकारी ऊर्जा इतनी ज्यादा होती है कि यह पूरे शहरों को ही नहीं बल्कि पूरे क्षेत्रों को भी तबाह कर सकती है। दुनिया के प्रमुख देशों जैसे संयुक्त राज्य अमेरिका, रूस, चीन, भारत, पाकिस्तान, और उत्तर कोरिया के पास हजारों परमाणु हथियार हैं। इन देशों ने न केवल अपनी सुरक्षा के लिए परमाणु बमों का भंडार बढ़ाया है, बल्कि युद्ध की संभावनाओं को लेकर भी इनका इस्तेमाल किया है।

हालांकि परमाणु अप्रसार संधि और अन्य अंतर्राष्ट्रीय समझौतों के बावजूद, परमाणु हथियारों की संख्या में कोई कमी नहीं आई है। वैज्ञानिकों के अनुसार, आज दुनिया के पास इतनी शक्ति है कि यदि ये हथियार इस्तेमाल किए जाते हैं, तो सिर्फ 100 परमाणु बम ही पूरी दुनिया में इंसानों को खत्म करने के लिए काफी होंगे। हालांकि, प्रमुख देशों के पास परमाणु हथियारों की संख्या 5,000 से अधिक है, जो धरती को पूरी तरह से समाप्त करने के लिए काफी है।

100 परमाणु बम एक साथ चलाए जाएं तो क्या होगा?

जब कोई परमाणु बम गिरता है, तो वह नाइट्रोजन और ऑक्सीजन के साथ मिलकर रेडियेशन, गर्म तापमान और धुएं का एक घना बादल बना देता है। इसके प्रभाव में आते ही हजारों लोग तत्काल मर सकते हैं। इसके बाद जो लोग बच जाते हैं, वो भी लंबे समय तक रेडियेशन के प्रभाव में रहते हैं, जो कैंसर, डीएनए म्यूटेशन और अन्य खतरनाक बीमारियों का कारण बन सकता है। जब 100 परमाणु बमों का इस्तेमाल किया जाता है, तो इसका प्रभाव केवल उस क्षेत्र तक ही सीमित नहीं रहता. वैज्ञानिकों के अनुसार, परमाणु विस्फोट से उत्पन्न होने वाली ग्लोबल कूलिंग और न्यूक्लियर सर्दी के कारण धरती का तापमान तेजी से गिर सकता है। इस स्थिति में सूर्य की रोशनी पृथ्वी तक नहीं पहुंच पाती और पूरी दुनिया में अकाल और खाद्य संकट उत्पन्न हो सकता है। अगर इतना बुरा दौर आता है, तो धरती पर जीवन की संभावनाएं बेहद कम हो सकती हैं।

शब्द पहेली - 6130

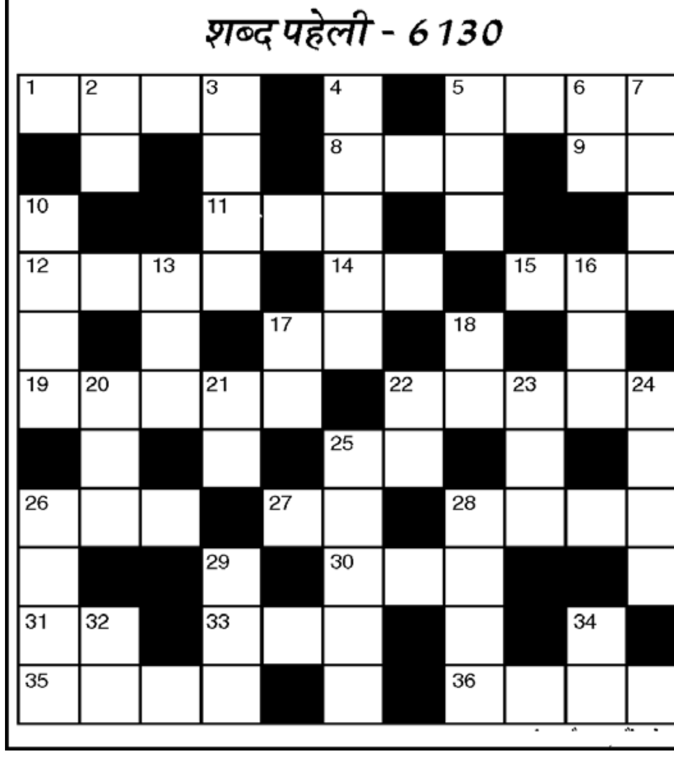

बाएँ से दाए
1. चिकित्सा, इलाज-4
5. पैतृक संपत्ति-4
8. बलवा, क्रांति-3
9. निम्न-2
11. सुअर, शूकर-3
12. चौबीसवें तीर्थंकर-4
14. केश-2
15. मुनाफा, अर्जित-3
17. मैदे की रोटी-2
19. मनोहर, आकर्षक-5
22. अनासक्ति, निर्विकारता-5
25. पानी, नीर-2
26. सूखा, दुष्काल-3
27. कांटा, कंटक-2
28. शांति, ध्वनिहीनता-4
30. तीक्ष्ण, तेजस्वी-3
31. लाख, गोंद-2
33. मधुक, महुआ-3
35. हृदयगति, स्पंदन-4
36. अनुक्रम, निरंतरता लयबद्ध-4

ऊपर से नीचे
2. पंख, पराया-2
3. राम का एक नाम-4
4. संरक्षक, देखरेख करने वाला, मुहाफिज-5
5. वियोग, जुदाई-3
6. गलत का विलोम-2
7. एकांतता, अकेलापन-4
10. मरियल, निर्बल-4
13. 'क्योंकि सास भी कभी बहु थी' में तुलसी इस परिवार की बहु है-3
16. मक्खन-3
17. रिश्ता-2
18. लाश-3
20. माला का मोती-3
21. यमराज-2
22. ललाट-2
23. ताप वर्धक-3
24. विदिर्ण-2.2
25. पानी का बहना-5
26. जुर्म, गुनाह-4
28. रसहीनता-4
29. प्रणाम, नमस्कार-3
32. लड़ी, श्रृंखला-2
34. दोस्त, सखा-2

शब्द पहेली- 6129 का हल

■	बि	ज	ली	घ	र	■	मा	न	सि	क
दि	ल	■	ड	■	ख	न	न	■	ना	रा
ल	■	धा	र	दा	र	■	क	ली	■	मा
दु	ला	रा	■	■	खा	स	■	ख	प	त
ख	■	धा	■	ना	ब	■	ग	■	र	■
ना	म	र	ख	ना	■	च	म	क	दा	र
■	यू	■	त	■	स	र	■	ट	■	वा
ह	र	म	■	शा	म	■	■	पी	स	ना
ड़	■	य	श	■	का	रा	वा	स	■	हो
ता	न	■	प	ग	ली	■	न	■	म	ना
ल	थ	प	थ	■	न	ग	र	ब	धु	■

सूडोकू नवताल - 6140

★★★★★ कठिनतम

			4				3	
		6		2		4		
		8			5			
	3						7	
7				4				9
	9						5	
			2			1		
		1		7		6		
	5				3			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू नवताल - 6139 का हल

7	8	5	4	2	9	6	3	1
3	6	4	1	5	7	8	9	2
9	2	1	6	3	8	7	4	5
6	5	3	2	8	4	9	1	7
1	7	2	3	9	6	4	5	8
4	9	8	7	1	5	2	6	3
2	4	7	5	6	1	3	8	9
5	3	9	8	4	2	1	7	6
8	1	6	9	7	3	5	2	4

MANGAL SENACHA BANGALORE

सेलिब्रेशन/ शिखर चंद जैन

ये अनोखे फेस्टिवल्स यहां बच्चे करते हैं फुल मस्ती-धमाल

फेस्टिवल कोई भी हो, उसे सबसे अधिक एंज्वॉय बच्चे ही करते हैं। हम तुम्हें दुनिया भर में मनाए जाने वाले कुछ ऐसे फेस्टिवल्स के बारे में बता रहे हैं, जो कई मामलों में बहुत अनोखे हैं, यहां तुम खूब जम कर मस्ती कर सकते हो।

जस्ट सो फेस्टिवल, चेशायर इंग्लैंड

यह फेस्टिवल किसी जादुई जंगल में आ जाने जैसा है। यहां बच्चे और उनके माता-पिता भालू, लोमड़ी और शेर के गेटअप में जंगलों में कैंपिंग करते हैं। इस उत्सव का मुख्य आकर्षण 'कहानियों का जंगल' यानी एक काल्पनिक दुनिया

है। यहां बच्चों और उनके माता- पिता को संगीत, कला और साहित्य के माध्यम से अलग-अलग किरदारों को जीने का मौका मिलता है। ट्राइबल टूर्नामेंट यहां की सबसे प्रसिद्ध परंपरा है। इसमें भाग लेने वाले लोग लोमड़ी, मेंढक, उल्लू या मछली जैसे विभिन्न 'कबीलों' में बंट जाते हैं। इस फेस्टिवल में पूरे वीकेंड तरह-तरह की प्रतियोगिताएं होती हैं। यहां रात के समय कहानी सुनना, जंगलों के बीच कलाकृतियां बनाना, लाइव म्यूजिक, डांस और थिएटर जैसी एक्टिविटीज शामिल हैं। यह फेस्टिवल इंग्लैंड के चेशायर में सुंदर उद्यानों और जंगलों में आयोजित किया जाता है, जो इसे एक परिकथा जैसा माहौल देता है। इस साल यह उत्सव 21 से 23 अगस्त तक आयोजित किया जाएगा। *

कैंप बेस्टिवल, डोरसेट यूके

बच्चों के लिए खास आकर्षण कैंप बेस्टिवल को विशेष रूप से 'फैमिली फ्रेंडली' फेस्टिवल माना जाता है। इस साल इसे 'सीसाइड' (समुद्र के पास) थीम के साथ मनाया जाएगा। इस बार के फेस्टिवल में बच्चों के चहेते मिस्टर टम्बल, ब्लिपी और मिस्टर मेकर लाइव शो करेंगे। साथ ही 'हॉरिबल हिस्ट्रीज' की टीम इतिहास को मजेदार अंदाज में पेश करेगी। यहां म्यूजिक के अलावा 100 से अधिक एक्टिविटीज होंगी, जिनमें सर्कस वर्कशॉप, साइंस शो, आर्ट्स एंड क्राफ्ट्स और एडवेंचर स्पोर्ट्स शामिल हैं। यहां आए लोग अपनी फैमिली के साथ टेंट या लग्जरी कैंप्स में ठहर सकते हैं। यह चार दिवसीय रंगारंग कार्यक्रम इस साल 30 जुलाई से 2 अगस्त 2026 तक यूके के डोरसेट में ऐतिहासिक लुलवर्थ कैसल मैदानों में आयोजित किया जाएगा। *

इंटरनेशनल चिल्ड्रेंस फेस्टिवल ऑफ द आर्ट्स, सेंट अल्बर्ट कनाडा

यह कनाडा के अल्बर्टा प्रांत के सेंट अल्बर्ट शहर में आयोजित होने वाला एक प्रतिष्ठित वार्षिक उत्सव है। इसका मुख्य उद्देश्य बच्चों को विश्व स्तरीय कला, संगीत, थिएटर और नृत्य से रूबरू कराना है। यह मेला केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका लक्ष्य बच्चों की कल्पनाशीलता को जगाना और उन्हें सांस्कृतिक

विविधता के प्रति जागरूक करना है। यह उत्सव बच्चों के लिए किसी जादुई दुनिया से कम नहीं होता। इसमें दुनिया भर से आए कलाकार एक्रोबेटिक्स, कठपुतली शो, थिएटर और मैजिक शो पेश करते हैं। यहां बच्चे भी केवल दर्शक नहीं होते, बल्कि वे खुद कलाकार बनते हैं। मिट्टी के बर्तन बनाना, पेंटिंग, ड्रम बजाना और नृत्य जैसी कई इंटरैक्टिव वर्कशॉप आयोजित की जाती हैं। यहां की स्टर्जन नदी के किनारे खुले मैदानों में चेहरे पर पेंटिंग, गुब्बारे की कला और सड़क किनारे होने वाले करतब बच्चों का मन मोह लेते हैं। यह उत्सव कनाडा की बहुसांस्कृतिक पहचान को दर्शाता है। इसमें स्वदेशी कलाकारों के प्रदर्शन और कहानियों को विशेष स्थान दिया जाता है, जिससे बच्चे अपनी जड़ों और अन्य संस्कृतियों को समझ सकें। यह उत्सव इस साल 29 मई से 1 जून तक आयोजित किया जाएगा। *

सांता क्रूज डी टेनेरिफ, कैनरी द्वीप स्पेन

स्पेन के इस द्वीप पर कार्निवल के दौरान बच्चों की अपनी अलग प्रतियोगिताएं होती हैं। छोटे बच्चों की अपनी 'क्वीन' चुनी जाती है, जो भारी और बेहद सुंदर गाउन पहनती है। यहां की 'मर्गस' नाम की संगीत मंडलियां बच्चों के लिए मजाकिया गाने गाती हैं। बच्चों के लिए खूब मौज-मस्ती भरा होता है यह फेस्टिवल। *

गोवा कार्निवल, गोवा भारत

बच्चो, अपने देश में भी कई रंग-बिरंगे और ज्वॉयफुल फेस्टिवल्स मनाए जाते हैं। गोवा कार्निवल भी किसी विदेशी फेस्टिवल से कम नहीं है। यहां हर साल एक स्थानीय व्यक्ति को 'किंग मोमो' चुना जाता है। किंग मोमो को कार्निवल्स का राजा माना जाता है। किंग मोमो के आदेश पर ही गोवा कार्निवल की शुरुआत होती है। इस मेले में सड़कों पर झांकियां निकलती हैं। बच्चे चमकीले कपड़े पहनकर सड़कों पर गिटार और ड्रम बजाते हैं। यह त्योहार हमें सिखाता है कि खुश रहना ही सबसे बड़ा उत्सव है। इस वर्ष गोवा कार्निवल 13 से 17 फरवरी तक आयोजित किया जाएगा। *

अनोखा जंतु / अंजू जैन

बच्चो, प्रकृति में अनोखी शारीरिक विशेषताओं से युक्त अनेक जीव-जंतु, कीट-पतंगे पाए जाते हैं। ऐसा ही एक जंतु है ओलियंडर हॉक। इसकी कई प्रजातियां पाई जाती हैं। इसकी कौन-सी विशेषताएं हैं, यह कहां-कहां पाया जाता है, जानो।

छिपने में माहिर सुंदर-आकर्षक ओलियंडर हॉक

बच्चो, दिखने में बहुत ही सुंदर और अद्भुत शारीरिक क्षमता वाला पतंगा है ओलियंडर हॉक। यह शिकारियों से छिपने की कला में बहुत माहिर होता है। इसका वैज्ञानिक नाम 'डैफनीस नेरी' है। इसे 'आक का पतंगा' भी कहा जाता है, क्योंकि इसके कैटरपिलर (लार्वा) आमतौर पर आक के पौधों पर पाए जाते हैं। इसे 'हॉक-मॉथ' या 'स्फिंक्स मॉथ' के नाम से भी जाना जाता है। इसकी लगभग 1,450 प्रजातियां पाई जाती हैं।

शारीरिक रंग-रूप: ओलियंडर हॉक के पंखों का फैलाव लगभग 9 सेंटीमीटर से 13 सेंटीमीटर तक होता है। हालांकि इसके रंग अलग-अलग होते हैं, लेकिन इसके पंख आमतौर पर हरे और जैतून के रंग के पैटर्न से बने होते हैं। इससे इसका रंग-रूप सैनिकों की वर्दी जैसा दिखता है। इसीलिए इसे 'आर्मी ग्रीन मॉथ' के नाम से भी जाना जाता है। इसके प्रत्येक पंख पर भूरे और सफेद रंग की धारियों वाली आंखों जैसी संरचना होती है। यह पतंगा अपनी रंग-बिरंगी खूबसूरत कैमोफ्लॉज डिजाइन के लिए जाना जाता है। इसके पंखों पर हरे, गुलाबी और सफेद पैटर्न बने होते हैं, जो इसे पत्तों के बीच छिपने में मदद करते हैं।

ओलियंडर हॉक के कैटरपिलर: आमतौर पर ओलियंडर हॉक के कैटरपिलर लाल-भूरे और काले रंग के होते हैं, जिसके पूरे शरीर पर सफेद धब्बे होते हैं। ये पुदीने जैसे हरे, लाइम ग्रीन या नीले रंग के भी होते हैं। लार्वा के शरीर पर बड़े-बड़े आंख जैसे धब्बे होते हैं, जो शिकारियों को डराने के लिए आकार में बढ़ते हैं। इसके शरीर के पिछले हिस्से पर एक मांसल सींग भी होती है, जो पीले या काले रंग की होती है। ओलियंडर हॉक में उड़ने और तेजी से मंडराने की अच्छी क्षमता होती है। एक वयस्क ओलियंडर हॉक-मॉथ का जीवनकाल लगभग 10-30 दिनों का होता है। वयस्क होने से पहले यह अंडे, लार्वा, प्यूपा जैसे विभिन्न चरणों से गुजरता है।

कहां-कहां पाया जाता है: ओलियंडर हॉक उत्तरी अफ्रीका, एशिया और यूरोप के कई हिस्सों में मूल रूप से पाए जाते हैं। यह एक प्रवासी प्रजाति है, इसलिए यह अपने मूल क्षेत्र के बाहर भी पाया जा सकता है। यह गर्म इलाकों में रहना पसंद करता है। ये ज्यादातर समय पहाड़ियों और झाड़ियों पर बिताते हैं। ये शाम ढलने के बाद सबसे ज्यादा सक्रिय होते हैं। ये आमतौर पर मानव बस्तियों के पास रहने पर प्रकाश स्रोत की ओर आकर्षित होते हैं।

क्या है भोजन: ओलियंडर के कैटरपिलर आक के पत्तों को खाते हैं। वयस्क ओलियंडर हॉक विभिन्न फूलों के रस से अपना भोजन प्राप्त करते हैं। यह रस पीने के लिए हमिंगबर्ड की तरह फूलों के ऊपर मंडराते रहते हैं। चमेली, विंका, पेटुनिया और हनीसकल (मधुमालती) जैसे फूलों को ये विशेष रूप से पसंद करते हैं। *

बालगीत / सिराज अहमद

चाचू तफरीबाज

अपने चाचू हैं
मजाकिया थोड़े तफरीबाज
नाटक करते ऐसा
कि तुम उनको समझ न पाओ
झूठमूठ गुस्साते
फिरते, उलझन में पड़ जाओ
फिर हंसते तो
दादी बोले आ जाओ तुम बाज
कभी रात में
बनकर काला भूत डराते हमको
कभी-कभी
आंगन में यूं ही बस दौड़ाते हमको
कभी निकाले
मुंह से बंदर-बिल्ली की आवाज
छुपम-छुपाई
खेले बनकर, हम जैसे ही बच्चे
हम कहते हैं
चाचू अपने, जग में सबसे अच्छे
उनको हमसे
प्यार बहुत है, हमको उन पर नाज

बूझो तो जानें

1
तरल रूप में पाया जाऊं,
जीवन का पर्याय कहाऊं।
ठोस रूप भी मैं ले सकता,
गर्म करो तो मैं उड़ जाऊं।

2
लता में लगने वाला पत्ता,
शौक से खाया जाता।
कत्थे-चूने की परतों से,
खूब सजाया जाता।

3
चपर-चपर चरती है चारा,
मैं-मैं कर मिमियाए।
दूध बड़ा गुणकारी देती,
बोलो क्या कहलाए?

- वसीम अहमद नगरामी

उत्तर: 1. पानी, 2.पान, 3. बकरी

जीके क्विज-191

1. देश की वर्तमान वित्त मंत्री कौन हैं?
2. पुरुष हॉकी इंडिया लीग 2026 का खिताब किसने जीता है?
3. 'दिल्ली चलो' का नारा किसने दिया था?
4. 500 सिंगल्स मुकाबले जीतने वाली पहली भारतीय शटलर कौन बन गई हैं?
5. रात में दिखाई पड़ने वाला सबसे चमकीला तारा कौन-सा है?
6. पृथ्वीराज चौहान कहां के शासक थे?
7. स्वतंत्र भारत के पहले वित्त मंत्री कौन थे?
8. 'आनंदमठ' नामक पुस्तक के लेखक कौन हैं?
9. सफेद सोना (व्हाइट गोल्ड) किसे कहा जाता है?
10. हीराकुंड बांध किस राज्य में स्थित है?

बच्चों, जीके क्विज-191 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें **balbhoomihb@gmail.com** पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-190 का उत्तर : 1.साइना नेहवाल, 2.आर्यन वार्ष्णेय, 3.राजनाथ सिंह, 4.शाहजहां, 5.शुभांशु शुक्ला, 6.पद्म विभूषण, 7.टोकोफेरॉल, 8.विटामिन डी, 9.वृहस्पति, 10.बछेंद्री पाल

जीके क्विज-190 का सही उत्तर देने वाले : कबीर-हिसार, रमेश-बैकुंठपुर, दारा-महासमुंद, ऊर्जस्वी-सारंगढ़ बिलाईगढ़, श्रेया-दामोह, शुभम-बलौदा बाजार, गुंजा-रायपुर, अंकित-दुर्ग, सारिका-रायपुर, नेहा-भोपाल, ज्योति-बैकुंठपुर

घर में आदमी, गाय, कुत्ते ने साथ-साथ कैसे रहना शुरू किया, इसके पीछे बड़ी रोचक कहानी है। बच्चो, तुम भी इसको जानो।

कहानी घर, पेड़ और गाय की

कहानी
समीर गांगुली

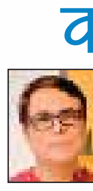

एक घर, एक पेड़ और एक गाय तीनों अड़ोसी-पड़ोसी थे। पेड़ को रात में चलने की बीमारी थी। घर में कोई मनुष्य नहीं रहता था। वह जब-तब आवाज देकर लोगों को अपने यहां रहने के लिए बुलाया करता था। जब कोई आ जाता तो घर तरह-तरह की करतूतों से उसे डराता और रात-बेरात भगा देता था। गाय को गाने का बड़ा शौक था, वह सारा दिन अपनी धुन में गाती रहती थी। लेकिन बड़ा बेसुरा गाती थी, सो कोई उसके पास नहीं फटकता था।

बस थोड़ी दूर एक कुत्ता भी रहता था, जो दूर से ही इन तीनों की हरकतों को देखता रहता था। एक दिन खूब जोर से बारिश आई, पेड़ नाचने लगा। गाय डर कर चुप हो गई और घर ने आवाज देकर बारिश में भीगते कुत्ते को बुलाया। कुत्ता भीगता-भीगता घर के अंदर पहुंचा। घर के बीचोंबीच एक दरी बिछी थी। कुत्ता जाकर उस पर बैठ गया। उसे वहां बैठ कर बड़ा अच्छा लगा। खिड़की से नाचते पेड़ को देखा तो पेड़ ने उसे बाहर आकर नाचने का न्योता दिया। वह बाहर गया तो नहीं, मगर पेड़ का नाच उसे पसंद आया। इसके बाद गाय पर नजर पड़ी तो डरी गाय को देखकर उसकी मदद करने का मन हुआ। उसने गाय की तरफ देखकर एक लंबी सी आवाज निकाली, जिसे गाय ने कुत्ते का गाना समझा और वह भी उछल कर जोर-जोर से गाने लगी। वही बेसुरा गाना और गाते-नाचते घर के दरवाजे तक आ गई। घर धूल-मिट्टी और कबाड़ से भरा था। कुत्ते ने झाड़ियों का एक झाड़ू बनाया और घर को साफ कर दिया। इससे घर खुश हुआ, वह बोला, 'आज से हम सब दोस्त। अब हमारे सुख-दुख साझा हैं।'

कुत्ता खुश हो गया। उसे बहुत दिनों बाद किसी से बात करने का मौका मिल रहा था। वह तुरंत बोला, 'ठीक है, हमारे सुख-दुख हैं क्या?

गाय ने सिर हिलाकर कहा, 'मुझे तो पता नहीं।'

घर हंसा और बोला, 'चलो किसी आदमी को बुलाते हैं। वही हमें सुख और दुख दोनों देगा।' और फिर वे आदमी का इंतजार करने लगे। एक दिन आदमी आया और उसने घर से पूछा, 'क्या मैं यहां थोड़ी देर विश्राम कर सकता हूं? बस आज रात?'

कुत्ते ने आदमी का एक चक्कर लगाकर पूछा, 'मगर तुम्हारी गठरी में क्या है?'

आदमी बोला, 'सुख और दुख।'

यह सुनकर घर, कुत्ता और गाय एक साथ बोले, 'हां-हां, क्यों नहीं! चाहो तो हमेशा के लिए रह जाओ।' तब से आदमी, घर, कुत्ता और गाय साथ-साथ रहते हैं। सुख-दुख मिल कर सहते हैं। *

कहानी
मोहम्मद अरशद खान

एक दिन मम्मी की तबीयत बिगड़ी तो दिल्लू ने दादी की मदद से उनके लिए दलिया बनाई। अपने लिए पिज्जा ऑर्डर कर दिया। लेकिन इस ऑर्डर को उसने कैंसिल कर दिया। उसने भी मजे से दलिया खाई। आखिर दिल्लू का मन कैसे बदल गया?

दिल्लू ने बनाया दलिया

दादी को दम-आलू अच्छा लगता है। पापा को शाही पनीर बहुत पसंद है। मम्मी के लिए राजमा-चावल के आगे सब बेकार। पर दिल्लू को क्या पसंद है...? कुछ नहीं। दाल में मजा नहीं आता। गोभी अजीब लगती है। बैंगन बेकार है। लौकी-कद्दू का तो कोई नाम भी न ले। पालक, परवल, भिंडी कुछ भी अच्छा नहीं लगता।

आज मम्मी को बुखार आ रहा है। सुबह से बिस्तर पर पड़ी हुई हैं। कामवाली बुआ गांव गई हैं। उनकी बेटी की शादी है। पापा ड्यूटी गए हैं। घर पर अकेली दादी हैं। तो फिर खाना कौन बनाएगा? दिल्लू बेफिक्र है। दादी का व्रत है। इसलिए वह सिर्फ फल खाएंगी। फ्रिज में ढेर सारे फल पहले से रखे हैं। अपने लिए वह पिज्जा ऑर्डर कर लेगा। लेकिन मम्मी...? वह क्या खाएंगी? डॉक्टर ने कहा है सिर्फ हल्का-फुल्का खाना दे सकते हैं- जैसे दलिया। 'हां, यही ठीक रहेगा। मम्मी के लिए दलिया बना दूंगा। अपने लिए डबल चीज पिज्जा ऑर्डर कर देता हूं।' दिल्लू ने सोचा। लेकिन दलिया बनाना तो उसे आता नहीं। 'कोई बात नहीं दादी से पूछ लूंगा।' सोचता हुआ दिल्लू किचन में जा पहुंचा। 'सबसे पहले क्या करना होगा...?' उसने दादी को जोर से आवाज लगाते हुए पूछा।

दादी मुश्किल से चलती हुई किचन में आईं। दिल्लू उनके बैठने के लिए कुर्सी ले आया। दादी बैठती हुईं बोलीं,'सबसे पहले एक साफ पैन लेना होगा। फिर चूल्हा जलाना होगा...।' 'उफ, दादी ये सब तो मालूम है। उसके आगे बताइए।' दिल्लू चिढ़कर बोला। 'तो फिर एक कटोरी दलिया लो और पैन में हल्की आंच पर इसे भून लो।' उसके खीझने पर दादी हंसते हुए बोलीं।

दिल्लू दलिया भूनने लगा। बीच-बीच में पूछता, 'अब बस करूं?'

दादी कहतीं, 'थोड़ा और, जब खुशबू आने लगे।' 'अब आगे क्या करना है?' दलिया भूनने के बाद दिल्लू ने पूछा।

दादी ने बताया, 'अब देसी घी की छौंक लगानी है।' 'लेकिन घी कहां रखा है?' दिल्लू ने पूछा। 'ये तो मुझे भी नहीं पता, मम्मी से क्यों नहीं पूछ लेते?' दादी ने कहा। 'श... श... श... उन्हें सरप्राइज देना है।' दिल्लू ने होंठों पर अंगुली रखते हुए कहा। कई मर्तबानों के ढक्कन खोलने के बाद घी मिला। अब लौंग-इलायची ढूंढना इससे भी मुश्किल काम था। पर उसने ढूंढ निकाला। अब जरूरत थी, दूध और शक्कर की। यह ढूंढना थोड़ा आसान था। दिल्लू दलिया बनाने में कसर नहीं छोड़ना चाहता था। ताकि मम्मी को भी पता लगे, वह कितना अच्छा कुक है। अखिरकार दलिया बनकर तैयार हो गया। लेकिन इतने से काम में दिल्लू के पसीने छूट गए। हाथ जलते-जलते बचा और कपड़े भी गंदे हुए, पर वह खुश था।

'थोड़ा ठंडा हो जाने दो, फिर परोस देना।' दादी उसकी पीठ थपथपाती हुई कमरे में चली गईं। मम्मी अभी सो रही थीं। दिल्लू ने सोचा क्यों न दलिया चखकर देखा जाए। पहली बार खुद से कोई चीज बनाई है। पता नहीं कैसा स्वाद हो। मम्मी को अच्छी लगे न लगे। उसने कटोरे में दलिया निकाला। डरते-डरते एक चम्मच मुंह में रखा। स्वाद पाते ही उसका चेहरा खिल उठा। दलिया तो बहुत अच्छा बना था। 'वाह क्या स्वाद है!' एक चम्मच... दो चम्मच... तीन चम्मच... वह खाता ही रहा। 'मम्मी के लिए दोबारा बना लूंगा।' उसने सोचा।

दादी बाथरूम से लौट रही थीं। दिल्लू को देखकर बोलीं, 'तुम तो कहते थे तुम्हें दलिया पसंद नहीं है।' 'पर आज से अच्छा लगने लगा है।' दिल्लू हंसकर बोला।

'लेकिन तुमने पिज्जा ऑर्डर किया था। उसका क्या होगा?' दादी को भी हंसी आ गई। 'वह ऑर्डर तो मैंने कैंसिल कर दिया।' दिल्लू ने कहा और पैन में बचा दलिया कटोरे में उड़ेल लिया। *

रंग भरो-195

रंग भरो-195 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।

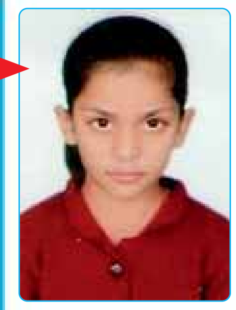

सरस्वती, दिल्ली

वेदिका, कोरबा

डिंपल, दुर्ग

पूर्वी, खैरागढ़

कल्पित, बालोद

श्रुति, भिवानी

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

पयोधि-अंबिकापुर, आन्या-दुर्ग, आदित्य-खैरागढ़, अनुभव-सूरजपुर, चेतन-दुर्ग, धरनी-दुर्ग, प्रतिभा-सारंगढ़ बिलाईगढ़, खुशी-रोहतक, रितेश-मटियारी, कविता-कटनी, हितेश-दिल्ली, राकेश-धमतरी, अंकित-गुना, आकाश-बलौदा बाजार

रंग भरो 196

बच्चो, यहां एक क्यूट-से पांडा का ब्लैक एंड व्हाइट चित्र दिया गया है। इस चित्र को मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम बालभूमि में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजो- संपादक - फीचर, हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली- 110035 या ई-मेल आईडी balbhoomi-hb@gmail.com पर मेल करो।

क्रिकेट की गेंद की साइज में किया बदलाव, लैमिनेटेड बल्लों को मिली मंजूरी

टी20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले एमसीसी का निर्णय, 1 अक्टूबर से लागू होंगे नियम

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

ईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले क्रिकेट के नियमों में बड़े बदलाव सामने आए हैं। मेरिलबोन क्रिकेट क्लब ने खेल से जुड़े 9 अहम नए नियमों की जानकारी दी है, जिनका सीधा असर मैच की रणनीति, खिलाड़ियों के प्रदर्शन और अंपायरिंग पर पड़ेगा। ये नियम आधिकारिक तौर पर 1 अक्टूबर 2026 से लागू होंगे, हालांकि इनमें से कुछ बदलावों को आईसीसी पहले ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना चुका है। यह नियम सभी अंतरराष्ट्रीय और घरेलू मैचों पर लागू होंगे। नियमों का पालन सुनिश्चित करना मैच अधिकारियों की जिम्मेदारी होगी। खिलाड़ियों और कोचों को नए नियमों से अवगत कराया जाएगा। इससे खेल और अधिक निष्पक्ष और रोमांचक बनेगा।

अब महिला और जूनियर क्रिकेट में खिलाड़ियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए अलग-अलग साइज और वजन की गेंदों का इस्तेमाल किया जाएगा। एमसीसी के अनुसार, गेंद अब साइज 1, साइज 2 और साइज 3 में उपलब्ध होगी। साइज 1 गेंद पुरुष क्रिकेट के लिए रहेगी, जबकि बाकी साइज महिलाओं और बच्चों के लिए होंगी। यह फैसला इसलिए लिया गया है क्योंकि छोटे हाथों के लिए मौजूदा गेंदें पूरी तरह अनुकूल नहीं थीं।

जूनियर और महिला क्रिकेट में बदली गेंद की साइज

अब महिला और जूनियर क्रिकेट में खिलाड़ियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए अलग-अलग साइज और वजन की गेंदों का इस्तेमाल किया जाएगा। एमसीसी के अनुसार, गेंद अब साइज 1, साइज 2 और साइज 3 में उपलब्ध होगी। साइज 1 गेंद पुरुष क्रिकेट के लिए रहेगी, जबकि बाकी साइज महिलाओं और बच्चों के लिए होंगी। यह फैसला इसलिए लिया गया है क्योंकि छोटे हाथों के लिए मौजूदा गेंदें पूरी तरह अनुकूल नहीं थीं।

लैमिनेटेड बल्लों को मिली मंजूरी

बढ़ती लागत को देखते हुए एमसीसी ने ओपन एज क्रिकेट में लैमिनेटेड बल्लों के इस्तेमाल की अनुमति दे दी है। इन बल्लों में लकड़ी के तीन टुकड़ों का उपयोग किया जा सकता है। परीक्षण के दौरान यह साफ हुआ कि इन बल्लों से प्रदर्शन में कोई अतिरिक्त फायदा नहीं मिलता। हालांकि इंटरनेशनल और टॉप-लेवल क्रिकेट में अब भी एक ही लकड़ी से बने बल्ले ही मान्य रहेंगे।

आखिरी ओवर में विकेट गिरने पर भी जारी रहेगा खेल

पहले टेस्ट मैच के आखिरी ओवर में विकेट गिरने पर दिन का खेल समाप्त हो जाता था। नया बल्लेबाज बैटिंग करने नहीं आता था। एमसीसी ने इस परंपरा को बदल दिया है। अब अंतिम ओवर में विकेट गिरने पर नया बल्लेबाज मैदान में आएगा। एमसीसी के अनुसार पुराना नियम समय बचाने के लिए बनाया गया था। लेकिन इससे समय की बचत नहीं होती थी। बची हुई गेंदें अगले दिन फेंकी जाती थीं। नए बल्लेबाज को मुश्किल हालात का सामना नहीं करना पड़ता था। नया नियम इस स्थिति को बदल देगा।

गेंद के 'सैटल' होने के नियम में बदलाव

अब गेंद का विकेटकीपर या गेंदबाज के हाथ में जाना जरूरी नहीं होगा। अगर कोई फील्डर स्थिर अवस्था में गेंद को कंट्रोल करता है, तो अंपायर उसे डेड बॉल या सैटल गेंद मान सकते हैं।

विकेटकीपर की पोजिशन पर बड़ा फैसला

अगर गेंदबाज रन-अप में है और उस समय विकेटकीपर के दस्ताने स्टंप्स के आगे हैं, तो गेंद नो-बॉल नहीं होगी। हालांकि गेंद फेंके जाने के समय कीपर का स्टंप्स के पीछे होना जरूरी रहेगा।

हिट विकेट के नियम में स्पष्टता

अगर बल्लेबाज या उसका कोई उपकरण किसी फील्डर से टकराकर स्टंप्स से लगता है, तो उसे हिट विकेट नहीं माना जाएगा। लेकिन यदि बल्लेबाज शॉट खेलते समय खुद या उसका सामान सीधे स्टंप्स से टकराता है, तो वह हिट विकेट होगा।

रन आउट के अब नए रूल्स

अब रन आउट या स्टंपिंग तभी मान्य होगी जब गेंद पूरी तरह फील्डर या विकेटकीपर के हाथ में हो। सिर्फ गेंद का छूना आउट के लिए पर्याप्त नहीं होगा।

कौन बनाता है क्रिकेट के नियम

मेरिलबोन क्रिकेट क्लब क्रिकेट केनियम बनाने वाली सर्वोच्च संस्था है। इसकी स्थापना 1787 में लंदन में हुई थी। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के गठन के बाद भी एमसीसी ही नियम बनाती है। क्लब की एक समिति इन नियमों की समीक्षा करती है। समिति के सदस्य ही बदलावों पर अंतिम फैसला लेते हैं।

जानबूझकर अधूरा रन लेने पर सख्ती

अगर बल्लेबाज जानबूझकर अधूरा रन लेते हैं, तो अब फील्डिंग टीम यह तय कर सकेगी कि अगली गेंद पर कौन बल्लेबाज स्ट्राइक पर रहेगा। इस नियम का मकसद बल्लेबाजों को अनुचित फायदा लेने से रोकना है।

बाउंड्री लाइन पर कैच लेने का नियम बदला

बाउंड्री के पास कैच लेते समय अब फील्डर को सिर्फ एक मौका मिलेगा। वह गेंद को बार-बार हवा में उछालकर बाउंड्री के बाहर से अंदर नहीं ला सकेगा। फील्डर को या तो खुद कैच लेना होगा या एक ही बार में अपने साथी की ओर गेंद को धकेलना होगा।

ओवरथ्रो की नई परिभाषा

अगर थ्रो के बाद गेंद बिना किसी फील्डर के प्रयास के आगे निकल जाती है, तो उसे ओवरथ्रो माना जाएगा, लेकिन यदि फील्डर गेंद को रोकने की कोशिश करता है और फिर भी वह आगे जाती है, तो उसे मिसफील्ड माना जाएगा।

खबर संक्षेप

भारत बिली जीन किंग कप की मेजबानी करेगा

नई दिल्ली। अखिल भारतीय टेनिस संघ ने कहा कि देश को बिली जीन किंग कप 2026 महिला टेनिस विश्व कप की मेजबानी का अधिकार दिया गया है।
एआईटीए के महासचिव अनिल धूपर ने एक बयान में कहा, ''भारत को इस साल अप्रैल में गेनब्रिज एशिया/ओसियाना ग्रुप एक प्रतियोगिता के तहत बिली जीन किंग कप 2026 महिला टेनिस विश्व कप की मेजबानी का मौका मिला है।'' यह प्रतियोगिता सात से 11 अप्रैल तक दिल्ली लॉन टेनिस संघ परिसर के नए नवीनीकृत कोर्ट पर होगी।

ओलंपिक में मशाल थामकर गौरवान्वित हूं

नई दिल्ली। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता निशानेबाज अभिनव बिंद्रा ने बृहस्पतिवार को कहा कि मिलान कोर्तिना शीतकालीन खेलों से पहले ओलंपिक मशाल थामकर वह काफी अच्छा और गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। शीतकालीन ओलंपिक शुक्रवार को इटली में शुरू हो रहे हैं। बीजिंग ओलंपिक 2008 में 10 मीटर एयर राइफल में स्वर्ण पदक जीतने वाले बिंद्रा को पिछले साल अक्टूबर में मशाल वाहक चुना गया था। शीतकालीन ओलंपिक 22 फरवरी को समाप्त होंगे। इसमें 16 खेलों में 116 पदक दाव पर लगे हैं।
बिंद्रा ने बारिश के बीच ली गई तस्वीरों को एक्स पर साझा करते हुए लिखा मिलानोकोर्तिना 26 में ओलंपिक की मशाल थामकर गौरवान्वित हूं यह एकता, दृढता और साझा मानवीय आकांक्षा का प्रतीक है।'

धाविका पूजा डोप टेस्ट नहीं देने के कारण निलंबित

नई दिल्ली। भारत की लंबी दूरी की धाविका पूजा आत्माराम को डोप टेस्ट से बचने के कारण एथलेटिक्स इंटीग्रिटी यूनिट ने अस्थायी तौर पर निलंबित कर दिया है। एआईयू ने एक संक्षिप्त बयान में कहा एआईयू ने भारत की पूजा आत्माराम को नमूना देने से बचने, मना करने या नहीं देने के कारण अस्थायी तौर पर निलंबित कर दिया है। आरोप का नोटिस जारी कर दिया गया है। पूजा को विश्व डोपिंग निरोधक एजेंसी की आचार संहिता की धारा 2.3 के उल्लंघन के कारण निलंबित किया गया है। पांच हजार और 10000 मीटर में भाग लेने वाली राजस्थान की पूजा 2024 में इंडियन ग्रां प्री 2 में तीसरे स्थान पर रही थी। पिछले साल लखनऊ में राष्ट्रीय क्रॉसकंट्री चैम्पियनशिप में वह 25वें स्थान पर रही।

अंडर 19 वर्ल्ड कप का फाइनल मैच आज हरारे स्टेडियम में दोपहर 1 बजे से

पूरे टूर्नामेंट में अपराजेय रहीं भारत इंग्लैंड के बीच खिताबी जंग आज

एजेंसी ▶▶| हरारे

भारत ने पूरे टूर्नामेंट में अपराजित रहते हुए एक बार फिर अंडर-19 वर्ल्ड कप के फाइनल में जगह बना ली है। साल 2024 में ऑस्ट्रेलिया ने भारत का सपना तोड़ दिया था। अब दो साल बाद टीम इंडिया खिताब से बस एक कदम दूर खड़ी है। सेमीफाइनल में अफगानिस्तान को हराने के बाद भारतीय टीम के हौसले सातवें आसमान पर हैं। कप्तान आयुष म्हात्रे की अगुवाई में टीम इतिहास रचने को तैयार है। वहीं इंग्लैंड की टीम भी पूरे टूर्नामेंट में अपराजेय रही और वह भी खिताब जीतने पूरे दमखम के साथ मैदान में उतरेगी। ऐसे में भारत के गेंदबाजों व बल्लेबाजों को दमदार प्रदर्शन करना बेहद जरूरी है। मैच भारतीय समयानुसार दोपहर एक बजे से शुरू होगा। भारत ने अभी तक एक भी मैच बिना हारे फाइनल में जगह बनाई है और अब उसका सामना एक और अपराजेय टीम इंग्लैंड से होना है। भारत को बखूबी पता है कि गत चैम्पियन ऑस्ट्रेलिया को हराकर इंग्लैंड के हौसले बुलंद है और उसे हराना आसान

इंग्लैंड की टीम को कम आकना होगी बड़ी भूल

इस टूर्नामेंट में सर्वाधिक विकेट लेने वाले शीर्ष पांच गेंदबाजों में कोई भारतीय नहीं है। इंग्लैंड के मैन्नी लुम्सडेन 15 विकेट लेकर शीर्ष पर है। इंग्लैंड के लिए बेन मायेस ने एक शतक और दो अर्धशतक समेत 399 रन बनाए हैं। कप्तान थॉमस रियू भी अच्छे फॉर्म में हैं और सेमीफाइनल में आस्ट्रेलिया के खिलाफ शतक समेत 299 रन बना चुके हैं।

इन बल्लेबाजों पर टिकी है भारत की उम्मीदें

सेमीफाइनल में शानदार जीत के बाद भारत अपनी विनिंग प्लेइंग 11 के साथ ही मैदान पर उतर सकता है। एरोन जॉर्ज और वैभव सूर्यवंशी की जोड़ी इंग्लैंड के गेंदबाजों के लिए खतरा बन सकती है। सबसे अच्छी खबर यह है कि कप्तान आयुष म्हात्रे और विहान मल्होत्रा के बल्ले से भी लगातार रन निकल रहे हैं। वहीं, अभिज्ञान कुंडू निचले क्रम में टीम को मजबूती दे रहे हैं।

गेंदबाजों को दिखाना होगा दम

फाइनल मैच में टीम इंडिया को अपने गेंदबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। आर.एस अंबरीश, हेलिन पटेल और दीपेश को भी गेंद से कमाल दिखाना होगा। स्पिनर कनिष्क चौहान और खिलन पटेल की भूमिका भी अहम रहेगी। ज्ञात हो कि इंग्लैंड के बल्लेबाज तेज गेंदबाजों को खेलने में माहिर हैं।

टीम इंडिया की संभावित प्लेइंग 11

एरोन जॉर्ज, वैभव सूर्यवंशी, आयुष म्हात्रे (कप्तान), विहान मल्होत्रा, वेदांत त्रिवेदी, अभिज्ञान कुंडू, आर.एस अंबरीश, कनिष्क चौहान, खिलन पटेल, हेलिन पटेल, दीपेश देवेन्द्रन।
इंग्लैंड : थॉमस रियू (कप्तान), राल्फी अलबर्ट, अली फारूक, बेन डॉकिंस, कालेब फाकनेर, फरहान अहमद, एलेक्स फ्रेंच, एलेक्स ग्रीन, ल्यूक हैंड्स, इसाक मोहम्मद, मैन्नी लुम्सडेन, बेन मायेस, जेम्स मिंटो, जोसेफ मूरेस, सेबेस्टियन मोर्गन

बैडमिंटन एशिया टीम चैम्पियनशिप

थाईलैंड से हारने के बावजूद भी गत चैम्पियन भारत क्वार्टर फाइनल में

किंगदाओ (चीन)। युवा तन्वी शर्मा के शानदार प्रदर्शन के बावजूद गत चैम्पियन भारत को बैडमिंटन एशिया टीम चैम्पियनशिप में ग्रुप वाय के दूसरे मैच में बृहस्पतिवार को थाईलैंड के हाथों 2-3 से पराजय झेलनी पड़ी। इस हार के बावजूद भारत ने क्वार्टर फाइनल के लिये क्वालीफाई कर लिया है।म्यामां को पहले मैच में 5-0 से हराने के बाद भारत ग्रुप वाय में थाईलैंड के बाद दूसरे स्थान पर रहा।

रक्षिता रामराज हालांकि 2023 विश्व जूनियर चैम्पियन 19 वर्ष की पिचामोन ओमात्निपुत से 19-21, 17-21 से हार गई। दूसरे युगल मैच में तनीषा क्रास्टो और श्रुति मिश्रा को एच मिजाद और नापापाकोर्न तुंगकासातान ने 19-21, 21-14, 21-15 से हराया। मालविका बंसोड को पहलो एकल में पोर्नपिचा चोइकीवोंग ने 21-18, 21-14 से हराया।

तन्वी-गायत्री, त्रिसा ने दर्ज कराई जीत

दुनिया की 42वें नंबर की खिलाड़ी और 2024 में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक विजेता भारतीय टीम की सदस्य रही तन्वी ने विश्व रैंकिंग में 16वें स्थान पर काबिज बुसानन ओंगामरूनंगफान को 21-14, 17-21, 21-18 से हराया। गायत्री गोपीचंद और त्रिसा जॉली की जोड़ी ने इसके बाद 65वीं रैंकिंग वाली टी क्लीबायीसुन और नत्तामोन लेइसुआन की जोड़ी को 21-14, 20-22, 21-11 से हराया।

टी-20 विश्व कप

इतिहास में भारतीय टीम द्वारा बनाए गए सबसे बड़े स्कोर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

टी-20 विश्व कप के इतिहास में भारतीय क्रिकेट टीम ने कई बार अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से दुनिया को हैरान किया है। बड़े मंच पर खेले गए मुकाबलों में भारतीय टीम ने ऐसे विशाल स्कोर खड़े किए, जिन्होंने विरोधी टीमों की कमर तोड़ दी। ये स्कोर सिर्फ रन नहीं, बल्कि भारतीय बल्लेबाजों की आक्रामक सोच और ताकत का प्रतीक हैं। ऐसे में आइए जानते हैं भारतीय टीम द्वारा बनाए गए टी-20 विश्व कप में सबसे बड़े स्कोर।

218/4- साल 2007

भारतीय क्रिकेट टीम ने साल 2007 के विश्व कप में इंग्लैंड क्रिकेट टीम के खिलाफ 218/4 का स्कोर बना दिया था। पहले बल्लेबाजी करते हुए गौतम गंभीर ने 41 गेंदों में 58 रन बनाए थे। वीरेंद्र सहवाग के बल्ले से 52 गेंदों में 68 रन निकले थे।

210/2- साल 2021

भारतीय टीम का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर साल 2021 के टी-20 विश्व कप में आया था। टीम ने अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के खिलाफ 210/2 का स्कोर बनाया था। पहले बल्लेबाजी करते हुए रोहित शर्मा ने 47 गेंदों का सामना करते हुए 74 रन बनाए थे। ऋषभ पंत ने 13 गेंद में 27 रन और हार्दिक पांड्या ने 35 रन बनाए थे। केएल राहुल के बल्ले से 69 रन निकले थे। जवाब में अफगानिस्तान 144/7 का स्कोर ही बना पाई थी।

205/5- 2024

भारतीय टीम ने साल 2024 के विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के खिलाफ 205/5 का स्कोर बनाया था। ये टी-20 विश्व कप के इतिहास में उनका तीसरा सबसे बड़ा स्कोर है। भारतीय टीम पहले बल्लेबाजी करने उतरी थी। रोहित ने 41 गेंदों का सामना कर 92 रन बनाए थे। उन्होंने 7 चौके और 8 छक्के लगाए थे। जवाब में कंगारू टीम 181/7 का स्कोर ही बना पाई थी। भारतीय टीम को 24 रन से जीत मिली थी।

196/5- 2024

भारतीय टीम का चौथा सबसे बड़ा स्कोर भी साल 2024 के ही विश्व कप में आया था। बांग्लादेश क्रिकेट टीम के खिलाफ टीम ने 196/5 का स्कोर बना दिया था। हार्दिक पांड्या ने 27 गेंदों का सामना कर 50 रन बनाए थे। विराट कोहली ने 37 रन बना दिए थे।जवाब में बांग्लादेश की टीम 146/8 का स्कोर ही बना पाई थी। भारतीय टीम को उस मैच में 50 रन से शानदार जीत मिली थी।

मीराबाई चानू ने नेशनल चैंपियनशिप में तीन राष्ट्रीय रिकॉर्ड किए ध्वस्त

एजेंसी ▶▶| मोदीनगर

भारतीय वेटलिफ्टिंग की स्टार खिलाड़ी मीराबाई चानू ने एक बार फिर साबित कर दिया कि उनका नाम क्यों देश की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में गिना जाता है। उत्तर प्रदेश के मोदीनगर में आयोजित नेशनल वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप 2026 में मीराबाई ने 48 किलोग्राम भार वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए एक ही दिन में तीन राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ दिए और स्वर्ण पदक अपने नाम किया। 48 किलोग्राम भार वर्ग में अखिल भारतीय पुलिस की राधा सोनी ने 183 किलोग्राम के कुल वजन के साथ रजत पदक जीता, जबकि कोमल कोहर ने कांस्य पदक हासिल किया।

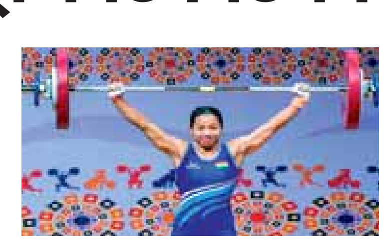

अपने ही पुराने स्तर को किया पार

यह प्रदर्शन मीराबाई के हालिया अंतरराष्ट्रीय आंकड़ों से भी बेहतर रहा। 2025 वर्ल्ड चैंपियनशिप में उन्होंने 199 किलोग्राम के कुल वजन के साथ स्वर्ण पदक जीता था, जबकि इस बार उनका कुल स्कोर 205 किलोग्राम रहा। हालांकि स्नैच में 91 किलोग्राम की कोशिश वह पूरी नहीं कर सकीं, लेकिन इससे उनके दबदबे पर कोई असर नहीं पड़ा।

48 किलोग्राम वर्ग में ऐतिहासिक प्रदर्शन

बता दें कि 48 किग्रा वर्ग में उतरते ही मीराबाई का आत्मविश्वास साफ झलक रहा था। स्नैच में उन्होंने 89 किलोग्राम वजन उठाकर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। इसके बाद क्लीन एंड जर्क में 116 किलोग्राम भार उठाकर दूसरा रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। इन दोनों लिफ्ट्स को मिलाकर उनका कुल स्कोर 205 किलोग्राम रहा, जो इस कैटेगरी में अब तक का सर्वश्रेष्ठ राष्ट्रीय प्रदर्शन है। इस तरह स्नैच, क्लीन एंड जर्क और टोटल तीनों में नए रिकॉर्ड दर्ज हुए।

एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप

सुरुचि-राणा को एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा का रजत

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

उभरती हुई निशानेबाज सुरुचि सिंह और विश्व चैंपियन सम्राट राणा को शानदार प्रदर्शन करने के बावजूद बृहस्पतिवार को यहां एशियाई चैंपियनशिप की 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में रजत पदक से संतोष करना पड़ा लेकिन भारत ने अपना दबदबा बनाते हुए स्वर्ण पदक की संख्या को 10 तक पहुंचा दिया। रश्मिका सहगल और वंशिका चौधरी ने जूनियर महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल जबकि प्रियांशी पूर्वा और चहक कोहली इसी स्पर्धा के युवा वर्ग में शीर्ष दो स्थानों पर कब्जा जमाया। उज्बेकिस्तान के लिए दिन का एकमात्र स्वर्ण पदक 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में निगीना सैदकुलोवा और मुखम्मद कमालोव ने सम्राट और सुरुचि को 479.6 के मुकाबले 481.3 अंक से हराकर जीता। प्रतियोगिता के दो दिन के बाद भारत 10 स्वर्ण, पांच रजत और एक कांस्य पदक के साथ शीर्ष पर है।

टी20 वर्ल्ड कप से पहले टीम इंडिया को झटका

वॉर्म-अप मैच में चोटिल हुए तेज गेंदबाज हर्षित

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप से ठीक पहले भारतीय टीम को बड़ा झटका लग सकता है। साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेले गए वॉर्म-अप मुकाबले के दौरान तेज गेंदबाज हर्षित राणा चोटिल होकर मैदान छोड़ने पर मजबूर हो गए। बुधवार को खेले गए इस मुकाबले में हर्षित ने सिर्फ एक ओवर गेंदबाज़ी की और इसके बाद लंगड़ाते हुए मैदान से बाहर चले गए। हर्षित की फिटनेस को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। टी20 वर्ल्ड कप बेहद करीब है और अगर हर्षित राणा टूर्नामेंट से बाहर होते हैं तो यह टीम इंडिया के लिए बड़ा झटका होगा। फिलहाल बीसीसीआई की आधिकारिक मेडिकल रिपोर्ट का इंतज़ार किया जा रहा है।

घुटने में दिखी परेशानी, बढ़ी चिंता

इस मैच में 24 वर्षीय हर्षित राणा ने अपने एकमात्र ओवर में 16 रन दिए। ओवर खत्म होने के बाद वह स्पष्ट रूप से असहज नजर आए और घुटने को पकड़ते हुए मैदान से बाहर जाते दिखे। हर्षित इसके बाद दोबारा मैदान पर नहीं लौटे। गेंदबाजी के दौरान भी वह दो बार अपने रन-अप से पीछे हटते नजर आए, जिससे साफ हो गया कि वह परेशानी में हैं।

सरफराज खान अस्पताल में भर्ती

मुंबई। मुंबई क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज सरफराज खान को वायरल बुखार के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ऐसे में शुक्रवार से मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन के बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स पर कर्नाटक क्रिकेट टीम के खिलाफ शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल में उनका खेलना संदिग्ध है। बुधवार को सरफराज मुंबई टीम के साथ मौजूद थे, जब दिग्गज खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर ने खिलाड़ियों के साथ खास संवाद सत्र आयोजित किया था। सरफराज की जगह मुशीर खान के खेलने की उम्मीद जताई जा रही है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, सरफराज को वायरल बुखार है, जिसके चलते उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी तबीयत ठीक नहीं है, इसी वजह से वह दिल्ली के खिलाफ मुंबई के पिछले मैच में फील्डिंग के लिए भी मैदान पर नहीं उतर सके थे। यह साफ नहीं है कि वह कर्नाटक के खिलाफ मुकाबले से पहले फिट होंगे या नहीं।

राज्य सरकार व अन्य को नोटिस जारी कर जवाब तलब

कम्प्यूटर प्रशिक्षकों को ऑउटसोर्स करने पर अंतरिम रोक

जबलपुर। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट के जस्टिस एमएस भट्टी की एकलपीठ ने राज्य सरकार के उस आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी है जिसमें कम्प्यूटर प्रशिक्षकों को आउटसोर्स की व्यवस्था के दायरे में लाने की तैयारी थी। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार, लोक शिक्षण संचालनालय और समग्र शिक्षा अभियान को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है और मामले की अगली सुनवाई 17 फरवरी तय की है तब तक यथास्थिति बनाए रखने के निर्देश दिए हैं।

क्या है मामला

यह मामला प्रदेश के लगभग 92 हजार सरकारी स्कूलों से जुड़ा है। अरजीत नामदेव सहित 118 शिक्षकों ने याचिका दायर कर बताया कि उनकी नियुक्ति अतिथि शिक्षक व्यवस्था के तहत मेरिट के आधार पर हुई थी। याचिकाकर्ताओं का तर्क है कि वे लगभग ढाई सत्र पूरे कर चुके हैं। यदि उन्हें आउटसोर्सिंग में डाला जाता है, तो भविष्य में सीधी भर्ती में मिलने वाले 50 प्रतिशत आरक्षण का लाभ उनसे छिन जाएगा। शिक्षकों ने सत्र 2025-26 के बीच में अचानक लिए गए इस निर्णय को उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ बताया है।

सेवा शर्तों में नहीं होगा बदलाव

हाईकोर्ट के स्टे के बाद अब सरकार फिलहाल कंप्यूटर प्रशिक्षक की वर्तमान सेवा शर्तों में कोई बदलाव नहीं कर पाएगी। अधिवक्ता के अनुसार, इन शिक्षकों ने जिएफएमएस पोर्टल के माध्यम से पूरी पारदर्शी प्रक्रिया (मेरिट और डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन) का पालन किया था। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि जब तक अगला आदेश नहीं आता, तब तक वर्तमान व्यवस्था ही लागू रहेगी।

हाईकोर्ट ने एसीएस होम व डीजीपी से हलफनामा मांगा

जनहित याचिका : सागर के दागी 4 थाना प्रभारियों पर क्या कार्रवाई की, बताए

जबलपुर। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति विवेक अग्रवाल और न्यायमूर्ति रत्नेश चंद्र सिंह बिसेन की युगलपीठ ने एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए सागर जिले के चार थाना प्रभारियों पर अवैध गतिविधियों को लेकर गंभीर आरोपों पर सख्ती बरती है और राज्य सरकार के एडिशनल चीफ सेक्रेटरी होम व प्रदेश पुलिस के मुखिया डीजीपी से शपथ पत्र पेश करने कहा है। दरअसल एडवोकेट यूनियन फॉर डेमोक्रेसी एंड सोशल जस्टिस द्वारा दायर जनहित याचिका में गत 30 नवंबर 2025 को प्रकाशित एक समाचार जिसमें खुलासा किया गया था कि सागर के चार थानों में पुलिस के संरक्षण में अवैध शराब बेची जा रही है। सबसे चौंकाने वाला तथ्य यह सामने आया कि मोतीनगर थाने के भीतर से एक नाबालिग ने ड्रग्स की 15 पुड़िया लाकर दीं। इसके अलावा, नगर निगम के पास स्थित स्पा सेंटरों में पुलिस की मिलीभगत से देह व्यापार संचालित होने के साक्ष्य भी स्टिंग ऑपरेशन के ऑडियो-वीडियो के माध्यम से न्यायालय में पेश किए गए हैं। हाईकोर्ट ने पुलिस जैसी कानून रक्षक एजेंसी द्वारा कानून की धज्जियां उड़ाने पर गहरी नाराजगी व्यक्त की है। न्यायालय ने एडिशनल चीफ सेक्रेटरी गृह विभाग और डीजीपी को आदेश दिया है कि वे 20 फरवरी 2026 तक व्यक्तिगत रूप से शपथ पत्र दाखिल करें। उन्हें यह स्पष्ट करना होगा कि इस खबर के प्रकाशित होने के बाद दोषी पुलिस अधिकारियों पर अब तक क्या प्रशासनिक और दंडात्मक कार्यवाही की गई है।

संपादक को रिकॉर्ड पेश करने निर्देश

न्यायालय ने मामले की निष्पक्ष जांच के लिए संबंधित समाचार पत्र के चीफ एडिटर को भी निर्देश दिए हैं कि वे खबर से जुड़े तमाम मूल दस्तावेज और रिकॉर्ड कोर्ट में जमा करें। याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता रामेश्वर सिंह ठाकुर, विनायक प्रसाद शाह, वरुण ठाकु एवं पुष्पेंद्र कुमार शाह ने पैरवी की, इस मामलें की अगली सुनवाई 20 फरवरी को होगी।

बारात में विवाद पर युवक की हत्या

घटना का कारण व आरोपी अज्ञात

जबलपुर। बुधवार देर रात अपने दोस्त की बारात में शामिल होने बरेला के गौर हिनौतिया ग्राम से पाटन के मादा गांव गए एक युवक की अज्ञात लोगों ने धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी। शादी समारोह के बीच युवकों की किसी बात को लेकर विवाद हुआ फिलहाल इसकी जानकारी किसी को नहीं है लेकिन बताया जाता है कि विवाद बारात में नाचने को लेकर हुआ था। पाटन थाना पुलिस ने मृतक के शव को गुरुवार को पीएम के लिए पहुंचाया तो वहीं रात में ही घटना स्थल का मुआयना कर सीसीटीवी फुटेज के साथ ही संदेहियों से पूछताछ आरंभ कर दी है। वारदात के संबंध में पाटन पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार बुधवार को जबलपुर रामपुर निवासी बबलू अहिरवार की बारात पाटन के ग्राम मादा पहुंची थी जिसमें बरेला के गौर हिनौतिया का रहने वाला 31 वर्षीय सुनील अहिरवार भी गया था। रात लगभग 11:30 बजे बारात लग रही थी जिसमें डीजे में तेज आवाज में गाना बज रहा था। इसी दौरान सुनील का साथी कृष्णा अहिरवार बारात से कुछ दूर मंदिर के समीप पीपल के पेड़ के पास पहुंचा तो वहां सुनील जमीन पर

लहूलुहान पड़ा था। इस पर कृष्णा ने मौके पर अपने साथी राकेश, महेश और अंकित को बुलाया तो सुनील कुछ बोलने की स्थिति में नहीं था। उसके पेट व पैरों से खून निकल रहा था। तत्काल ही 108 एम्बूलेंस से सुनील को उसके साथी स्थानीय स्वास्थ्य केन्द्र लेकर पहुंचे, जहां उसकी गंभीर हालत देख डॉक्टरों ने उसे मेडिकल रेफर कर दिया परंतु मेडिकल अस्पताल पहुंचने से पूर्व ही सुनील की मौत हो गई। मामले में एसडीओपी पाटन लोकेश डाबर ने बताया कि गौर हिनौतिया क्षेत्र का रहने वाला युवक शादी समारोह में शामिल होने ग्राम मादा आया था। उसे हमलावरों ने धारदार हथियार से चोट पहुंचाई है। वारदात का कारण और आरोपी अज्ञात हैं, पुलिस विस्तृत जांच-पड़ताल करते हुए आरोपी तक पहुंचने के हरसंभव प्रयास कर रही है। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 109(1), 118(1) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

शंटिंग के दौरान पटरी से उतरा मालगाड़ी का डिब्बा

एनकेजे की घटना : कुछ देर बाधित रहा रेल यातायात

जबलपुर। पमरे जबलपुर मंडल के अधीन एनकेजे, कटनी के बी-केबिन के समीप बुधवार की रात एक मालगाड़ी का खाली डिब्बा अचानक मालगाड़ी के डिब्बों की शंटिंग के दौरान रेल पटरी से उतर गया। उक्त मालगाड़ी में कुल सात डिब्बे शामिल बताए जा रहे हैं। दुर्घटनाग्रस्त डिब्बा खाली था। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, तकनीकी स्टाफ और रेल कर्मचारी मौके पर पहुंचे आधुनिक उपकरणों की मदद से पटरी से उतरे डिब्बे को पुनः ट्रैक पर चढ़ाने का कार्य किया। लगभग दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद देर रात डिब्बे को सुरक्षित रूप से ट्रैक पर पहुंचा दिया गया। इस दौरान एहतियातन अप और डाउन दोनों लाइनों पर रेल यातायात को नियंत्रित रखा गया, जिससे किसी बड़े व्यवधान की स्थिति उत्पन्न न हो। कार्य पूर्ण होने के बाद रेल यातायात को सामान्य रूप से बहाल कर दिया गया. घटना के बाद कुछ समय के लिए रेलवे परिसर में अफरा-तफरी का माहौल रहा।रेलवे विभाग द्वारा फिलहाल यह जांच की जा रही है कि मालगाड़ी का डिब्बा किन तकनीकी या परिचालन कारणों से पटरी से उतरा।

बैंक और ग्राहकों को लगा दिया लाखों का चूना

निजी कंपनी के दो फील्ड मैनेजरों के खिलाफ प्रकरण दर्ज

जबलपुर।

सिहोरा स्थित भारत फाइनेंशियल इनक्लूजन लिमिटेड के सिहोरा के दो फील्ड मैनेजरों ने बैंक के साथ ही बैंक से जुड़ी महिलाओं को लाखों रुपए का चूना लगा दिया। सिहोरा थाना पुलिस के अनुसार इस मामले में भारत फाइनेंशियल इनक्लूजन लिमिटेड के सिहोरा ब्रांच मैनेजर वर्तमान में बड़ग़ैया एसटीडी के बगल में निवास कर रहे गोविंद रजक ने शिकायत दी। पुलिस के अनुसार शिकायत में गोविंद ने बताया कि उसकी कंपनी के फील्ड मैनेजर शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं के समूह लोन देने एवं उनकी किश्तों के कलेक्शन का कार्य करते हैं। गोविंद की ब्रांच में फील्ड मैनेजर मुख्य मार्ग मंदिर के पास, ग्राम बडख़ेड़ा निवासी आरोपी आकाश रजक एवं खलोंदा, कटनी निवासी आरोपी रत्नेश तिवारी ने अपने पद का दुरुपयोग कर महिलाओं से उनके लोन की किश्तों को बैंक की सिहोरा ब्रांच में जमा करने का विश्वास देकर लोन की किश्तों एवं लिए गए लोन को नियत अवधि के पूर्व बंद करने के रूप में प्री-पेमेंट के रमप में एकत्रित रुपए तो लिए लेकिन नियमानुसार सिहोरा ब्रांच में जमा नहीं कराए। दोनों आरोपी यह राशि अपने व्यक्तिगत लाभ के लिए संपरिवर्तित कर फरार हो गए। गोविंद को जब आरोपी आकाश एवं रत्नेश द्वारा किए गए इस अपराध की जानकारी लगी तो दोनों से संपर्क कर रुपए लौटाने की बात कही लेकिन दोनों आरोपियों ने रुपए लौटाने से मना कर दिया और कह दिया कि वे पैसे नहीं लौटाएंगे यदि थाने मे शिकायत करना हैं तो कर दें। गोविंद के अनुसार दोनों ने जानबूझकर ब्रांच में जमा किए जाने वाले रुपए का उपयोग कर बैंक के साथ आपराधिक न्यासभंग करते हुए बैंक को आरोपी आकाश रजक ने 2 लाख 46 हजार 30 रुपए एवं आरोपी रत्नेश तिवारी ने 1 लाख 44 हजार 1 सौ 80 रुपए की क्षति पहुंचाई। शिकायत पर जांच के दौरान दोनों आरोपियों द्वारा बैंक के साथ आपराधिक न्यासभंग कर ग्राहकों के साथ धोखाधड़ी कर आर्थिक क्षति पाए जाने पर आरोपी फील्ड मैनेजर आकाश रजक एवं रत्नेश तिवारी के विरूद्ध धारा 318(4), 316 (5), 316(2), 61 (2) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर मामला विवेचना में लिया गया।

छपारा में लाखों की चोरी कर जबलपुर में खपाए जेवर

जबलपुर। जबलपुर से सिवनी के छपारा में जाकर अपने तीन अन्य साथियों की मदद से सिवनी के छपारा में नगदी व जेवरात की लाखों की चोरी करने हनुमानताल निवासी सरगना गुलफाम खान अंततः पुलिस के हत्थे चढ़ गया। हालांकि उसके तीनों साथी अभी फरार हैं। आरोपियों ने छपारा में चुराए गए सोने चांदी के जेवर जबलपुर कांचघर के सारिका ज्वेलर्स में बेचे थे। पुलिस ने छानबीन के बाद चोरी का माल बरामद कर लिया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार मुखबिर की सूचना पर क्राईम ब्रांच की टीम ने सिवनी जिले में चोरी करने के बाद अपने घर लौटे टेढीनीम निवासी गुलफाम खान उर्फ गुड्डू के घर में दबिश दी और उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की, तो उसने स्वीकार किया कि उसने अपने साथी साहिल चौधरी, फैज खान एवं ऐफ़ाज़ के साथ मिलकर 28-29 जनवरी को सिवनी छपारा में नकबजनी की और चोरी के सोने के 8 तौला के करीब के जेवर कांचघर स्थित सारिका ज्वेलर्स बेचे और रुपए सभी ने आपस में बांट लिए। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चांदी की 3 जोड़ी पायल, 6 नग चांदी के कड़े, 6 नग चांदी की बिछिया, वजनी लगभग 300 ग्राम चांदी तथा नगद 1 लाख 28 हजार रुपए जब्त कर आरोपी को पुलिस थाना छपारा के सुपुर्द किया।

किराए पर ढाबा लेकर बर्तन, फर्नीचर पार

अमानत में खयानत का प्रकरण दर्ज

जबलपुर। गोसलपुर क्षेत्र में एक ढाबा चलाने का 50 हजार रुपए में अनुबंध कर मात्र एक माह का अधूरा किराया देकर एक आरोपी ने ढाबे के फर्नीचर और बर्तनों तक पर हाथ साफ कर दिया। ढाबा मालिक महिला की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अमानत में खयानत का प्रकरण दर्ज किया हैं। पुलिस के अनुसार इस मामले में ओजस होम धनवंतरी नगर निवासी 47 वर्षीय श्रीमति तनु कुररिया की रिपोर्ट पर प्रकरण दर्ज किया हैं। पुलिस के अनुसार श्रीमति कुररिया ने बताया कि उनका दुबे पेट्रोल पंप के सामने ग्राम जुझारी गोसलपुर स्थित सम्राट श्री आर्शीवाद नाम से ढाबा है। ढाबा संचालन हेतु उन्होंने आरोपी लेन बधरी पोस्ट बंधरा निवासी 33 वर्षीय नृपेन्द्र सिंह को दिया था। जिसके बाद पुनः नवीनीकरण 1 सितंबर 2025 को विधिवत लिखा पढ़ी कर प्रतिमाह 15 हजार रुपये किराए की दर से अनुबंध किया गया था। जिसमें पगड़ी राशि 50 हजार रुपये प्राप्त की गई थी। किंतु आरोपी नृपेन्द्र सिंह द्वारा महज 10 हजार रुपए मात्र किराये का भुगतान किया गया। ढाबे में उपयोगी बर्तन एवं फनीर्चर आदि श्रीमति कुररिया द्वारा रखवाया गया था, जो सभी सामान ढाबे से उनकी जानकारी के बिना बताये आरोपी कहीं ले गया तथा सामान वापस नही कर रहा हैं। श्रीमति कुररिया ने आरोपी से फोन पर संपर्क करने का प्रयास किया किंतु कुछ पता नहीं चला। श्रीमति कुररिया ने पुलिस को बताया कि पूर्व में आरोपी निपेन्द्र वर्ष 2024 से ढाबे का किरायानामा कुआं रयैतवारी बहोरीबंद जिला कटनी निवासी सचिन गुप्ता से फर्जी अनुबंध कर ढाबा संचालित करने लगा था। जिसका उन्हें पता चलने पर मौखिक माफी नामा के आधार पर माफ करते हुये 31 अगस्त से ढाबा संचालन हेतु अनुबंध किया था। जिसकी मूल प्रति आरोपी अपने साथ ले गया। रिपोर्ट पर धारा 316(2) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर प्रकरण विवेचना मे लिया गया।

कोहरे ने रोकी ट्रेन की रफ्तार

जबलपुर। उत्तर भारत ने चल रहे कोहरों ने ट्रेनों की रफ्तार प्रभावित की है। उत्तर भारत की ओर से आने वाली महाकौशल श्रीधाम, विंध्याचल एक्सप्रेस सहित कई ट्रेनें घंटों विलंब से चल रही हैं। दरअसल दिल्ली व यूपी-बिहार से जबलपुर आने वाली गाडियों पर कोहरे का जबर्दस्त असर पड़ रहा है. जिससे ट्रेनें 3 से 6 घंटे तक विलंब से चल रही हैं। ट्रेनों की इस लेटलतीफी के कारण यात्रियों की परेशान बढ़ रही हैं। रेलवे सूत्रों के मुताबिक गाड़ी संख्या 12190 निजामुद्दीन-जबलपुर महाकोशल एक्सप्रेस 6 घंटा 15 मिनट लेट चल रही है। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 12191 निजामुद्दीन-जबलपुर श्रीधाम एक्सप्रेस 3 घंटा लेट विलंब से पहुंची।

पनागर से सागर जाकर की मौसेरी बहन की हत्या

एकतरफा प्यार में नर्स को गोली मारी

जबलपुर। सागर जिले के शाहगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में पदस्थ नर्स दीपशिखा की गोली मारकर हत्या करने का मामला सामने आया है। पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि वारदात को अंजाम देने वाला कोई और नहीं बल्कि उसका मौसेरा भाई, पनागर निवासी सुशील आठ्या है। आरोपी एकतरफा प्रेम में पड़ा हुआ था और दीपशिखा से शादी करना चाहता था। पहचान होने के बाद सागर पुलिस जबलपुर पहुंचकर उसकी तलाश कर रही है और पनागर सहित आसपास के इलाकों में दबिश दी जा रही है।पुलिस के अनुसार जबलपुर जिले के पाटन क्षेत्र की रहने वाली 26 वर्षीय दीपशिखा करीब दो वर्षों से शाहगढ़ स्वास्थ्य केन्द्र में नर्स के पद पर कार्यरत थी। वह अस्पताल से लगभग 200 मीटर दूर किराए के कमरे में रहती थी।

बताया जा रहा है कि उसका मौसेरा भाई सुशील आठ्या लंबे समय से उससे एकतरफा

प्रेम करता था और शादी करना चाहता था। इस संबंध में उसने कई बार बात की, लेकिन दीपशिखा ने साफ इनकार कर दिया था। इसी को लेकर दोनों के बीच विवाद भी हुआ और बाद में आरोपी ने हत्या की योजना बना ली।

दिनभर की रेकी के बाद की वारदात

जानकारी के मुताबिक आरोपी घटना वाले दिन शाहगढ़ पहुंचा और दिनभर क्षेत्र में घूमकर रेकी करता रहा। रात करीब 8 बजे दीपशिखा अपनी ड्यूटी पर जाने के लिए कमरे से पैदल अस्पताल की ओर निकली। अस्पताल गेट के पास आरोपी ने उसका हाथ पकड़ लिया। विरोध करने पर उसे धक्का देकर गिरा दिया और जेब से कट्टा निकालकर तीन फायर किए।एक गोली निशाना चूक गई, जबकि दो गोलियां दीपशिखा की पीठ में लगीं, जो दिल के पीछे तक पहुंच गईं। मौके पर ही उसकी मौत हो गई। गोली चलने की आवाज सुनकर अस्पताल कर्मचारी और अन्य नर्सें बाहर आईं और आरोपी का पीछा किया, लेकिन वह जंगल की ओर भाग निकला।

पहले भी की थी शिकायत

बताया गया है कि आरोपी की लगातार हरकतों से परेशान होकर दीपशिखा ने जबलपुर के पाटन थाने में उसकी शिकायत भी की थी। दोनों पक्षों को थाने बुलाया गया था, जहां माफी मांगने के बाद समझौता हो गया था। कुछ समय तक स्थिति सामान्य रही, लेकिन बाद में आरोपी फिर परेशान करने लगा।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक–डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240